वर्ष 68 अंक 330 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 28 अगस्त, 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

"मुझे लगता है कि नेतृत्व का अर्थ है लोगों के साथ चलना।
-महात्मा गांधी

हिंदू-मुस्लिम दोनों धर्म फॉलो करती हैं सारा

मैं भारतीय हूं, ये मेरे लिए सबसे ऊपर...

मुंबई, जेएनएन। *सारा अली खान के पिता मुस्लिम हैं, तो वहीं उनकी मां हिंदू। सारा की खास बात यह है कि वह दोनों धर्म की रिस्पेक्ट करती हैं और उन्हें फॉलो करती हैं। अब सारा ने दोनों धर्म को लेकर बात की और बताया कि उनके लिए सबसे ऊपर भारत है। वह ईद भी मनाती हैं, गणेश चतुर्थी भी और क्रिसमस भी। सारा ने कहा, मेरे लिए सबसे ऊपर है कि मैं इंडियन हूं। मेरी आध्यात्मिक मान्यताएं चाहे जो भी हों, उनके मूल में भारतीय होने की अहम भावना है। मेरे लिए भारतीय होना मतलब सब त्योहारों को सेलिब्रेट करना। हम ईद मनाते हैं, हम गणेश चतुर्थी मनाते हैं, हम क्रिसमस मनाते हैं और मुझे लगता है, सहानुभूति उतनी प्रचलित नहीं है, जितनी होनी चाहिए, लेकिन त्योहार इसकी अनुमति देते हैं। गणेश चतुर्थी को लेकर सारा ने कहा कि यह त्योहार उनके लिए काफी स्पेशल है। उन्होंने कहा, मेरे लिए त्योहार मतलब जहां सब साथ में सेलिब्रेट करते हैं, प्रार्थना करते हैं, हमारी लाइफ में नई शुरुआत होती है। वैसे सारा हर त्योहार को सेलिब्रेट करने की फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। गणेश चतुर्थी पर वह गणपति बप्पा को भी घर लेकर आती हैं जहां परिवार व दोस्तों के साथ त्योहार को सेलिब्रेट करती हैं। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो सारा लास्ट अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो इन दिनों में नजर आई थीं।*

उज्जैन में ग्लोबल स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव: धर्मार्थ ट्रस्टों और निवेशकों के साथ मंथन

हमारे देवालय हो सकते हैं लोकतंत्र के मॉडल: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आध्यात्मिक सीमाएं किसी भौगोलिक सीमा से बंधी नहीं है। भारत ही आत्मा के विकास का केंद्र है। हमारे देवालय लोकतंत्र के भी मॉडल हो सकते हैं। पूरा प्रदेश ऐसे पवित्र और अच्छे कार्यों के लिए देश के साथ खड़ा है। हमें इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना है। डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन में आयोजित दूसरे ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव 'रूह मेंटिक' को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है। यह काल की नगरी है और काल सबका समय नियत करता है। आज का समय भारत का है। पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। भारत के चारों तरफ, पूरब-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, हर दिशा से सुखद समाचार आ रहे हैं, जो हमसे जुड़े हैं वे आनंद में डूबे हुए हैं और जो हमसे कंपटीशन मानते हैं, वे स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो गारंटी से कह सकते हैं कि आत्मा के विकास के लिए हिंदुस्तान के अलावा दुनिया में कोई जगह नहीं है। मनुष्य के इस शरीर के भीतर जो प्रश्न उमड़ते-घुमड़ते हैं, उनके उत्तर ढूंढने के लिए अंततः संबंध भारत से ही जुड़ता है।

हमारी आध्यात्मिक सीमाएं पर्शिया और ईरान तक

राजसत्ताओं की सीमाएं भौतिक रूप से बंधी हो सकती हैं, लेकिन हमारी आध्यात्मिक सीमाएं गुरुनानक देव जी ने पर्शिया और ईरान तक की यात्रा की। राजसत्ताओं की सीमाएं बनती-बिगड़ती रहती हैं, लेकिन हमारी सांस्कृतिक एकता हमेशा बनी रहती है। पर्यटन, संस्कृति और विभिन्न कार्यों के बल पर हम देश भर में अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं।

ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सीएम डॉ. मोहन यादव।

भगवान का घर सिर्फ गर्भगृह शेष परिसर भक्तों के लिए

सीएम ने कहा कि हमारे देवालय केवल पूजा के केंद्र नहीं हैं। बाबा महाकाल का ही उदाहरण लें तो आज महालोक के रूप में लगभग एक हजार बीघा में मंदिर परिसर विकसित हो चुका है। पूरे मंदिर परिसर में भगवान का वास्तविक घर तो केवल गर्भगृह है, जिसमें वे आनंदपूर्वक विराजमान हैं। शेष पूरा परिसर भक्तों के लिए है। यही हमारी संस्कृति है। हमारे यहां खाना नहीं, भोजन शब्द है। भगवान को पहले भोग लगता है और उसके बाद प्रसाद मिलता है। यही हमारी परंपरा और संस्कृति है।

आध्यात्मिक पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर: शेखावत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, भारत सदा से मानवता का आध्यात्मिक हृदय रहा है। आज पूरी दुनिया संतुलन, अर्थ खोज रही है, हमारे पावन तीर्थस्थल परिवर्तन के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ ढांचा खड़ा करना नहीं, बल्कि ऐसे प्रामाणिक अनुभव उपलब्ध कराना है, जिनसे हर यात्री समृद्ध महसूस करे और हर समुदाय लाभान्वित हो। आध्यात्मिक पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर है और अब समय आ गया है कि हम इसे वैश्विक नेतृत्व में बदलें।

पर्यटन को तीर्थाटन की भावना से जोड़ना जरूरी

डॉ. यादव ने कहा कि आज अनेक ट्रस्ट मेडिकल कॉलेज, हॉस्टल और वृद्धाश्रम चलाते हैं। इस प्रकार की सामाजिक उत्तरदायित्व की गतिविधियों को जोड़कर पर्यटन को केवल बाहरी आनंद तक सीमित न रखकर, तीर्थाटन की भावना से जोड़ना चाहिए, ताकि व्यक्ति, समाज और प्रदेश का भला हो सके। अहिल्या माता की सत्ता केवल पांच जिलों तक सीमित थी, लेकिन उन्होंने काशी में विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करवाकर सनातन संस्कृति को एक अमूल्य धरोहर दी। आज भी उसी मंदिर में पूजा होती है। (पेज-2 भी देखें)

महू में सैन्य रण संवाद: फ्यूचर वॉर की चुनौतियों पर मंथन

देश के लिए किसी भी हद तक जाएंगे : राजनाथ

बोले-महाभारत युद्ध को टालने के लिए श्रीकृष्ण ने किया था संवाद

जागरण, महू। आर्मी वॉर कॉलेज महू में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने रण संवाद में युद्ध और तकनीक पर संबोधन दिया। रक्षा मंत्री ने कहा-हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब हम आगे की ओर देखते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि भारत के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारा संकल्प और साहस उससे भी बड़ा है। उन्होंने कहा-देश की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों द्वारा ही नहीं की जाती, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाले वैज्ञानिकों, हथियार प्रणाली बनाने वाले उद्योगपतियों और अगली पीढ़ी को युद्ध के लिए तैयार करने वाले शिक्षकों द्वारा भी की जाती है। राजनाथ ने यह बात महू में आयोजित रण संवाद 2025 के दूसरे दिन बुधवार को कही। उन्होंने कहा-हमें अपनी एकता, स्पष्ट नीयत और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस देश को आगे ले जाना है। इसी आत्मविश्वास के साथ हम 2047 की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे। भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। रक्षा मंत्री मंगलवार रात करीब 9 बजे महू पहुंचे थे। यहां उन्होंने आर्मी वॉर कॉलेज में विश्राम किया।

एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं रण और संवाद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रण-संवाद का ऐतिहासिक आधार है, यह मुझे हमारे इतिहास की कई घटनाओं की याद दिलाता है, जो दर्शाती हैं कि सभ्यतागत युद्धों में 'रण' और 'संवाद' एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमारी संस्कृति में, संवाद युद्ध से अलग नहीं है। यह युद्ध से पहले होता है, युद्ध के दौरान होता है, और युद्ध के बाद भी जारी रहता है। महाभारत का उदाहरण लें, युद्ध को रोकने के लिए भगवान कृष्ण शांति के दूत के रूप में गए। उन्होंने संवाद के जरिए युद्ध को टाले जाने की कोशिश की।

कार्यक्रम का शीर्षक काफी रोचक है

राजनाथ सिंह ने कहा, कार्यक्रम का शीर्षक, रण संवाद, मुझे काफी रोचक लगा। नाम अपने आप में विचार करने और चिंतन करने का विषय है। एक ओर, 'रण' युद्ध और संघर्ष की छवि को उजागर करता है। वहीं दूसरी ओर, 'संवाद', चर्चा और सुलह की ओर संकेत करता है। पहली नजर में, दोनों शब्द विरोधाभासी लगते हैं। जहां युद्ध है, वहां संवाद कैसे हो सकता है, और जहां संवाद हो रहा है, वहां युद्ध कैसे हो सकता है? लेकिन अगर आप गहराई से देखें, तो यह नाम हमारे समय की सबसे प्रासंगिक सच्चाइयों में से एक को दर्शाता है।

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं

राजनाथ ने कहा, हमें पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करना चाहिए। पहले इस्तेमाल न करने के सिद्धांत पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि परमाणु हथियार किसी के भी दुस्साहस के लिए निवारक होने चाहिए।

21वीं सदी में सिर्फ सैनिक और हथियार भंडार पर्याप्त नहीं

राजनाथ ने कहा, पाकिस्तान में पनाह लिए आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी और तेजी से कार्रवाई की, उसकी कल्पना उन आतंकियों ने भी नहीं की होगी। मेरा विश्वास है कि हर युद्ध हमें कुछ महत्वपूर्ण सीख देता है। युद्ध के दौरान, हम तैयारी के स्तर का वास्तविक आकलन करने में सक्षम होते हैं। हम ऑपरेशन सिंदूर की बात करें, तो यह वास्तव में तकनीक-संचालित युद्ध का अद्भुत प्रदर्शन था। आज युद्ध का कोई कठोर सिद्धांत नहीं है, जिस पर हम आंख मूंदकर भरोसा कर सकें। 21वीं सदी में सैनिकों की मात्र संख्या या हथियारों के भंडार का आकार अब पर्याप्त नहीं है। साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानवरहित हवाई वाहन और उपग्रह-आधारित निगरानी भविष्य के युद्धों को आकार दे रहे हैं। सटीक हथियार, वास्तविक खुफिया डेटा अब अहम बन गए हैं। अब युद्ध जमीन, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं हैं, वह बाह्य अंतरिक्ष और साइबरस्पेस तक फैल गए हैं। (पेज 11 भी देखें...)

संक्षिप्त खबरें

दबाव में आकर सरकार ने बदली रणनीतिः जीतू

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर उनकी पार्टी किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि दवाब में आकर सरकार को रणनीति को बदलना पड़ा है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की लड़ाई को हर संभव तरीके से लड़ेगी और संवैधानिक अधिकार के लिए निर्णायक संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मप्र सरकार को अपनी रणनीति से पलटना पड़ा और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने जवाब को वापस लेने के लिए आवेदन देना पड़ा। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश भर के ओबीसी समाज, छात्र संगठनों, युवाओं व अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से मुद्दे पर व्यापक जन जागरण और आंदोलन आयोजित करेगी। जरूरत पड़ी तो न्यायालयीन और जमीनी संघर्ष के साथ-साथ जन समर्थन जुटाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। पटवारी ने ओबीसी समाज के युवाओं को यह भरोसा दिया कि कांग्रेस उनकी आवाज़ बनेगी और 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर लड़ाई जारी रखेगी।

संविदा कर्मचारियों को मिलेगा ग्रेजुएटी का लाभ

जागरण, भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत संविदा अधिकारी-कर्मचारियों को अब सेवानिवृत या मृत्यु होने पर ग्रेजुएटी का लाभ शासकीय कर्मचारी के अनुसार ही मिलेगा यह सुविधा 1 सितंबर 2025 से लागू की गई है पहले संविदा अधिकारी कर्मचारियों को ग्रेजुएटी का लाभ नहीं मिलता था। मध्य प्रदेश कर्मचारी मप्र अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत संविदा अधिकारी कर्मचारी को सरकारी कर्मचारियों के समान हीं उपादान एक्ट 1972 के अनुसार ग्रेजुएटी का लाभ देने का निर्णय लेकर कर्मचारी हित में काम किया है । उन्होंने कहा कि कर्मचारी मंच की मांग है कि कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा अधिकारी कर्मचारियों के समान शासन के शासकीय एवं अर्ध शासकीय विभागों में कार्यरत संविदा अधिकारी कर्मचारियों को ग्रेजुएटी, उपादान का लाभ उपादान अधिनियम 1972 के तहत देने का आदेश जारी किया जाए।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन छग हाई कोर्ट स्थानांतरित

जागरण, जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन का छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट स्थानांतरण कर दिया गया है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने वक्तव्य जारी कर दिया है। इसी कड़ी में गुजराज हाई कोर्ट से न्यायमूर्ति संदीप नटवरलाल भट्ट का मध्य प्रदेश हाई कोर्ट स्थानांतरण किया गया है। 24 मई, 1966 को जन्म न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन सात अप्रैल, 2016 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। मार्च, 2018 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश बनाया गया था। उन्होंने मप्र शासन के मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के मामले में संज्ञान आधारित सुनवाई सहित कई महत्वपूर्ण आदेश पारित किए।

अपील का विकल्प मौजूद अतः निरस्त की याचिका

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने अपील का विकल्प मौजूद होने के बावजूद सीधे हाई कोर्ट चले आने के रवैये को अनुचित माना। इसी के साथ याचिका इस स्वतंत्रता के साथ निरस्त कर दी कि याचिकाकर्ता संबंधित फोरम में अपील कर सकता है। याचिकाकर्ता डालमिया सीमेंट भारत लिमिडेड की ओर से जिला पंजीयक, स्टाम्प कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके अंतर्गत 20 करोड़, 89 लाख, 47 हजार 750 रुपये का शुल्क अधिरोपित कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पैनल लायर अर्वण तिवारी ने विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि इस प्रकरण में याचिकाकर्ता के समक्ष अपील व द्वितीय अपील का प्रविधान था। इसके बावजूद वह सीधे हाई कोर्ट चला आया।

उज्जैन को श्रेष्ठ पर्यटन शहर बनाने कॉन्क्लेव में हुआ मंथन, विशेषज्ञों ने बताए अनुभव, दिए सुझाव

देश के कई प्रसिद्ध धार्मिक ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

विशेष संवाददा, भोपाल। दुनिया में धार्मिक पर्यटन के तौर पर पहचान रखने वाले शहरों की सूची में उज्जैन सहित मध्यप्रदेश के दूसरे धार्मिक शहरों को कैसे जोड़ा जाए, इस पर बुधवार को उज्जैन में स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों ने मंथन किया। इनमें देश के कई प्रसिद्ध धार्मिक ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए। कान्क्लेव में राउंड टेबल में मौजूद अलग-अलग मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के प्रमुख मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि उनके धार्मिक स्थलों में किस तरह की व्यवस्थाएं और सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। श्री सांईबाबा संस्थानम ट्रस्ट शिर्डी के सीईओ एवं आईएएस अफसर गौरक्षा गाडीलकर ने बताया कि किस तरह से शिर्डी में श्रद्धालुओं को व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी तरह शिर्डी शहर में गेस्ट हाउस सहित दूसरी अन्य जरूरतों को ट्रस्ट कैसे संचालित करता है, इस पर भी उनके द्वारा प्रकाश डाला गया। गाडीलाकर ने कहा कि मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में सिंहस्थ जैसा बड़ा आयोजन होता है जिस पर पूरे विश्व की नजर रहती है। अब तक के सभी आयोजन में उज्जैन ने अपनी श्रेष्ठता साबित की है। तिरुपति बालाजी देवस्थानम (टीटीडी) के एडिशनल एग्जीक्यूटिव ऑफिसर व आईआरएस अफसर वैंकेय्या चौधरी ने श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधाएं, उनके लिए खोले गए काउंटर, कर्मचारियों की तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उज्जैन में भी अब तक हुए सिंहस्थ में स्थानीय स्तर पर बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। चौधरी ने आगामी सिंहस्थ को लेकर अपने स्तर पर कई सुझाव भी दिए। यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी और इंफ्रास्ट्रक्टर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के सचिव विजय के आनंद ने उज्जैन सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर कई सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ के दौरान किस तरह की प्लानिंग की गई थी। जिससे श्रद्धालुओं और साधु-संतों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा और पूरा महाकुंभ बेहतर वातावरण में सम्पन्न हुआ।

उज्जैन में खुलेगा रेडिसन होटल

रेडिसन के डायरेक्टर और सेल अमित सिंह ने बताया कि उज्जैन में जल्दी ही उनका होटल रेडिसन खुलने जा रहा है। निकट भविष्य में प्रदेश में 3 होटल और खोले जाएंगे। इंडिगो के एसोसिएट डायरेक्टर विक्रांत देशमुख ने बताया कि आगामी सिंहस्थ को देखते हुए उड़ानों की संख्या में वृद्धि की जाएगी।

बढ़ रही है पर्यटकों की संख्या

प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि कोविड काल के बाद मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 में 11 करोड़, वर्ष 2024 में 13 करोड़ पर्यटक पहुंचे। प्रदेश में पर्यटन 20 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से विकास कर रहा है। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थलों में उज्जैन सबसे ऊपर है, जहां पिछले साल 7 करोड़ लोगों ने दर्शन किए। महाकाल लोक के निर्माण से पर्यटन को नई ऊंचाई मिली है। दूसरे स्थान पर मैहर और तीसरे स्थान पर अमरकंटक रहा है। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए हर संभव सुविधाएं जुटाई जा रही हैं।

दुनिया में 10 श्रेष्ठ धार्मिक पर्यटन शहर

धार्मिक पर्यटन के लिए विश्व भर में पहचान बनाने वाले शीर्ष 10 शहर हैं। इनमें भारत के 4 शहर - प्रयागराज (20 करोड़ सैलानी प्रतिवर्ष), अयोध्या (3 करोड़ सैलानी प्रतिवर्ष), तिरुपति बालाजी (3 से 4 करोड़ सैलानी प्रतिवर्ष) और वाराणसी शामिल हैं।

आध्यात्मिक पर्यटन में भारत का योगदान

पीएचडीसीसीआई चेयर एंड टूरिज्म कमेटी के अनिल पाराशर ने कहा कि आध्यात्मिक पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक आंदोलन है, जिसमें भारत की दो-तिहाई घरेलू यात्राओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन पैमाने के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

किसानों की समस्या नहीं हो पा रही दूर : सिंघार

विशेष संवाददाता, भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर सरकार बनाती है, लेकिन उसे न तो किसानों की समस्याओं से कोई मतलब है और न ही युवाओं को नौकरियां देने में। इससे प्रदेश का किसान और युवा परेशान है। सिंघार ने कहा कि प्रदेश के किसानों को खाद नहीं मिल रही है। जब मैं विधानसभा में यह मुद्दा उठाता हूं तो सरकार मंत्री झूठ बोलते हैं कि पूरे प्रदेश के किसानों को खाद मिल रही है। शिवराज सिंह चौहान खुद को किसानों का बेटा बताते हैं और 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन किसानों के लिए कुछ नहीं किया। प्रदेश के किसानों के आंसू पोंछने वाला आज कोई नहीं है। फसलें खराब हो रही हैं, लेकिन किसानों को बीमा की राशि नहीं मिल रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह सरकार वोट चोरी की सरकार है। भाजपा ने 16 लाख वोट चोरी कर सरकार बनाई है। जनता का जनादेश कांग्रेस की सरकार बनाने का था, लेकिन भाजपा ने जनादेश का अपमान करते हुए वोट चोरी कर अपनी सरकार बनाई। यही नहीं, भाजपा सरकार न केवल वोट चोरी कर रही है, बल्कि युवाओं की नौकरियां भी चोरी कर रही है।

कलेक्टर पर हाथ उठाना दुर्भाग्यपूर्ण

नेता प्रतिपक्ष ने भिंड कलेक्टर पर भाजपा विधायक द्वारा हाथ उठाने की कोशिश करने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह भी एक सच्चाई है कि पूरे प्रदेश के किसान खाद के लिए परेशान हैं। सरकार और उनके प्रशासनिक अधिकारी लगातार जनप्रतिनिधियों और किसानों की बातें सुनने से इंकार कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि आज सत्ता में होते हुए भी भाजपा विधायक को कलेक्टर के निवास में घुसकर खाद की समस्या को लेकर धमकाने जैसी स्थिति में जाना पड़ा।

महिलाओं के ज्यादा शराब पीने वाले बयान पर जीतू को सीएम ने घेरा

बोले-रात की उतरी नहीं होगी, बहनों का इस तरह का अपमान बर्दाश्त योग्य नहीं

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा महिलाओं द्वारा शराब पीने वाले बयान की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फिर से आलोचना की है। उन्होंने कहा पता नहीं कहां से आंकड़े ले आए। खुद की रात की उतरी नहीं, पता नहीं क्या हुआ। किसके लिए कह रहे हैं पर बहनों का इस तरह का अपमान बर्दाश्त योग्य नहीं है। मुख्यमंत्री बुधवार को उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जीतू पटवारी के बयान की चर्चा करते हुए कहा कि कोई कहता है कि बहनें पैसा मिल गया, तो दारू पीती हैं। शर्म आनी चाहिए,डूब मरना चाहिए। तुम ऐसी बातें करते हो,माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश की जनता माफ नहीं करेगी। हमारी बहनों का अपमान सरकार और हमारी पार्टी बिल्कुल देने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन शहर का हर काल में विशेष महत्व रहा है। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। आज उज्जैन को कुल 107 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिली है। आगामी सिंहस्थ महापर्व में स्नान क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा। सेवरखेडी - सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष जल रहेगा, क्षिप्रा सदैव प्रवहमान रहेगी। सिंहस्थ में सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही उज्जैन को नई 4 लेन सड़क की सौगात मिलने वाली है। साथ ही लगभग 10 हजार करोड़ की लागत से नई मेट्रो लाइन उज्जैन से इंदौर और पीथमपुर को कनेक्ट करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लखपति दीदी योजना ने बहनों का सशक्तिकरण किया है। प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर बहनों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार ने लाड़ली बहना योजना शुरू की है, जिसमें बहनों को 1250 रुपए की राशि दी जा रही है। जल्दी ही प्रतिमाह 1500 रुपए की राशि दी जाएगी।

52 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उज्जैन में एक अन्य कार्यक्रम में 52 करोड़ 69 लाख रुपए से अधिक की लागत से राष्ट्र वीर दुर्गादास छत्री के संरक्षण संवर्धन एवं विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय तथा मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यूजीसी ने बढ़ाई भोज विवि में प्रवेश लेने एक माह की अवधि

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जुलाई, अगस्त 2025 शैक्षणिक सत्र के लिए ओपन डिस्टेंस (ओडीएल) और ऑनलाइन कोर्सेज में दाखिले की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। पूर्व में भोज विवि ने प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर रखी थी। उक्त तिथि तक प्रवेश की स्थिति अच्छी नहीं रहे। इसलिए भोज मुक्त विश्वविद्यालय के साथ देश के कई विश्वविद्यालयों ने यूजीसी से अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की थी। यूजीसी ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे दाखिला लेने से पहले आधिकारिक यूजीसी डीईबी पोर्टल से ओडीएल और ऑनलाइन कोर्सेज की मान्यता और पात्रता की स्थिति चेक कर लें। साथ ही कालेजों की मान्यता को भी चेक कर लें। यूजीसी के रूल के मुताबिक प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए भोज, और इग्नू समेत किसी भी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) या ऑनलाइन (ओएल) कोर्स में नामांकन से पहले अपनी एबीसी आईडी का उपयोग कर एक डीईबी, आईडी बनाना अनिवार्य है। इच्छुक शिक्षार्थी यूजीसी, डीईबी वेब पर या डिजीलॉकर के माध्यम से डीईबी, आईडी पर जाकर अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड से अपनी एबीसी आईडी बना सकते हैं।

मछली माफिया पर शिकंजा, 14 दिन में कार्रवाई कर मांगी एक्शन टेकन रिपोर्ट

मानवाधिकार आयोग ने संबंधित विभागों को दिया नोटिस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने शारिक मछली, उसके परिवार व करीबियों को चंदेरी एवं हथाईखेड़ा बांध में मछली मारने का ठेका देने को लेकर प्रदेश के मत्स्य पालन, सहकारिता, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। यह मामला मछली माफिया द्वारा फर्जी समितियों के जरिए सरकारी टेंडर में हेरफेर और पारंपरिक मछुआरों के मानवाधिकारों का उल्लंघन का है। आयोग को शिकायतकर्ता ने मय दस्तावेजों के शिकायत भेजी गई थी। शिकायतकर्ता ने मानवाधिकार आयोग को बताया है कि मछली माफिया गिरोह के सरगना ने सरकारी अफसरों की मिलीभगत से चंदेरी और हथाईखेड़ा बांध में मछली पकड़ने के ठेके अवैध तौर पर हासिल किए। इसके लिए फर्जी सहकारी समितियों जैसे ईंटखेड़ी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था और इस्लाम नगर मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था का इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि ये ठेके पर्दे के पीछे जलील मोहम्मद खान उर्फ नील मियां, शरीक मछली एवं उनके भाइयों और मुकेश ठाकुर द्वारा चलाए जा रहे हैं।

आयोग ने विभागों को इन बिंदुओं पर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

शिकायत को प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए, आयोग ने मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान लिया है। आयोग ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सहकारिता, प्रमुख सचिव मत्स्य पालन, पुलिस कमिश्नर भोपाल और जिला कलेक्टर को नोटिस जारी कर निम्नलिखित मामलों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है

- चंदेरी और हताईखेड़ा बांधों में मछली पकड़ने की गतिविधियों और पट्टा आवंटन की प्रक्रिया।
- अवैध लेनदेन में शामिल दोषी अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई
- पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर को पारंपरिक मछुआरों के अधिकारों के उल्लंघन और उनके खिलाफ किए गए अत्याचारों के लिए एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया

तत्कालीन कलेक्टर के आदेशों की हुई अनदेखी

शिकायत में कहा गया है कि तत्कालीन भोपाल कलेक्टर ने वित्तीय अनियमितताओं के कारण ईंटखेड़ी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था के पंजीकरण को रद्द करने और जलील मोहम्मद खान के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया था। मत्स्य पालन विभाग के सहायक निदेशक ने निर्देशों के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया। मछुआ समिति के अनुसूचित जाति/जनजाति सदस्यों को उनके पारंपरिक रोजगार से वंचित होना पड़ा, जिससे उनके अधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ। शिकायत में दावा किया गया है कि शारिक मछली और उसके परिवार को मत्स्य पालन विभाग के अफसरों ने नियम विरुद्ध मदद की।

नहीं रुकेगा चाइल्ड केयर लीव के वेतन का भुगतान

ई-अटेंडेंस का पेंचः भोपाल में 70 सहित प्रदेश में दस हजार महिला शिक्षक लीव पर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश की 10 हजार महिला शिक्षकों को चाइल्ड केयर लीव पर वेतन दिया जाएगा। जुलाई से ई-अटेंडेंस शुरू हुई थी तब लोक शिक्षण संचालनालय ने हर शिक्षक के लिए हमारे शिक्षक एप पर उपस्थिति भरना अनिवार्य किया था। जो महिला शिक्षक ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने के पहले से चाइल्ड केयर लीवर पर हैं उनके विषय में जिला शिक्षा अधिकारियों ने लोक शिक्षण संचालनालय से मार्गदर्शन मांगा है। संचालनालय ने मामले में स्पष्ट किया कि जो लीव पर हैं उनका पूरा डॉटा प्रमाणों के साथ संलग्न कर सिस्टम पर अपलोड किया जाए। फिर इनके वेतन के भुगतान के लिए बिल बनाये जाएं। इसके बाद उनका भुगतान किया जाएगा। प्रदेश में दस हजार महिला शिक्षक चाइल्ड केयर लीव पर हैं। इंदौर में 175, ग्वालियर में 155, भोपाल 70 और जबलपुर में 105 महिलाएं चाइल्ड केयर लीव पर हैं। छिंदवाड़ा में 122, रतलाम 131, सागर 140, रीवा 133 एवं सतना में 130 महिला शिक्षक मातृत्व अवकाश पर चल रही हैं। इसी तरह उज्जैन, देवास, छतरपुर, दमोह, पन्ना, दतिया, टीकमगढ़, कटनी, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, खंडवा सहित अन्य जिलों में भी महिला शिक्षक चाइल्ड केयर लीव पर हैं।

कई क्षेत्रों में नेट बन रहा परेशानी

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस में इंटरनेट परेशानी बन रहा है। लगातार टीचर यह शिकायत कर रहे हैं कि स्कूल में अटेंडेंस भरते वक्त नेट परेशान कर रहा है। शिक्षकों के अटेंडेंस लगाने के एक से दो घंटे बाद एप पर ओके रिपोर्ट आ रही है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को समस्या बता रहे हैं। इधर लोक शिक्षण संचालनालय का कहना है कि जिन क्षेत्रों में इंटरनेट की समस्या है, वहां परीक्षण चल रहा है।

> जो महिला शिक्षक चाइल्ड केयर लीव पर हैं, उनका निरंतर वेतन बनेगा। जब तक लीव पर हैं तब तक इन्हें राहत है। लीव अवधि समाप्त होने के बाद इन्हें एप पर अपनी अटेंडेंस लगानी होगी।
>
> ■ **केके द्विवेदी**, डायरेक्टर लोक शिक्षण संचालनालय

शहर में रात साढ़े 12 बजे के बाद ही प्रवेश कर पाएंगे भारी वाहन

जागरण,भोपाल। गणेश उत्सव के चलते शहर में आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश अब रात साढ़े 12 बजे के बाद होगा। बुधवार को शहर के चौक-चौराहों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित होने पर नगरीय यातायात पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किए हैं। गणेश उत्सव को लेकर कई जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसको ध्यान में रखते हुए रात 11 बजे के बाद शहर में आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश रात 12.30 बजे कर दिया गया। इससे कार्यक्रम स्थलों पर दुर्घटना की आशंका कम रहेगी और यातायात संचालन सुगम रहेगा।

कांग्रेस ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

छात्रों को निजी कॉलेजों में दुगनी फीस भरने किया जा रहा मजबूर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कांग्रेस ने बुधवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता आयोजित कर प्रदेश की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पत्रकारवार्ता को कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक, कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार एवं एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने संबोधित किया। मीडिया विभाग अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा में हो रहे फर्जीवाड़े और शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में फैकल्टी की भारी कमी से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को माफिया संचालित कर रहे हैं और सरकार की मौन स्वीकृति से विद्यार्थियों को निजी कालेजों में दुगनी-तिगुनी फीस चुकाने पर मजबूर किया जा रहा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि मप्र के 13 शासकीय नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं जिनमें नियम अनुसार प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर तक नहीं हैं। हैरानी की बात है कि 3 कॉलेजों में तो सिर्फ 1-1 फैकल्टी के भरोसे पूरी व्यवस्था चलाई जा रही है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर प्रदेश की बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था को लेकर एनएसयूआई लगातार आवाज उठा रही है, लेकिन सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने की बजाय उन्हें संरक्षण दे रही है।

सूक्ष्म निष्पक्ष न्यायिक जांच हो

रवि परमार ने बताया कि इन 13 नर्सिंग कॉलेज में से चार नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं जिनमें सीबीआई ने कमियां पाई थीं और इनको डिफिशिएंट कैटेगरी में रखा था, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा गठित रिटायर्ड आईएएस राधेश्याम जुलानिया और अन्य दो सदस्यों की कमेटी द्वारा उक्त कालेजों को सूटेबल कर दिया गया। जिससे स्पष्ट है कि राधेश्याम जुलानिया की कमेटी द्वारा सूटेबल किए कालेज की भी सूक्ष्म निष्पक्ष न्यायिक जांच होना चाहिए और कमेटी की रिपोर्ट के सभी दस्तावेजों की फॉरेंसिक जांच होना चाहिए।

बदलेगा 68 साल पुराना एक्ट — शस्त्र चलाने, भंडारण, ट्रेनिंग और डिस्पोजल के भी नियम होंगे तय

नए साल में लागू होगा पुलिस आर्म्स के लिए नया रेगुलेशन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस साल के अंत तक हथियारों को लेकर नई नियमावली तैयार कर लेगी। फिलहाल पुराना मस्केट एक्ट लागू है, जिसमें अब संशोधन की तैयारी की जा रही है। यह मस्केट एक्ट अंग्रेजों के जमाने का है और जिसे 68 साल पहले 1957 में लागू किया गया था। इसे उस समय के हथियारों के हिसाब से तैयार किया गया था। अब प्रदेश की पुलिस के पास इंसास और एसएलआर जैसे आधुनिक वेपन हैं लिहाजा अब पुलिस नया मस्केट्री रेगुलेशन तैयार करने जा रही है। नए रेगुलेशन में पुलिस के हथियारों से जुड़े हर एक बिंदु के लिए नियमावली तय होगी और पुलिस को समय-समय पर नए हथियार मिलते रहेंगे। कमेटी में शामिल अफसरों के अनुसार साल के अंत तक नई नियमावली को तैयार कर इसे नए साल से पुलिस में लागू करने की तैयारी है। यह नया रेगुलेशन पुलिस के हथियारों के लिए अंब्रेला की तरह काम करेगा, जिसमें आर्म्स से जुड़े सभी बिंदु शामिल होंगे।

कमेटी ने तैयार किया ड्राफ्ट, सभी यूनिट से मांगे सुझाव

पुलिस के हथियारों को लेकर प्रदेश सरकार ने एक कमेटी का गठन किया था। पुलिस महकमे के एडीजी एसएएफ की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई थी। इसमें सातवीं बटालियन के कमांडेंट, एआईजी प्रबंध, एआईजी एसटीएफ और एआईजी हॉक फोर्स को शामिल किया गया था। इस कमेटी को ये जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि पुलिस में नए और आधुनिक शस्त्रों को शामिल करते हुए पुराने हो चुके हथियारों को सेवा से बाहर कर दिया जाए। इसके साथ ही हथियारों को सुरक्षित रखने, उनके नियमित रखरखाव, उनके जरिए दी जाने वाली ट्रेनिंग, तय उपयोग के बाद उन्हें सेवा से हटाने और शूटिंग रेंज के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाएं। इसका ड्राफ्ट लगभग बनकर तैयार हो गया है। इसे एमपी पुलिस की सभी यूनिट को भेजा गया है ताकि उनके भी सुझाव मिल सकें। पुराने मस्केट एक्ट में हथियारों के भंडारण और डिस्पोजल का कोई बिंदु शामिल नहीं था।

नए रेगुलेशन में दूर होंगी खामियां

वर्तमान में लागू पुराने एक्ट में किसी भी हथियार के लिए एक्सपायरी डेट ही तय नहीं है। नए एक्ट में इस बारे में स्पष्ट नियम तय होंगे। किसी भी हथियार को चलाने या फिर उसके निर्माण के बाद तय अवधि में उसे रिटायर किया जाएगा। पुराने एक्ट में हथियारों के भंडारण को लेकर भी नियम नहीं हैं, नए एक्ट में हथियारों के सुरक्षित भंडारण, उनके समय पर रखरखाव और शस्त्रागार (कोत) के बारे में भी नियम तय होंगे। पुराने एक्ट में हथियारों के खराब होने पर उन्हें सुधारने या फिर डिस्पोज (कबाड़) कर बेचने के लिए भी कोई नियमावली नहीं है। नए रेगुलेशन में इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही हथियारों को चलाने से पहले दी जाने वाली ट्रेनिंग का भी पुराने एक्ट में कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन नए रेगुलेशन में इसका प्रावधान किया गया है।

एंटी नक्सल यूनिट के पास मॉडर्म रेंज बटालियन में 100 साल पुराने हथियार

प्रदेश की पुलिस के पास अलग-अलग तरह के आर्म्स हैं। कई पुलिस बटालियन में तो अब भी अंग्रेजों के जमाने की मस्केट राइफल और 303 उपयोग में आ रही हैं। इसके बजाय जिला बल के पास उससे आधुनिक इंसास और एके 47 राइफल और रिवॉल्वर हैं। अगर सबसे आधुनिक हथियारों की बात करें तो एंटी नक्सल ऑपरेशन (एएनओ) विंग के पास सबसे ज्यादा आधुनिक हथियार हैं। इनमें ग्लॉक पिस्टल, ग्रेनेड लॉन्चर, स्नाइपर, वीएलपी, क्लाशनिकोव (एके 47), मोटार्र आदि शामिल हैं। इसके अलावा एमपी पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के पास इससे भी अधिक उन्नत हथियार हैं।

फिलहाल पुलिस के पास ये है हथियारों की रेंज

कुल हथियार लगभग एक लाख। इनमें मस्केट राइफल, 303 राइफल, एके 47, सेल्फ लोडेडे राइफल (एसएलआर), ग्लॉक पिस्टल, मोटार्र, टीयर गैस गन एंड शैल्स, एमलएमजी, स्नाइपर, ग्रेनेड लॉन्चर, इंसास, पिस्टल(रिवॉल्वर), .22 राइफल, स्टेन और कार्बाइन, वेरी लाइट पिस्टल (वीएलपी) आदि शामिल हैं।

> नए मस्केट्री रेगुलेशन का ड्राफ्ट रेडी कर सभी यूनिटों को भेजकर सुझाव मंगाए हैं। साल के अंत तक इसे तैयार कर लेंगे। इसमें पुलिस आर्म्स से जुड़े हर बिंदु को शामिल किया गया है।
>
> ■ **हितेष चौधरी**, कमांडेंट सातवीं बटालियन

संपत्तिकर पर छूट पाने के लिए करदाताओं के पास सिर्फ 4 दिन

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम द्वारा करदाताओं को संपत्तिकर और जलकर भरने पर 6 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, लेकिन निगम द्वारा दी जा रही इस छूट के अंतिम चार दिन ही बचे हैं। निगम प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि शहरवासी 31 अगस्त के पूर्व ही अपना सम्पत्तिकर भरकर 6 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं। बता दें कि आम लोगों की सुविधा को देखते हुए अवकाश के दिनों में भी वार्ड कार्यालय खुले रखे जा रहे हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए लोग अपना संपत्तिकर ऑनलाइन भी भर सकते हैं। इसके लिए भी निगम द्वारा प्रावधान किया गया है।

वर्ष 68 ▸▸ अंक 330 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 28 अगस्त, 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

"शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है, जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।
-नेल्सन मंडेला

संक्षिप्त खबरें

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की दावेदारी करेगा भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अहमदाबाद में करने के लिए दावा पेश करेगा। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इससे पहले 14 अगस्त को भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने इसे मंजूरी दी थी। भारत को 31 अगस्त तक फाइनल बिडिंग प्रपोजल देना होगा। नवंबर के आखिर में यह फैसला होगा कि मेजबानी मिलेगी या नहीं। कनाडा के रेस से बाहर होने के बाद भारत के लिए 2030 की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के डायरेक्टर डैरेन हॉल की लीडरशिप में टीम ने अहमदाबाद में मौजूद आयोजन स्थलों का दौरा किया था। गुजरात सरकार के अधिकारियों से मीटिंग भी की थी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट वह संस्था है जो किसी देश को मेजबानी देने का फैसला करती है। भारत 2036 की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने इसकी मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। 2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं।

कलेक्टर से भिड़े भाजपा विधायक, उठाया हाथ

जागरण, भिंड। खाद न मिलने से परेशान किसानों के साथ कलेक्टर निवास पहुंचे भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने और अधिकारी के पद की मर्यादा भी भूल गए। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को उन्होंने गेट पर ही लताड़ना शुरू कर दिया। भाजपा विधायक इतने नाराज हो गए कि कलेक्टर को सबसे बड़ा चोर कहते हुए दांत और होंठ भींजते हुए मुक्का दिखाने लगे। विधायक की नाराजगी देख कलेक्टर के गार्ड को बीच में हाथ अड़ाना पड़ा। असल में क्षेत्र के किसान रात भर लाइन में लगने के बाद भी खाद न मिलने की शिकायत लेकर कलेक्टर से मिलने पहुंचे थे, लेकिन कलेक्टर श्रीवास्तव ने मिलने से ही मना कर दिया। फिर ये किसान, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे, विधायक के पास शिकायत लेकर पहुंचे तो विधायक कुशवाह उनके साथ ही कलेक्टर निवास पहुंच गए, जहां तू-तू-मैं-मैं होने लगी। विधायक कुशवाह का कहना है कि कलेक्टर को कम से कम लोगों से मिलना तो चाहिए। वे किसी से ढंग से बातचीत भी नहीं करते।

(पेज-12 भी देखें)

जनशताब्दी को मरम्मत वाली लाइन तरफ मोड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। आगरा रेल डिवीजन ने मंगलवार को एक स्टेशन मास्टर और एक यातायात नियंत्रक को निलंबित कर दिया। उन्होंने दिल्ली जाने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस को मरम्मत के अधीन ट्रैक पर मोड़ दिया था, जिससे सैकड़ों यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी। सूत्रों ने बताया कि सतर्क ट्रेन चालक दल ने ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों द्वारा लगाए गए लाल झंडे को देखा और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को मरम्मत किए जा रहे ट्रैक के खंड पर पहुंचने से पहले ही रोक दिया। यह गंभीर रेलवे सुरक्षा चूक का मामला है। इस घटना के बाद सैकड़ों यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी। प्रभागीय परिचालन प्रबंधक और अधिकृत प्रवक्ता प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि दो कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 'यह खराब संचालन योजना का मामला है।

50% टैरिफ लागू: 5.4 लाख करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट होगा प्रभावित

ट्रंप को तगड़े जवाब की तैयारी? यूएस छोड़ 40 देशों से ट्रेड डील करेगा भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी टैरिफ से सबसे पहले और सबसे ज्यादा संकट टेक्सटाइल सेक्टर पर पड़ने वाला है। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जिसमें 25 फीसदी बतौर पेनाल्टी है। भारत ने अमेरिका के इस फैसले को एकतरफा और अनुचित करार दिया है। साथ ही भारत दूसरे विकल्पों पर भी विचार करना शुरू कर दिया है, ताकि टैरिफ के प्रभाव को कम किया जा सके।

दरअसल, भारत में बड़े पैमाने पर लोग टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़े हैं, जिससे लाखों लोगों की नौकरियां खतरे में है, क्योंकि टैरिफ से अमेरिका से कपड़ों की डिमांड घटने वाली है। अगर ऑर्डर में गिरावट आती है, तो फिर उसका प्रोडक्शन पर असर दिखेगा, जो सीधे तौर पर रोजगार को प्रभावित करेगा, इसलिए अब भारत सरकार अमेरिकी बाजार के विकल्प के तौर पर करीब 40 अन्य मार्केट यानी दूसरे देशों में गारमेंट एक्सपोर्ट पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत कपड़ा निर्यात का विस्तार करने और अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के प्रभाव को कम करने ब्रिटेन, जापान और दक्षिण कोरिया समेत 40 प्रमुख बाजारों में पहुंच की योजना बनाई है।

क्या कर सकता है भारत?

यूरोप (जर्मनी, यूके) और आसियान देशों (सिंगापुर, मलेशिया) में इंजीनियरिंग गुड्स की मांग बढ़ रही है। भारत इन बाजारों में हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। इंजीनियरिंग गुड्स के लिए पीएलआई स्कीम का विस्तार करके उत्पादन लागत को कम करना, ताकि कंपनियां अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी रहें।

जेम्स एंड ज्वेलरी: भारत-अमेरिका बाइलैटरल ट्रेड एग्रीमेंट को तेजी से पूरा करने पर जोर दे सकता है। यूरोपीय बाजारों में डायमंड निर्यात बढ़ाना होगा।

टेक्सटाइल: अब भारतीय कपड़ा कंपनियों को यूरोपीय संघ (ईयू), यूनाइटेड किंगडम (यूके) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे अन्य बड़े निर्यात बाजारों पर ध्यान देना होगा, जो भारत के कुल निर्यात का 45% हैं। भारत के कपड़ा उद्योग ने सरकार से कच्चे कपास पर 11% का आयात शुल्क हटाने का सुझाव दिया है। इस कदम से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में एक मजबूत सौदेबाजी का मौका मिल सकता है।

सी फूड सेक्टर : भारत को चीन और यूरोपीय देशों में अपने समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने की जरूरत होगी।

टैरिफ पर अमेरिका के बदले सुर, कहा-एक साथ आएंगे

वॉशिंगटन डीसी। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिका के बीच संबंधों में भी खटास आ गई है, लेकिन इस बीच अमेरिका के सुर बदले हैं। ट्रंप के करीबी और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, उम्मीद है कि आखिरकार अमेरिका-भारत एक साथ आ जाएंगे।

उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि ये टैरिफ की ऊंची दरें सिर्फ रूसी तेल की खरीद के कारण नहीं हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर हैं कि ट्रेड डील के लिए चल रही बातचीत कितनी लंबी खिंच रही है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि मई-जून में हम कोई समझौता कर लेंगे, लेकिन उन्होंने हमें किसी तरह अपने साथ जोड़ लिया। भारत ने बातचीत के लिए दरवाजे खुले रखे हैं, लेकिन कृषि,छोटे निर्माताओं जैसे क्षेत्रों में कुछ सीमा रेखाएं हैं। बेसेंट ने यह भी कहा, 'भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे लगता है कि अंततः हम एक साथ आ जाएंगे।'

मांग में 70 फीसदी की कमी

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नया टैरिफ भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। 50% टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे मांग में 70% की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम, मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की यूएस बाजार में हिस्सेदारी कम होगी।

रूस से ट्रेड डील चाहते हैं ट्रंप, बैन हटाने पर विचार

वॉशिंगटन डीसी। रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने वाला अमेरिका खुद रूस से एनर्जी डील की कोशिश में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप-पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में हुई मुलाकात के दौरान इस डील पर बातचीत हुई थी। हालांकि, 3 घंटे चली मुलाकात में यह डील नहीं हो पाई। अमेरिकी कंपनी एक्सॉन मोबिल ने रूस के सखालिन-1 ऑयल, गैस प्रोजेक्ट में फिर शामिल होने, रूस को अमेरिकी इक्विपमेंट बेचने की बात की थी। यूक्रेन पर 2022 में रूसी हमले के बाद अमेरिका ने रूस के एनर्जी सेक्टर पर प्रतिबंध लगाए थे, जिससे रूस को विदेशी निवेश बंद हो गया। अमेरिकी अधिकारी रूस को शांति के लिए राजी करने कुछ प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका रूस से आइस ब्रेकर शिप्स खरीदने का सोच रहा है।

25 देशों ने यूएस के लिए डाक सेवाएं निलंबित कीं

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के एक निकाय ने कहा कि ट्रंप के बढ़ते टैरिफ के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता के बीच, 25 देशों ने अमेरिका में पैकेज डिलीवरी निलंबित करने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले महीने के अंत में कहा था कि वह 29 अगस्त से यूएसए में प्रवेश करने वाले छोटे पैकेजों पर कर छूट समाप्त कर देगा। इसके बाद, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान सहित कई देशों की डाक सेवाओं ने घोषणाएं कीं कि अब अमेरिका जाने वाले ज्यादातर पैकेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। यूएन के यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन ने कहा, उसे 25 सदस्य देशों ने पहले ही सूचित कर दिया है कि उनके डाक संचालकों ने अमेरिका के लिए अपनी आउटबाउंड डाक सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

सिवनी में डीजल टैंकर में आग, जिंदा जला युवक

▸▸ जलते टैंकर को 50 मीटर दूर ले गया ड्राइवर, डीजल चोरी के दौरान हुआ हादसा

सिवनी, जेएनएन। सिवनी में कोड़िया गांव के पास डीजल टैंकर में लगी आग की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब ढाबे पर खड़े टैंकर से डीजल चोरी किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही आग लगी ड्राइवर टैंकर को करीब 50 मीटर दूर ले गया। आग की सूचना मिलते ही सिवनी-बालाघाट मार्ग पर दोनों और से यातायात रोक दिया गया। आग की लपटे 4 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। रात ढाई बजे के करीब आग पर काबू पाया जा सका। बरघाट एसडीओपी ललित गठरे ने बताया कि बीती रात करीब 11.30 बजे डीजल टैंकर में आग लग गई। आशंका है कि टैंकर में आग डीजल चोरी करते समय लगी है। हादसे में कौड़िया गांव निवासी पंकज पुत्र नरेंद्र पटले (23) जिंदा जल गया। मृतक का बड़ा भाई राहुल पटेल (27)और बरगी जबलपुर निवासी ड्राइवर अरविंद परिहार (45) के हाथ-पैर झुलस गए।

गुमनाम दलों को 4300 करोड़ रुपए चंदा कहां से मिला: राहुल

पूछा, आयोग चंदे की जांच करेगा या एफिडेविड मांगेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरात में गुमनाम राजनीतिक दलों को मिले 4300 करोड़ रुपए के चंदे पर चुनाव आयोग से सवाल किए। उन्होंने कहा कि इन 10 पार्टियों ने इतना बड़ा चंदा तो लिया, लेकिन सिर्फ 39 लाख रुपए खर्च दिखाया। उन्होंने एक्स पर लिखा-गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं, जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। ये हजारों करोड़ आए कहां से? चला कौन रहा है इन्हें? और पैसा गया कहां? क्या चुनाव आयोग जांच करेगा या फिर यहां भी पहले एफिडेविट मांगेगा? या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके? राहुल गांधी इन दिनों बिहार में 16 दिन की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। यह यात्रा 1,300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करेगी और 20 जिलों से होकर 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी।

ईसी ने मांगा था हलफनामा

दरअसल, राहुल ने 7 अगस्त को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया और श्रष्ट पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, वोट चोरी हो रहे हैं। हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग चोरी में शामिल है। वे भाजपा के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसके बाद 8 अगस्त को चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों पर उनसे हलफनामा (एफिडेविट) मांगा था। ईसी ने कहा था कि वे वोट चोरी के अपने दावे को सही मानते हैं तो हलफनामे पर साइन करके दें। अगर उन्हें अपने दावों पर भरोसा नहीं है तो देश से माफी मांगें।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होगी 400 बार फूट चुकी पाइप लाइन!

नेता प्रतिपक्ष का आवेदन मंजूर, कलेक्टर से मांगा रिकॉर्ड

जागरण, खंडवा। दाढ़ी-मूंछ, खाना-पीना, नाच-गाने के बाद अब मध्यप्रदेश के एक शहर की जन समस्या भी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का हिस्सा बन सकती है। रोचक बात यह है कि इस समस्या के लिए सैकड़ों बार संघर्ष कर चुके नेता प्रतिपक्ष ने ही शहर की इस समस्या को वर्ल्ड रिकॉर्ड का हिस्सा बनाने के लिए आवेदन किया है। गिनीज बुक प्रबंधन ने इसे मंजूर कर अधिकारिक और विस्तृत रिकॉर्ड मांगा है, जिसके बाद यह वर्ल्ड रिकॉर्ड चर्चा का केंद्र बन गया है।

यह समस्या खंडवा शहर में बिछी नर्मदा पाइप लाइन में बार-बार हो रही लीकेज से जुड़ी। शहर में पेयजल संकट का कारण बनी यह पाइप लाइन अब तक करीब 400 बार फूट चुकी है। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने 400 से अधिक बार फूटने की घटना को वर्ल्ड रिकॉर्ड मानते हुए इसे गिनीज बुक में दर्ज करने का दावा कर दिया। नेता प्रतिपक्ष का मानना है कि इतनी बड़ी संख्या में पूरी दुनिया में कहीं भी कोई पाइप लाइन नहीं फूट सकती। राठौर द्वारा 8 अगस्त को किए गए ऑनलाइन आवेदन को गिनीज बुक प्रबंधन ने प्रारंभिक रूप से मंजूरी देते हुए इस आंकड़े को सत्यापित करने वाले आधिकारिक रिकॉर्ड और प्रमाण मांगे गए हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स की ओर से पत्राचार किए जाते ही नेता प्रतिपक्ष तिथिवार रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता को पत्र भेज दिया। कलेक्टर ने भी मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आवेदन निगम कमिश्नर प्रियंका सिंह राजावत के पास भेज दिया है। संबंधित जानकारी जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इसे विपक्ष का 'नवाचार' बताया है।

अभी तक 175 बार पाइप लाइन फूटने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

बार-बार पाइप लाइन फूटने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड का दावा करने वाले खंडवा के नेता प्रतिपक्ष ने गिनीज बुक टटोली तो उसमें 175 बार फूटी पाइप लाइन का उल्लेख मिला। यह लाइन एशिया में ही है, जबकि खंडवा की लाइन तो 400 से 450 बार फूट चुकी, इसलिए उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आवेदन करते हुए कलेक्टर से 2009 से तिथिवार रिकॉर्ड मांगा है। लाइन के बार-बार फूटने पर प्रशासन कई किसानों पर एफआईआर भी दर्ज करा चुका है। यह पाइप लाइन 56 किमी लंबी है, जो ओंकारेश्वर से शुरू होती है।

27 ओबीसी आरक्षण मामला

मप्र लोकसेवा आयोग वापस लेगा काउंटर एफिडेविट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सुप्रीम कोर्ट में लंबित मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण से जुड़े मामले का हल निकालने को लेकर राज्य सरकार ने 28 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इससे पहले ही मामले में एमपी पीएससी ने सुप्रीम कोर्ट में एक नया आवेदन दिया है। आवेदन में एमपी पीएससी ने ओबीसी वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों की पिटीशन को खारिज करने लगाए गए काउंटर एफिडेविट को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने का अनुरोध किया है। कैंडिडेट्स की याचिका खारिज करने की थी मांग सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया कि मप्र ओबीसी आरक्षण के मामले में आज नया इम्प्रूवमेंट हुआ है। 19 अगस्त 2025 को आयोग ने काउंटर एफिडेविट फाइल किया गया था, जिसमें यह मांग की गई थी कि चयनित उम्मीदवारों की जिस याचिका में यह मांग की गई है कि मप्र में जब 27% रिजर्वेशन का कानून है, तो हमें भी 27 प्रतिशत आरक्षण के कानून के तहत नियुक्तियां दी जाएं। एमपी पीएससी ने काउंटर एफिडेविट में चयनित अभ्यर्थियों की पिटीशन को खारिज करने की मांग की थी। वरुण ठाकुर ने बताया कि अब इस मामले में नया इम्प्रूवमेंट यह हुआ है कि काउंटर एफिडेविट को वापस लेने के लिए आवेदन लगाया गया है और अनकंडीशनल अपोलॉजी भी सुप्रीम कोर्ट से मांगी है। आयोग ने कहा है कि ये हमसे गलती से फाइल हो गया था। हम 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मामले में दूसरा काउंटर एफिडेविट फाइल करेंगे।

प्रदेश में दो चरणों में जनगणना अप्रैल से शुरुआत, कमेटी गठित

मुख्य सचिव होंगे स्टेट लेवल हाई पॉवर कमेटी के अध्यक्ष

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में भी जनगणना कराने को लेकर तैयारी शुरू हो गई हैं। इसके लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक हाईपॉवर स्टेट लेवल कमेटी का गठन किया है, जिसमें अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। जनगणना दो चरणों में डिजिटली कराई जाएगी।

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने प्रदेश में जनगणना को दो चरण में कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए गठित हाईपॉवर स्टेट लेवल कमेटी में अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे, जबकि 6 अपर मुख्य सचिव, तीन प्रमुख सचिव और 15 अन्य अधिकारी शामिल होंगे। यह सभी प्रदेश में होने वाली गनगणना की मॉनिटरिंग करेंगे। बताया गया है कि जनगणना करने वाले अधिकारी-कर्मचारी मोबाइल लेकर घर-घर जाएंगे और मोबाइल के जरिए डाटा जुटाएंगे। इस प्रक्रिया के दौरान जनता के पास विकल्प मौजूद होगा कि वे खुद से जनगणना का डाटा भर सके। जनगणना के जमीनी कामों की निगरानी के लिए भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा एक वेब पोर्टल भी विकसित किया गया है।

जनगणना का पहला चरण अप्रैल से प्रारंभ होगा, जो सितंबर 2026 तक चलेगा। पहले चरण में 30 दिन मकानों का सूचीकरण और मकानों की काउंटिंग का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का काम 9 फरवरी से लेकर 28 फरवरी 2027 के बीच किया जाएगा।

31 दिसंबर तक दिया जाएगा प्रशिक्षण

जानकारी के अनुसार जनगणना में लगने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण 31 दिसंबर 2025 तक पूरा किया जाएगा। वहीं जनगणना के मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर और फील्ड स्टॉफ की ट्रेनिंग का काम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा।

वर्ष 2011 के बाद हो रही जनगणना

इससे पहले प्रदेश में 2011 में जनगणना कराई गई थी। जानकारी के अनुसार इस संबंध में भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने 8 अक्टूबर 2024 को पत्र लिखकर कहा था कि प्रदेश के मुख्य सचिव अगली जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाईयों की सीमाओं को 31 दिसंबर 2024 तक फ्रीज करने की कार्यवाही पूरी करेंगे। हालांकि, बाद में इसका समय टलता रहा।

महाकालेश्वर — ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने लिया फैसला, अभी 5 से 7 किलो तक पहुंच जाती थी भांग की मात्रा

3 किलो तक भांग से ही हो सकेगा महाकाल का श्रृंगार

जागरण, उज्जैन। देश-दुनिया में सनातनधर्मियों की आस्था के प्रतीक महाकाल मंदिर में बाबा महाकाल के श्रृंगार में अब तीन किलो से अधिक भांग का प्रयोग नहीं होगा। ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने मंदिर समिति ने ये फैसला लिया है। पहले श्रृंगार में पांच से सात किलो तक भांग लग जाती थी। भांग की मात्रा तीन किलो से ज्यादा न हो, इसके लिए मंदिर में तौल कांटा लगाया जाएगा। मालूम हो कि साल 2017 में ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने सारिका गुरु ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

कोर्ट ने आर्कियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) और जियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के विशेषज्ञों की समिति गठित की थी। विशेषज्ञों ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का परीक्षण कर क्षरण रोकने के लिए कई सुझाव दिए थे। इनमें एक सुझाव महाकाल के श्रृंगार में भाग की मात्रा सीमित करने का भी है। मंदिर में प्रतिदिन होने वाली पांच आरतियों में महाकाल का विशेष श्रृंगार किया जाता है। तड़के चार बजे भस्मआरती तथा शाम सात बजे संध्या आरती में भक्तों की ओर से अर्पित भांग से पुजारी भगवान महाकाल का श्रृंगार करते हैं।

टूटकर बिखर गया था श्रृंगार

18 अगस्त को महाकाल की राजसी सवारी निकाली जा रही थी। रामघाट पर शिप्रा के जल से पूजन के बाद सवारी लौट रही थी। मंदिर में इसके आगमन की तैयारी चल रही थी। महाकाल का भांग का श्रृंगार अचानक टूटकर बिखर गया। वहां मौजूद पंडे, पुजारियों ने तत्काल उसे ठीक किया। घटना का वीडियो भी सामने आया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने श्रृंगार करने वाले पुजारी प्रदीप गुरु को नोटिस दिया था।

इसलिए होता है भांग का श्रृंगार

भगवान ने जब समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश के बाद विष पिया, तब भी भगवान को भांग औषधि रूप में देकर शीतलता प्रदान की गई थी। इसी मान्यता अनुसार भगवान को शीतलता प्रदान करने के लिए औषधि युक्त भांग से श्रृंगार किया जाता है।

रसीद कटवाकर श्रद्धालु करा सकेंगे श्रृंगार

महाकाल मंदिर में नित्य प्रति होने वाली पांच आरतियों में पुजारी भगवान महाकाल का कुमकुम, चंदन, भांग व सूखे मेवे तथा मावे से विभिन्न स्वरूप में श्रृंगार करते हैं। अब कोई भी श्रद्धालु भगवान महाकाल का श्रृंगार करा सकता है। मंदिर कार्यालय में 1100 रुपए की श्रृंगार की रसीद कटवानी होगी।

इनका कहना है

भगवान महाकाल के श्रृंगार में अधिकतम तीन किलो भांग का उपयोग करने का नियम है। इसका कड़ाई से पालन कराने अब तौल कांटा लगाया जा रहा है, ताकि मात्रा अधिक न होने पाए।

■ **प्रथम कौशिक**, प्रशासक महाकालेश्वर मंदिर।

आरआई का पालतू कुत्ता गुमा तो आरक्षक को बेल्ट से पीटा

शिकायत पर जांच के आदेश, आरआई सस्पेंड

जागरण, खरगोन। प्रदेश के खरगोन में पालतू कुत्ते के गुम होने से नाराज रिजर्व इंस्पेक्टर (आरआई) पर आरक्षक की बेल्ट से पिटाई करने के आरोप लगे हैं। पीड़ित आरक्षक का आरोप है कि आरआई और उनकी पत्नी ने जातिसूचक अपशब्द कहे और बेल्ट से पीटा। पूरा मामला 23 अगस्त का है। मामला सामने आने के बाद एसपी ने जांच के निर्देश दिए हैं, साथ ही आरआई को सस्पेंड कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर चोटें दिखाने का वीडियो वायरल होने के बाद आरक्षक राहुल चौहान ने बुधवार को अजाक थाने में लिखित शिकायत दी है। इस वीडियो में वह अपने हाथ, पैर, कमर और पीठ पर पड़े नीले निशान दिखा रहा है। 23 अगस्त की रात करीब 10 बजे गुमा कुत्ता अगले दिन शाम को करीब 20 घंटे बाद घर के पास ही मिल गया। आरक्षक ने बताया कि ड्यूटी आरआई सौरभ कुशवाहा के आवास पर लगी थी। 23 अगस्त की रात 10 बजे आरआई कुशवाहा ड्यूटी पूरी कर घर लौटे तो राहुल क्वार्टर पर आ गया। देर रात 1.30 बजे आरआई ने फोन कर तुरंत आने को कहा। राहुल पहुंचा तो आरआई ने पालतू कुत्ते के गायब होने पर नाराजगी जताई। फिर पिटाई कर दी। राहुल ने अजाक थाने में शिकायत दी है। मारपीट के दौरान आरआई की पत्नी भी मौजूद थीं। उन्होंने चप्पल से मारने और नौकरी से निकलवाने की धमकी भी दी।

पीड़ित के पीट पर चोट के निशान

संक्षिप्त खबरें

डॉ. आराधना को नेपाल में मिला सार्क गौरव सम्मान

जागरण, भोपाल। नेपाल की राजधानी काठमांडु में धरा धाम इंटरनेशनल, देवनागरी उत्थान फाउंडेशन, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड फाउंडेशन एवं बौद्ध वर्ल्ड फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सार्क अंतरराष्ट्रीय गौरव सम्मान-2025 का समापन हुआ। इस अवसर पर नेपाल के प्रथम उप राष्ट्रपति एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति परमानंद झा द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, कोलार की शिक्षिका डॉ. आराधना वर्मा को सार्क गौरव सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय न्यास के अध्यक्ष डॉ. इंदर जीत शर्मा (अमेरिका), दी डेली ग्लोबल अख़बार के संपादक व प्रकाशक डॉ. मोहब्बर रहमान (बांग्लादेश), शांतनु पाल (थाईलैंड) एवं महामंडलेश्वर शिवम् महाराज डॉ. उवैस (श्रीलंका) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

एनआईटीटीटीआर को मिला प्रथम स्थान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स की सक्सेस स्टोरीज अभियान में देशभर में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह अभियान 18 नवम्बर 2024 से 13 मई 2025 तक चला, जिसमें देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों की उपलब्धियों को उजागर किया गया। इस दौरान एनआईटीटीटीआर ने अपनी प्रभावशाली डिजिटल उपस्थिति के तहत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कुल 58 पोस्ट्स साझा कीं, जिन्हें 2,39,100 इम्प्रेशंस प्राप्त हुए। इस प्रकार एनआईटीटीटीआर सभी संस्थानों में पहले स्थान पर रहा। इसके बाद आईआईटी खड़गपुर (2,32,800), केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु (2,24,200), आईआईएम अहमदाबाद (1,88,000) और केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर (1,72,100) रहे। संस्थान के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने इस उपलब्धि को तकनीकी शिक्षा में एनआईटीटीटीआर की नवाचार, गुणवत्ता और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक बताया।

शादी करने से मना करने पर नाबालिग ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में नाबालिग ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने पर आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवक एक लड़की से प्रेम करता था। जिसे मां से मिलवाने घर लेकर आया। उसने शादी की जिद की तो मां ने मना कर दिया। गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय मृतक मुजम्मिल उद्दीन अशोका गार्डन का रहने वाला था। मंगलवार रात 12 बजे उसने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। एक साल पहले दसवीं क्लास में फेल होने की वजह से उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। वह परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी बड़ी एक बहन है। करीब दो साल पहले पिता की मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गणेश संकलन पुस्तिका का हुआ लोकार्पण

जागरण, भोपाल। दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में योगेश कुमार गुप्ता, न्याय निर्णायक अधिकारी, रेरा के 'मध्यप्रदेश के गणेश संकलन' पुस्तिका का लोकार्पण हुआ। इस आयोजन में पुलिस के वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी द्वय अरुण गुर्टू, सुभाष अत्रे, भोपाल के पोस्टमास्टर जनरल पवन कुमार डालमिया और पुरातत्वविद् नारायण व्यास उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस संकलन में उदयगिरि, भीमबेटका ,जबलपुर, आशापुरी , ओंकारेश्वर, गढ़ाकोटा, दमोह, उज्जैन, मंदसौर, गंज बासौदा, नर्मदा पुरम, टीकमगढ़, सीहोर्, कटनी, ग्वालियर, रीवा और खजराना इंदौर में स्थापित गणेश मूर्तियों की जानकारी का संकलन किया गया है।

आपराधिक अतीत से दोष सिद्धि नहीं ठहरा सकते

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रामकुमार चौबे की एकलपीठ ने अपने एक आदेश में साफ किया कि आपराधिक अतीत के कारण दोषसिद्धि को उचित नहीं ठहरा सकते। इसी के साथ आर्म्स एक्ट के अपराध में दी गई सजा निरस्त कर दी गई। भोपाल निवासी करिया कंजर की ओर से दायर अपराधिक पुनरीक्षण याचिका में कहा गया था कि जिला न्यायालय ने उसे 25 आर्म्स एक्ट के अपराध में एक वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया था। जिसके विरुद्ध उसने एडीजे कोर्ट के समक्ष अपील दायर की थी। एडीजे कोर्ट ने सजा के फैसले को बरकरार रखते हुए एडीजे कोर्ट ने 18 जुलाई 2025 को उसकी अपील निरस्त कर दी थी। तभी से वह न्यायिक अभिरक्षा में है। उसे महज आपराधिक रिकार्ड के कारण सजा सुनाई गई।

कलेक्टर को अवमानना नोटिस

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने पूर्व आदेश की नाफरमानी पर कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल को अवमानना नोटिस जारी किया है। उन्हें चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। अवमानना याचिकाकर्ता जनपद पंचायत जवा, जिला रीवा के सरपंच धनेंद्र द्विवेदी की ओर से अधिवक्ता गोपाल सिंह बघेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कसियारीघाट पर बने पुल के ऊपर मनमाने तरीके से पाइप लाइन डाल दी गई थी।

डीजे और ढोल की धुन पर आए प्रथम पूज्य, बच्चों से बड़ों तक में दिखा उत्साह

गजानन के स्वागत में झूमा शहर, हर गली में गूंजा गणपति बप्पा मोरया

जागरण, भोपाल। राजधानी में गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बुधवार को प्रथम पूज्य श्री गणेश का भव्य आगमन हुआ। सुबह से ही गणपति बप्पा को घर लाने की तैयारियां हर गली-मोहल्ले में शुरू हो गई थीं। बच्चों से लेकर बड़ों तक में बप्पा को घर लाने का उत्साह था। लोग ढोल-ढमाकों, डीजे और नाचते-गाते हुए गजानन को अपने घर लेकर आए। पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। इस वर्ष राजधानी में लगभग 4,000 स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। इनमें से करीब 250 स्थानों पर बड़ी-बड़ी झांकियां सजाई जा रही हैं, जो दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगी। इन झांकियों में भगवान गणेश के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत किया जाएगा। न्यू मार्केट, चौक, जुमेराती, करोंद, कोलार रोड, अटल पथ, रोशनपुरा, 10 नंबर मार्केट, नेहरू नगर, जवाहर चौक में सजी दुकानों पर गणपति बप्पा की मूर्तियों को खरीदने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आए। बप्पा के स्वागत में विशेष तैयारी की गई। करोंद में तो बप्पा के आगमन पर पूरा पंडाल दुल्हन की तरह सजा था। रंगीन लाइटों, फूलों की झालरों और पारंपरिक सजावट ने माहौल को और भी खास बना दिया। यहां डीजे की धुनों और ढोल की थाप पर युवा झूमते नजर आए।

भाजपा दफ्तर में विराजे गणपति

भारतीय जनता पाटी के प्रदेश संगठन महामंत्रीहितानंद जी एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा की स्थापना कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर सरकार के राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन,श्याम महाजन, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवादास सबनानी, संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम, सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक्सीलेंस कालेज में माटी गणेश अभियान

एक्सीलेंस कालेज में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक संस्कृति से जोड़ना था। मुख्य अतिथि जिला पर्यावरण अधिकारी डॉ. दिलीप चक्रवर्ती और डॉ. चिराग रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को मिट्टी से प्रतिमाएं बनाने के लिए प्रेरित किया और पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने चरणबद्ध तरीके से मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं बनाना सीखा और सुंदर प्रतिमाओं का निर्माण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवो प्रिया, डॉ. ज्योति खरे, प्रफुल्ल पटेल, सुश्री अंकित सिंह और डॉ. राम मिलन सिंह ने संयुक्त रूप से किया। संस्थान परिवार के विशेष सहयोग से सम्पन्न इस आयोजन में विद्यार्थियों का उत्साह और सहभागिता देखने योग्य रही।

बैरसिया में किसान पर डंडे से हमला कर लूटा, बाइक और मोबाइल छीना

देर रात करीब दो बजे बदमाशों ने किया हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया इलाके में एक किसान पर डंडे से हमला कर लूट की घटना सामने आई है। बदमाश, किसान की बाइक और मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। एक दिन पहले बैरसिया थाना क्षेत्र में ही किसान मोहकम सिंह की गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। इसके आरोपियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम रमगढ़ा, बैरसिया निवासी 45 वर्षीय सरजन सिंह गुर्जर खेती-किसानी करते हैं। उनके भाई कटनी से बैरसिया बस स्टैंड पर उतरे थे। सरजन मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अपने भाई को लेकर बैरसिया बस स्टैंड के लिए बाइक से रवाना हुए। देर रात करीब दो बजे वह ग्राम इमलिया स्वरूप के पास पहुंचे ही थे कि तभी अंधेरे में छिपे किसी अज्ञात बदमाश ने चलती गाड़ी पर डंडे से उन पर हमला कर दिया। इससे वह गाड़ी समेत नीचे गिर गए। बदमाश ने उन्हें डंडे से पीटना शुरू कर दिया। सिर व पीठ पर गंभीर चोट आने से सरजन सिंह बुरी तरह घायल हो गए। हमला करने के बाद आरोपी उनकी बाइक और मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूट का केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

एमबीए छात्र से मारपीट कर मोबाइल और बाइक लूटी

इधर, ऐशबाग इलाके के प्रभात चौराहे पर एमसीए छात्र के साथ भी लूट हो गई। बाइक सवार तीन बदमाश मारपीट कर उसका मोबाइल और बाइक छीनकर ले गए। पुलिस के मुताबिक, चंदन मौर्य (20) पटेलनगर में रहता है। वह एक निजी कालेज में एमसीए का छात्र है। सोमवार-मंगलवार की रात करीब सवा एक बजे उसका दोस्त रेलवे स्टेशन से आ रहा था। वह प्रभात चौराहे पर उसका इंतजार कर रहा था। तभी बाइक सवार तीन बदमाश आए। अकेला पाकर छात्र के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल और बाइक छीनकर ले गए। लूट गए सामान की कुल कीमत 40 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केवी-1 में राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल। शिक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता और सेवा भावना को बढ़ावा देने के लिए आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, भोपाल में राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 71 केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य और उप-प्राचार्य उपस्थित थे। वर्तमान उपायुक्त शाहिदा परवीन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं और पूर्व उपायुक्त, भोपाल संभाग, आर. सेंथिल कुमार विशिष्ट अतिथि थे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रच्चवलन और सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने वातावरण में आध्यात्मिकता और उत्साह का संचार किया। प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व चार मास्टर ट्रेनर एस.के. नामदेव, एस.के. सांबरिया ने किया। इस दौरान सहायक आयुक्त किरण मिश्रा, निर्मला बुडानिया और विजय वीर भी विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत हरे पौधे भेंट करके किया गया। विद्यालय के प्राचार्य गौरव कुमार द्विवेदी ने कहा कि कार्यशाला में भारत सरकार के कर्मयोगी लोक सेवा कार्यक्रम और आईजीओटी कर्मयोगी ऐप के उपयोग एवं लाभों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

पांच साल पहले ईडब्ल्यूएस के लिए बुकिंग हुई, पर मिले आज तक नहीं

गरीबों को समय पर नहीं मिल पा रहे पीएम आवास योजना के मकान

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर को झुग्गी मुक्त करने के लिए शासन व प्रशासन द्वारा भले ही अभियान शुरू किया गया हो, लेकिन झुग्गियों को विस्थापित करने के बाद भी लोगों को समय पर पीएम आवास योजना के मकान नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कलेक्टर भोपाल के पास आया है, जिसमें लगभग 10 साल पहले तोड़ी गई झुग्गियों के मालिक को आज तक पीएम आवास योजना के ईडब्ल्यूएस मकान आवंटित नहीं हो सके हैं। इस मामले में कलेक्टर को 6 महिलाओं ने शिकायत करते हुए जल्द से जल्द आवास दिलाने की गुहार लगाई है। बता दें कि लगभग 10 साल पहले अरेरा कालोनी के पास स्थित कृष्णा कालोनी बस्ती की सभी झुग्गियों को नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने तोड़ दिया था। इस दौरान लोगों को 2 साल के भीतर 12 नंबर बस स्टॉप के पास बनाई जा रही मल्टी में ईडब्ल्यूएस मकान देने का वादा किया गया था। लेकिन लोगों को आज तक मकान नहीं मिल सके हैं, जबकि लोगों ने 20 हजार रुपए बतौर बुकिंग भी जमा करवा दिए हैं। इस दौरान जिन लोगों को मकान फाइनेंस होना था। उन्होंने फाइनेंस करवा लिया और जिन लोगों ने मकान की राशि एकमुश्त भरने का इंतजाम कर लिया वे आज भी मकान पाने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

अलग-अलग आवेदन देकर मांगे आवास

आवेदन लेकर पहुंची सावित्री बाई ने बताया कि करीब 10 साल से मकान मिलने का इंतजार कर रही हैं, लेकिन अब तक मकान नहीं मिल सका। ऐसे में गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। रीना बाई ने बताया कि उनका मकान भी 10 साल पहले तोड़ा गया था। वर्षा अनई व चिंता अनई सहित अन्य महिलाओं ने भी 12 नंबर मल्टी में मकान दिलाने की गुहार लगाई। सभी ने बताया कि वे सब भी बुकिंग की राशि जमा करवा चुके हैं, लेकिन उन्हें मकान आवंटित नहीं हुआ है। अन्य आवेदिका ने मालीखेड़ी में ईडब्ल्यूएस आवास आवंटित करवाने की गुहार लगाई। यहां रहने वाली निलोफर खान ने बताया कि वे 2 लाख रुपए जमा कराने को सहमत हैं। उन्हें भी मकान दिलाया जाए। इन सभी मामलों में नगर निगम के अपर आयुक्त को जांच करने को कहा गया है।

मंत्रालय के बाबू का पांच तोला सोना और 12 लाख नकद लेकर भागा ज्वैलर्स

बहन की शादी के लिए पीड़ित ज्वैलर्स के पास जमा कर रहा था रुपए

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दस नंबर के हरे कृष्णा मार्केट स्थित संजू सुनार नामक ज्वैलर्स मंत्रालय के एक बाबू का पांच तोला सोना और 12 लाख नकद लेकर भाग निकला। बाबू अपनी बहन की शादी के लिए जेवर खरीदने किश्तों में पैसे जमा कर रहा था। घर के पुराने पांच तोला जेवर भी उसे सुधारने व नई डिजाइन बनाने के लिए दिए थे।

दो महीने पहले अचानक सुनार की दुकान बंद हो गई। बाद में पीड़ित को पता लगा कि वह गायब हो गया। उसका मोबाइल नंबर बंद है। कर्मचारी ने इस संबंध में डीसीपी से शिकायत की थी। जांच के बाद मंगलवार को हबीबगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक कुंजन नगर नर्मदापुरम रोड निवासी दीपक मालवीय (40) वल्लभ भवन में बाबू हैं। वह बहन की शादी के लिए जेवर बनवाना चाहते थे। इसके लिए वह वर्ष 2024 से दस नंबर मार्केट स्थित संजू ज्वैलर्स के मालिक संजीव समांता उर्फ संजू सुनार के यहां किश्तों में पैसे जमा कर रहे थे। उन्होंने अकाउंट के माध्यम से 10 लाख और नकद दो लाख रुपए दिए। इसके अलावा घर के पुराने पांच तोला सोने के जेवरात सुधारने और नई डिजाइन के जेवरात बनवाने के लिए दिए थे। संजू ने उसे कुछ दिन बाद जेवर बनाकर देने को कहा। इसके बाद वह दुकान बंद कर भाग निकला। उसने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। थक-हारकर दीपक ने इसकी शिकायत की।

बढ़ सकती है पीड़ितों की संख्या

आरोपी स्कीम के तहत पैसे जमा करवाकर जेवर देने वाला था। पुलिस का अनुमान है कि दीपक के अलावा और भी ऐसे लोग होंगे, जिनके पैसे व सोना लेकर आरोपी भाग निकला होगा। मामले में पीड़ितों की संख्या और राशि बढ़ सकती है।

दादाजी धाम मंदिर में मनाई गई तीज

जागरण, भोपाल। राजधानी के पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में पंडित राजेंद्र पलिया जी द्वारा इको फ्रेंडली माटी के भगवान शिव और माता पार्वती जी की प्रतिमा का निर्माण किया गया। रात्रि में महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की। श्री श्री 1008 दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी श्रीमती अनीता और अर्चना नामदेव ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति वर्धमान सिटी, पटेल नगर सिद्धार्थ लेक सिटी एवं आस पास के क्षेत्र से अत्याधिक संख्या में महिलाऐ शामिल हुई। सभी महिलाओं ने रात्रि के चारों प्रहर में पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर में विराजमान प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार एवं सजावट की गई।

विश्व आनंद योजना क्रियान्वित करना हमारा कर्तव्य: ब्रह्मचारी

जागरण, भोपाल। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश का जन्मदिन आज साधु-संतों और महात्माओं की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि आज उत्सव का दिन इसलिए नहीं है कि हमारा जन्मदिन है बल्कि इसलिए है कि देश के कई जाने-माने संत, महात्मा और साधु हमें आशीर्वाद देने के लिए मंच पर उपस्थित हैं। ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि बचपन से ही हमें साधु-संतों और नागाओं का सानिध्य प्राप्त हुआ है। हमें गुरु के चरणों में कार्य करते हुए 60 वर्ष हो गए हैं। एक बार एक संत ने हमसे पूछा कि गिरीश तुम्हारी क्या इच्छा है, तब हमने कहा कि कृपया हमें आशीर्वाद दें कि हमारे जीवन में महर्षि जी गुरुदेव के सभी संकल्प पूरे हों। इस पर ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि 65 वर्षों से हमने जीवन को सुख के लिए मानकर उत्सव मनाया है और आप जैसे सभी संतों का आशीर्वाद हमें सदैव मिलता रहा है, इसीलिए हम श्री गुरु के चरणों में मोक्ष की कामना करते हैं। इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने उपस्थित साधु-संतों के साथ मिलकर आदर्श भारत के निर्माण हेतु आनंदमय विश्व योजना, महर्षिवर्ल्ड.कॉम और महागुरु.कॉम नामक वेबसाइटों का शुभारंभ किया।

आयोजन एक दूसरे से क्षमा याचना कर साध्वी संघ के सानिध्य में विशाल प्रतिक्रमण किया श्वेतांबर समाज ने

क्षमा धर्म की आराधना के साथ दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व शुरू

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी की जैन समाज में विशेष उत्साह का माहौल है। भक्ति के रंग में रच बसकर समाजजन पूजा अर्चना में लीन हैं। जहां एक और 10 दिवसीय पर्यूषण पर्व की शुरुआत क्षमा धर्म की आराधना के साथ दिगंबर समाज करेगा। वहीं दूसरी ओर श्वेतांबर जैन समाज के आठ दिवसीय पर्व का समापन स्वस्तरी प्रतिक्रमण के साथ हुआ। तुलसी नगर जैन मंदिर में साध्वी सौम्य वंदनाश्री महाराज साहब के सानिध्य में भगवान आदिनाथ का श्रृंगार और विशेष पूजा अर्चना की गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष आर के पारख पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कोठारी, रजनीश सेठिया सहित अनेक लोगों ने पूजा अर्चना की समाज की कई महिलाओं ने दिनभर साध्वी संघ के अनुष्ठान कर समापन किया। सिटी मंदिर में साध्वी मोंनाग प्रियाश्री जी के सानिध्य में सभी ने विशाल प्रतिक्रमण किया और जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए क्षमा याचना करते हुए प्रकृति से भी क्षमा मांगी। साध्वी ने कहा क्षमा शब्द में संसार छुपा है। क्षमा से ही विश्व शांति है और क्षम से ही वात्सल्य है। अद्भुत है क्षमा शब्द जिससे सिर्फ आत्मीयता झलकती है। जीवन मिला है समर्पण के लिए, जीवन मिला है दया के लिए, जीवन मिला है करुणा के लिए, जीवन को जीवन नहीं जीवन को आध्यात्मिक श्रृंगार बनकर जियो। इस अवसर पर श्वेतांबर मूर्ति पूजाक संग ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश तातेड ने बताया कि आने को अनेक तप संयम की की साधना करने वाले तपस्वियों का सम्मान और सामूहिक क्षमापना का आयोजन सकल संघ की ओर से किया जाएगा।

मंदिरों में विशेष साज-सज्जा के साथ जिन प्रतिमाओं के मंजन

समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया दिगंबर जैन समाज के 10 लक्षण पर्व में धर्म का प्रथम सोपान क्षमा धर्म की आराधना होगी। मंदिरों में संतों के सासंघ सानिध्य में अनेक आयोजन होंगे। इसके पूर्व मंदिरों में विशेष साथ सजा के साथ जिन प्रतिमाओं के मंजन आदि किए गए। अंशुल जैन के अनुसार पर्व के पूर्व जैन संतों ने समाज को संदेश दिया। अध्यात्म और धर्म की क्रियों से पूर्व मन को निर्मल और पावन बनाकर परस्पर सहयोग की भावना के साथ सभी का सहयोग करें। पर्यावरण की रक्षा करें। जीव दया के साथ सबसे पहले अपने शहर प्रदेश और देश के उत्तरदायित्व को निभाने के लिए हमेशा संकल्पित रहें और जरूरत पड़े, तो अहिंसा और देश के उत्तरदायित्व को निभाने के लिए अपना सब कुछ समर्पण करने के लिए तैयार रहें।

प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में गुरुकुलम में शिक्षण शिविर

मुनि प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में गुरुकुलम में शिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। मुनी निर्वग सागर महाराज के सानिध्य में भानपुर जैन मंदिर में श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन हो रहा है। नेमीनगर जैन मंदिर में मुनि संस्कार सागर महाराज, नेहरू नगर जैन मंदिर में मुनि विनंद सागर महाराज, मंगलवारा जैन मंदिर में आर्यिका सृष्टि भूषण माताजी विराजमान हैं। दानिश कुंज में आर्य का विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में विशेष पूजा अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान णमोकार महामंत्र भक्तांमर महामंत्र तत्वार्थ सूत्र के वाचन के साथ पाठशाला परिवार द्वारा जैन दर्शन जैन सिद्धांत को प्रतिपादित करती हुई नृत्य नाटिका और संतों के संदेश जीव दया अहिंसा हथ करघा गौ सेवा के संदेश के साथ प्रस्तुत होगी।

सुप्रसिद्ध कवि-कथाकार संतोष चौबे को सुदीर्घ सेवा सम्मान-2025

जागरण, भोपाल। 'आकार फिल्मोत्सव-2025' में सुप्रसिद्ध कवि-कथाकार और विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे को साहित्य, कला, संस्कृति और हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार में योगदान के लिए सुदीर्घ सेवा सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम श्यामला हिल्स स्थित एनआईटीटीटीआर के राजीव गांधी सभागार में हुआ, जिसमें उमाकांत गुंदेचा मुख्य अतिथि रहे। चौबे ने 2019 में 'विश्व रंग' की शुरुआत की थी, जो 50 से अधिक देशों में सक्रिय है। जनवरी 2025 में मॉरीशस में आयोजन के बाद संस्करण 26 सितंबर से 1 अक्टूबर को कोलंबो में प्रस्तावित है। उन्हें हाल ही में नीदरलैंड्स का 'साझा संसार अंतरराष्ट्रीय सम्मान-2025' मिला। इससे पूर्व वे सिंगापुर, फ्रांस, लंदन और अमेरिका में भी सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें दुष्यंत कुमार पुरस्कार, स्पंदन सम्मान, शैलेश मटियानी सम्मान, वैली ऑफ वर्ड्स अवार्ड सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

99 एकड़ जमीन की नपती, रसूखदारों के घरों पर लगाए रेड मार्क

कोकता में 25 मकान और 50 प्लॉट सीमांकन के दायरे में, रहवासी बोले-जिस आरआई ने नपती कर जमीन दिलाई वही बता रहे अतिक्रमण

जागरण संवाददाता, भोपाल। कोकता में लोधी बिल्डर्स द्वारा डेवलप की जा रही कस्तूरी कोटयार्ड और डायमंड सिटी कालोनी का सीमांकन बुधवार से शुरू हो गया। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव और तहसीलदार सौरभ वर्मा के नेतृत्व में तीन राजस्व निरीक्षक और 11 पटवारियों के दल ने पशुपालन विभाग की जमीन को चिन्हित करने के लिए सीमांकन शुरू किया। शुरुआत करीब 50 प्लॉट और 25 मकान पशुपालन विभाग की जमीन पर चिन्हित हुए हैं। बुधवार सुबह 11 बजे जैसे ही अमले ने सीमांकन कार्य शुरू किया, तो यहां जमीन खरीद चुके लोग पहुंचने लगे। दरअसल जिस कालोनी में नपती की जा रही है वहां ज्यादातर मकान निर्माणाधीन हैं और खबर लगते ही जमीन मालिक जुटना शुरू हो गए थे। इलाके में कुछ मकान और निर्माण रसूखदारों के भी हैं, जिन पर राजस्व अमले द्वारा लाल निशान लगा दिया गया है। ऐसे में सीमांकन पूरा होने के बाद जिला प्रशासन द्वारा लोगों को सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा सकते हैं। बता दें कि पशुपालन विभाग द्वारा कोकता स्थित आरटीओ कार्यालय के सामने राजधानी परियोजना फेस-2 कालोनी के पास की जमीन को अपना बताया जा रहा है। इसके बाद जिला प्रशासन ने यहां सीमांकन करना शुरू किया है।

मछली परिवार बोला-अतिक्रमण में हमारा हाथ नहीं

बुधवार को शुरू हुई कार्यवाही के बाद मछली परिवार ने भी इस मामले से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। सीमांकन कार्य के बीच मौके पर पहुंचे मछली परिवार के एडवोकेट ने एसडीएम रवीश श्रीवास्तव को लिखित आवेदन देते हुए कहा कि जिस भूमि पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है, वहां पर मछली परिवार का दखल नहीं है। लेकिन शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिस जगह पर कार्रवाई की जा रही है वहां एक कालोनी में कुछ हिस्सा मछली परिवार का भी है, जिसे लेकर प्रशासन द्वारा 20 लोगों और मछली परिवार को नोटिस जारी किया गया था। फिलहाल मछली परिवार पूरे मामले में अपना दखल न होने की बात कह रहा है।

जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर बनाया कॉटेज अचानक जमीन पशुपालन विभाग की कैसे हो गई

पूर्व पुलिस अफसर मंगल ठाकरे का कॉटेज का कुछ हिस्सा भी पशुपालन विभाग के दायरे में आ गया है। जैसे ही राजस्व निरीक्षक मायाराम अहिरवार ने उनके मकान पर लाल निशान लगाया तो उन्होंने नाराजगी जताई। बकौल ठाकरे उन्होंने जीवन भर की जमा पूंजी से इस कॉटेज का निर्माण किया है। निर्माण शुरू करने से पहले मायाराम ने ही जमीन की नपती और सीमांकन किया था। इसके बाद उन्होंने जमीन के इस टुकड़े का नामांतरण भी अपने नाम पर करवा लिया है। अब इस पर ही रेड मार्क कर दिया गया है। जबकि उनके पास 1957 के भी रिकॉर्ड मौजूद हैं। अचानक से यह जमीन कैसे पशुपालन विभाग की हो गई? कालोनी में मकान खरीदने वाले मोहम्मद हनीफ ने बताया कि उनका पूरा प्लॉट ही सीमांकन के दायरे में आ गया है। इसी तरह से कालोनी में निर्माणाधीन कुछ मकान भी पशुपालन विभाग की जमीन पर चिन्हित हुए हैं।

पहले हुए सीमांकन में भी भारी फर्जीवाड़ा

इलाके में मौजूद एक अन्य जमीन के सीमांकन, नामांतरण और रजिस्ट्री में भी भारी फर्जीवाड़ा किया गया है। लंबे समय से चल रहे इस फर्जीवाड़े में शामिल रहे एक पूर्व अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) और राजस्व निरीक्षक पर कार्रवाई करने के लिए भोपाल संभाग की अपर आयुक्त उषा परमार द्वारा आदेश दिया गया था। 3 जून 2024 को जारी आदेश के अनुसार इन1 दो अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की बात कही गई थी। बताया जा रह है कि वर्तमान में भी वही राजस्व निरीक्षक इस पूरे मामले में लीपापोती करने में जुटा हुआ है। जमीन के सीमांकन के दौरान भी लोग लगातार इसी राजस्व निरीक्षक का नाम लेते रहे।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन द्वारा 65 एकड़ भूमि में बनाया जा रहा रिसर्च सेंटर

लोधी बिल्डर्स द्वारा पशुपालन विभाग की जिस जमीन पर कब्जा किया गया है, वहां राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत लगभग 65 एकड़ भूमि में रिसर्च सेंटर और चारागाह बनाए जाने की तैयारी है। लगभग 99 एकड़ की शासकीय भूमि 12 से 13 रकबों में मौजूद है। लगभग 10 दिनों तक इस इलाके में सीमांकन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में सीमांकन कार्य किया जाएगा।

> सीमांकन का कार्य अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। इस दौरान अलग-अलग टीमें तैनात रहेंगी। विवाद की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी तैनात होगा। सीमांकन कार्य पूरा होने के बाद आगे की कार्यवाही करेंगे।
>
> ■ **रवीश श्रीवास्तव,** एसडीएम गोविंदपुरा

पिपलानी में युवती ने की खुदकुशी, अगले दिन थी बैंक में ज्वाइनिंग

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी में युवती ने फांसी लगा ली। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। आनंदनगर चौकी प्रभारी संतोष सिंह रघुवंशी ने बताया कि श्रृष्टि उर्फ तनु चौकसे गुप्ता कालोनी में अपनी नानी के घर रहती थी। वह बीएसएसएस से पासआउट थी। मंगलवार को उसे आईसीआईसीआई बैंक में नौकरी ज्वाइन करनी थी। सोमवार रात को सभी ने साथ में खाना खाया। रात 11 बजे श्रृष्टि ने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर फांसी लगा ली। पुलिस को मृतका के कमरे से बैंक का ज्वाइनिंग लेटर मिला है। परिजनों के बयान के बाद आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा। दूसरी ओर छोला मंदिर थाना क्षेत्र में आउटसोर्स कर्मचारी ने फांसी लगा ली। 30 वर्षीय शुभम गागड़े जल विभाग में प्लम्बर था। छह महीने पहले परिवार के खिलाफ जाकर उसने लव मैरिज की थी और फिर शिवनगर में किराए के मकान में पत्नी के साथ रहने लगा। 15 दिन पहले पत्नी नाराज होकर मायके चली गई। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में आ गया। मंगलवार रात करीब 10 बजे उसने यह कदम उठाया।

कोल्ड्र ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ मिलाकर नाबालिग से गैंगरेप

गर्भवती होने पर खुलासा, युवती समेत 4 गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड स्थित आरवी पैलेस में एक नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोपियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया था। बेहोश होने के बाद दो दोस्तों ने उसके साथ गलत काम किया। नाबालिग के गर्भवती होने पर मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने युवती समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसमें होटल का मैनेजर भी शामिल है, जिसने आरोपी को कमरा दिया था और नाबालिग की आईडी जमा नहीं कराई थी। कोलार पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय किशोरी बारहवीं की छात्रा है। गत 21 अगस्त को उसके परिजनों ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। संदेह के आधार पर परिजनों ने सुमित उपाध्याय और नित्या ठाकरे नामक युवती के नाम बताए थे। नित्या, किशोरी से घर मिलने पहुंची थी। संदेह के आधार पर पुलिस महाबली नगर में नित्या ठाकरे के पास पहुंची। नित्या ने बताया कि सुमित के कहने पर वह किशोरी को अपने साथ लेकर आई थी। पुलिस ने किशोरी को दस्तयाब कर लिया।

होटल मैनेजर भी आरोपी, जेल भेजा

पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुमित उपाध्याय, प्रणव के खिलाफ गैंगरेप, नित्या ठाकरे के खिलाफ सहयोग करने तथा होटल मैनेजर अमित वर्मा के खिलाफ नाबालिग की आईडी लिए बिना कमरे में जाने पर केस दर्ज किया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता ने बताया, समझाने घर आई थी नित्या

किशोरी ने अपने बयानों में बताया कि दोस्त सुमित उपाध्याय उसका सीनियर है। जून 2025 में सुमित ने उसे बर्थडे पार्टी में शामिल होने बुलाया था। वह राजहर्ष स्थित आरवी पैलेस पहुंची थी। जहां सुमित ने कोल्ड ड्रिंक्स में कुछ नशीला पदार्थ पिला दिया। इसके बाद सुमित और उसके दोस्त प्रणव रायबोले ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। जब उसे होश आया तो दोनों ने उसे डराया और धमकाया था। कुछ दिन पहले उसे पता लगा कि वह गर्भवती है। यह बात उसने सुमित को बताई थी। सुमित ने प्रणव की गर्लफ्रेंड नित्या ठाकरे को उसे समझाने के लिए घर भेजा था। जहां से नित्या उसे अपने साथ लेकर आ गई थी।

टैक्सी चालक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, एक की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिडला मंदिर के सामने टैक्सी चालक ने बाइक सवार दो दोस्तों को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बाद में टैक्सी को जब्त कर लिया है। अरेरा हिल्स पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय विपिन तिवारी भीमनगर में रहता था। वह रातीबड़ स्थित एक रेस्टोरेंट में काम करता था। मंगलवार रात को विपिन मोहल्ले में रखी गणेश झांकी पर था जहां काम कर रहा था। बुधवार सुबह वह दोस्त सोनू के साथ टीटीनगर नाश्ता करने गया। दोनों सुबह करीब साढ़े सात बजे बाइक से लौट रहे थे। वह अभी बिडला मंदिर के सामने पहुंचे थे, तभी मोड़ पर सामने से आ रहे टैक्सी चालक से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे विपिन की मौत हो गई। जबकि सोनू घायल हो गया। उसका एक हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। सोनू भी विपिन के साथ रेस्टोरेंट में काम करता है। पुलिस ने टैक्सी को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक विपिन

आटो चालक से मारपीट कर वाहन, मोबाइल व पर्स लूटा

मशीन लादने के बहाने साथ ले गए थे आरोपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गुनगा इलाके में लोडिंग आटो चालक से मारपीट कर वाहन, मोबाइल और पर्स लूट लिया गया। पर्स में 15 हजार रुपए रखे थे। मशीन लादने के बहाने दो आरोपी लोडिंग वाहन चालक को अपने साथ ले गए थे। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उससे लोडिंग वाहन और मोबाइल बरामद कर लिया है। गुनगा थाना प्रभारी कृष्णा सिंह ठाकुर ने बताया कि विदिशा निवासी 22 वर्षीय अभिषेक यहां बैरसिया में रहता था। वह लोडिंग आटो चलाता है। मंगलवार शाम को उसके पास दो युवक पहुंचे। उन्होंने बताया कि मशीन लादना है, जिसे पीपलखेड़ा से उठाना है और शमशाबाद छोड़ना है। भाड़ा तय होने के बाद अभिषेक उनके साथ चल पड़ा। आटो में विक्रम बंजारा नाम का युवक बैठ गया, जबकि दूसरा बाइक पर सवार था। रास्ते में गुनगा इलाके में स्थित महोली गांव के पास सुनसान इलाके में दोनों ने अभिषेक के साथ मारपीट कर वाहन, मोबाइल व पर्स लूट लिया। पर्स में 15 हजार पांच सौ रुपए रखे थे। घटना के बाद पीड़ित रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचा। उसने पुलिस को आटो का नंबर बताया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर रात में ही आरोपी विक्रम बंजारा को दबोच लिया। बाइक सवार विनोद भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

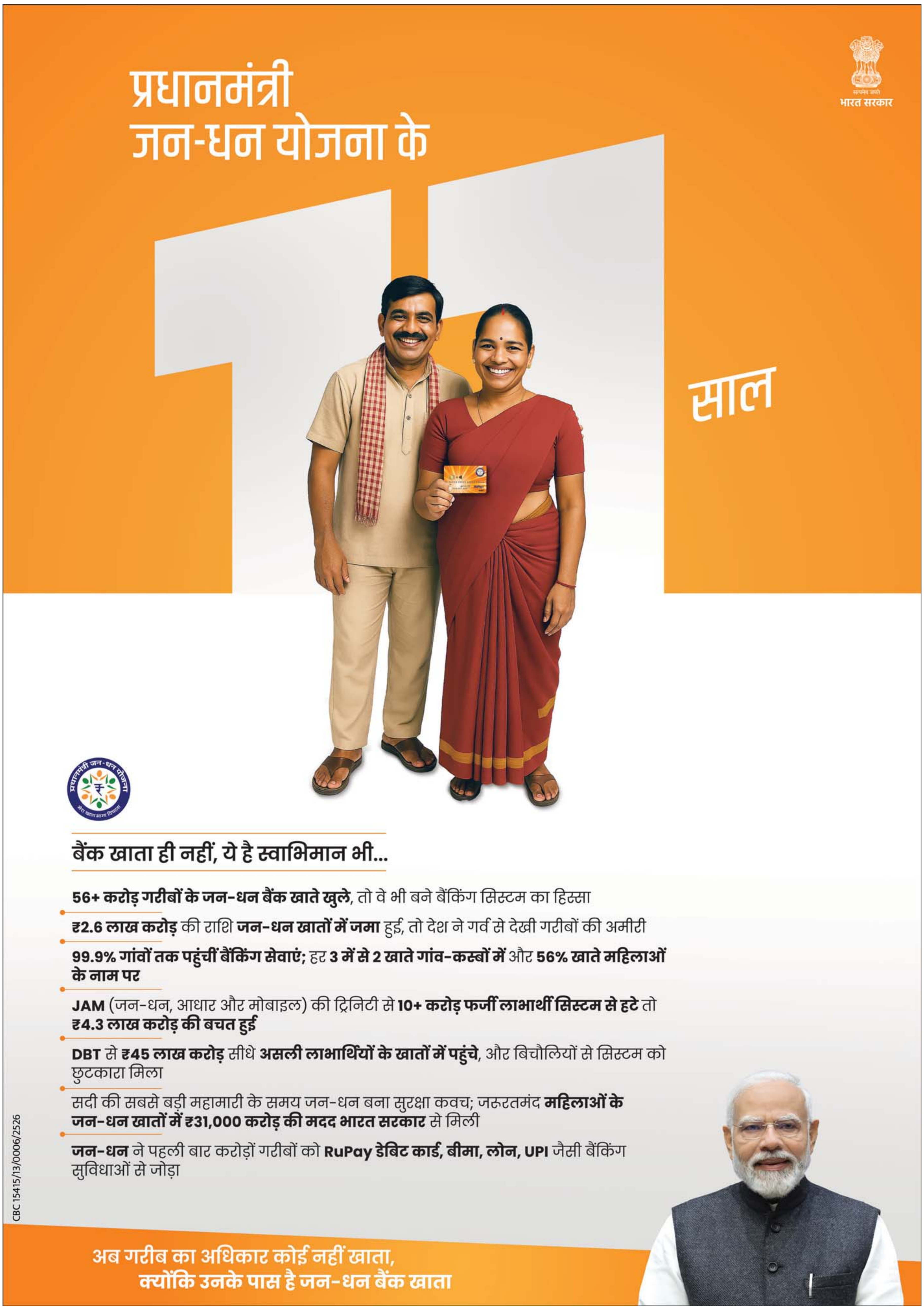

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अनुचित है दिव्यांगों पर टिप्पणी अदालत की सख्ती तर्कसंगत

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के कंटेंट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा है, उसे बहुत सावधानी से लेने की जरूरत है। समय रैना समेत पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की टिप्पणियों को दिव्यांगों की गरिमा के खिलाफ पाया गया है।

इंटरनेट सेंसेशन के इस दौर में जब अपने कंटेंट को वायरल बनाने की इच्छा सब पर हावी होती दिख रही है, इस केस ने यह ध्यान दिलाया है कि हर दूसरे अधिकार की तरह अभिव्यक्ति की आजादी भी अपने साथ जिम्मेदारी लेकर आती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ठीक ही बेहद सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि किसी को भी दूसरों पर, खासकर दिव्यांगों, बीमारों, जैसे कमजोर तबकों पर हंसने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत का यह मानक भी तर्कसंगत कहा जाएगा कि प्रायश्चित के तौर पर की जाने वाली क्षतिपूर्ति होने वाले नुकसान के मुकाबले ज्यादा होनी चाहिए।

इसमें दो राय नहीं कि ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े मामलों के लिए सरकार की ओर से गाइडलाइन होनी चाहिए। इस सिलसिले में अटॉर्नी जनरल की तरफ से बताया गया कि सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। लेकिन कोर्ट ने भी माना कि इस तरह की कोई भी गाइडलाइन किसी खास केस की प्रतिक्रिया में आनन-फानन तैयार नहीं की जा सकती और न ही ऐसा किया जाना चाहिए। यह कार्य न केवल मौजूदा परिस्थिति और इससे जुड़े तमाम पहलुओं का बल्कि आने वाले दौर की चुनौतियों का भी ध्यान रखते हुए करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से यह सवाल भी सामने आया कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी को कमर्शियल और नॉन कमर्शियल जैसी दो श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है। ध्यान रहे, संविधान की ओर से सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का एक जैसा अधिकार दिया गया है। इसके साथ जुड़ी पाबंदियां भी सबके लिए समान हैं। यहां तक कि मीडिया या मीडियाकर्मियों को भी अलग से कोई अधिकार नहीं दिया गया है। ऐसे में इस पर विचार करना होगा कि क्या किसी की अभिव्यक्ति को इस आधार पर अलग तरह से देखा जाना चाहिए कि वह कमर्शियल कंटेंट की श्रेणी में आता है या नहीं। पिछली सुनवाई की रोशनी में देखा जाए तो स्पष्ट हो जाता है कि इस मामले में अनुच्छेद 19 के तहत मिले अभिव्यक्ति के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत मिले गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार दोनों पर विचार करना है। जाहिर है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शीर्ष अदालत कैसे दोनों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ती है।

यह उचित है कि हास्य-व्यंग्य किसी और के सम्मान की कीमत पर नहीं हो सकता। हास्य जीवन का हिस्सा होना चाहिए, लेकिन किसी को चोट पहुंचाए बिना। जब हम संवेदनहीन बनते हैं, तब हास्य भी समस्या बन जाता है। सवाल है कि ऐसी असंवेदनशीलता के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ये कॉमेडियन उस व्यापक समाज की मानसिकता का ही प्रतिनिधित्व नहीं करते, जहां किसी भी दिव्यांग या अलग तरह का व्यवहार करने वालों पर फब्तियां कसकर, व्यंग्य करके अपने अहं को तुष्ट किया जाता है? किसी भी सभ्य समाज में कोई अभिव्यक्ति अनुशासन और मर्यादा के दायरे में ही सही मानी जाती है।

सर्वोच्च अदालत ने अभद्रता और अभिव्यक्ति का फर्क स्पष्ट कर दिया है। देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को यह अंतर समझना चाहिए और दूसरों को भी सतर्क करते रहना चाहिए। वैसे भी, 'अभिव्यक्ति की आजादी' मनुष्य का मौलिक और प्रकृति प्रदत्त अधिकार है, जिसको हर हाल में सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

ट्रंप से आर्थिक युद्ध जीतने के लिए जापान से सीखे भारत

अर्थव्यवस्था संकट

नौशाद फोर्ब्स

> अमेरिका ने जिन देशों पर सर्वाधिक शुल्क लगाया है उनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने शुल्क वृद्धि के साथ-साथ हमें अपमानित करने वाली बातें भी कहीं हैं। मसलन भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करने की बात या भारतीय अर्थव्यवस्था को एक मृत अर्थव्यवस्था बताना। ऐसे में प्रश्न यह है कि हम कहां हैं और हमारे समक्ष क्या विकल्प हैं?

हम जापान से कितना कुछ सीख सकते हैं जिसने 19वीं सदी के मध्य में अमेरिकी दबंगई के जवाब में खुद को चमत्कारिक रूप से बदला और एक औद्योगिक अर्थव्यवस्था बन गया। मेरे प्रमुख स्रोत हैं समाजशास्त्री रोनाल्ड डोर जिन्होंने जापानी संस्कृति और आर्थिक सफलता पर काफी कुछ लिखा है।

विनम्रता और महत्वाकांक्षा- हमें आर्थिक जंग जीतनी है न कि ट्रंप से कोई बहस जीतनी है। यानी हमें अपमान को विनम्रतापूर्वक नजरअंदाज करते हुए अंतिम परिणाम पर नजर रखनी है। 'पेरी घटनाक्रम' (वर्ष1853 में) से अमेरिका ने जापान पर दबाव बनाकर उसे अपनी अर्थव्यवस्था को खोलने पर विवश किया और उससे कुछ रियायतें हासिल की थीं। इन असमान समझौतों में अपनी ही शुल्क दरें तय करने का अधिकार गंवाना और विदेशियों के निवास वाले इलाकों में पश्चिमी कानूनों को लागू होने देना शामिल था। जापानियों ने इसका उत्तर कुछ महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ दिया।

- 1870 का दशक- जापान औपनिवेशीकरण से मुक्त।
- 1890-1911- पश्चिम द्वारा आरोपित असमान संधियों की समीक्षा।
- 1890 का दशक- चीन को कोरिया पर नियंत्रण करने से रोकना।
- 1900 का दशक- रूस को कोरिया पर नियंत्रण करने से रोकना।
- 1930 का दशक- महाशक्तियों के साथ बराबरी हासिल करना।

डोर बताते हैं कि इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को सभी जापानियों के साझा लक्ष्यों के रूप में प्रस्तुत किया गया था और इन्हें हासिल करने में राष्ट्रवाद की भावना का जमकर इस्तेमाल किया गया। राष्ट्रवाद अक्सर खराब ढंग से समाप्त होता है। न केवल किसी देश के लिए बल्कि उसके पड़ोसियों के लिए भी। यहां खराब से तात्पर्य युद्ध और पेशेगत पराजय से है। चीन के लिए 1895 में, कोरिया के लिए 1905 में और जापान के लिए ऐसा 1945 में दो परमाणु बम विस्फोटों के बाद हुआ। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कई सकारात्मक चीजें हुईं। आर्थिक वृद्धि राष्ट्रीय आकांक्षा बन गई। जापान के दैनिक अखबारों ने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में वृद्धि की सारणी प्रकाशित करनी शुरू की। हर बार जब जापान प्रति व्यक्ति आय में किसी देश को पीछे छोड़ता तो यह सुर्खियों में आ जाता। इसका लक्ष्य राष्ट्रीय गौरव था न कि महज आर्थिक वृद्धि। 1950 और 1960 के दशक में जापान रिकॉर्ड गति से (दो दशकों में 9 से 10 फीसदी की तेज वृद्धि) विकसित हुआ। इसमें तकनीकी क्षमताओं की अहम भूमिका थी। 1950 से 1978 के बीच जापान दुनिया में तकनीक का सबसे बड़ा आयातक था। डोर के मुताबिक उसने 9 अरब डॉलर की राशि तकनीक आयात करने में व्यय की। हालांकि, 1978 में अमेरिका ने शोध एवं विकास पर 60 अरब डॉलर खर्च किए थे। जापानी कंपनियों ने आंतरिक शोध पर भी खूब व्यय किया। जापानी कंपनियों ने विदेश में विस्तार किया। होंडा, सोनी, पैनासोनिक और टोयोटा दुनिया भर में पहचानी जाने लगीं। सर्वश्रेष्ठ से सीख लेने के लिए विनम्रता जरूरी है। नई तकनीक और विश्वस्तरीय कंपनियां बनाने के लिए महत्वाकांक्षा जरूरी है। इन दोनों का मेल बेजोड़ साबित हुआ।

विकास की आकांक्षा : डोर जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और सिंगापुर में 'विकसित होने की इच्छा' की बात करते हैं। यह इच्छा पिछड़ेपन की भावना से आई जिसे दूर करने की आकांक्षा थी। अपने इतिहास में 30 वर्ष की उच्चतम वृद्धि के बाद हम प्रति व्यक्ति जीडीपी के हिसाब से सबसे गरीब पांचवे देश से सबसे गरीब तीसरे देश बने। यह अच्छा सुधार है लेकिन पर्याप्त नहीं। चीन आज भारत से पांच गुना अमीर है और शोध एवं विकास में हमसे 25 गुना निवेश करता है। हमें अपनी इच्छाशक्ति और मजबूत करने की जरूरत है। डोर कहते हैं कि पिछड़ेपन की यह भावना पूरे समाज में साझा होनी चाहिए। हम नोबेल पुरस्कार विजेताओं और वैश्विक कंपनियों का नेतृत्व करने वाले भारतीयों के नाम पर गर्व करते हैं लेकिन अगर हम इसके साथ ही यह प्रश्न करना शुरू करें कि अमर्त्य सेन, वेंकटरमन रामाकृष्णन और अभिजित बनर्जी जैसे हमारे नोबेल विजेता विदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में काम क्यों करते हैं तथा सत्य नाडेला और सुंदर पिचाई जैसे लोग अमेरिकी कंपनियों का ही नेतृत्व क्यों करते हैं तब आग्रह पूर्णतः सकारात्मक होगा। लेकिन अगर हमारे महान बुद्धिजीवियों और कारोबारियों पर गर्व, खेत में काम करने वाले किसानों को अपने साथ जोड़ने की हमारी इच्छा को कम कर देता है, तो हम विकास की साझा इच्छाशक्ति को कमजोर कर देते हैं। तेज आर्थिक विकास के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने से हमारी विकास की इच्छाशक्ति को बढ़ावा मिल सकता है। राजनीतिक नेताओं और उद्योगपतियों के रूप में हमें इस पिछड़ेपन की भावना को साझा करना होगा भले ही हम इसे स्वयं में महसूस नहीं कर सकें। इससे आगे बढ़ने की साझा ललक तैयार होगी।

क्या हमें महत्वाकांक्षाएं पालनी चाहिए? : ऐसे में हम जहां ट्रंप के अपमान की अनदेखी कर रहे हैं वहीं हमें क्या महत्वाकांक्षाएं पालनी चाहिए? वर्ष 2047 तक विकसित होने का हमारा लक्ष्य एक अच्छा आर्थिक लक्ष्य है। इसके लिए हमें जापान की तरह दो दशक से अधिक समय तक 9 फीसदी से अधिक की वृद्धि हासिल करनी होगी। यानी मौजूदा दर से 3 फीसदी अधिक। हमारे समाचार पत्र भी ऐसी सारणी प्रकाशित कर सकते हैं कि इस दौरान हम प्रति व्यक्ति जीडीपी में किन देशों को पछाड़ते हैं। फिलहाल हम इस मामले में 136वें स्थान पर हैं। जापान से सबक लेकर हम ट्रंप के साथ आर्थिक जंग जीतने के प्रयास कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय के बजाए यूरोपीय संघ, जापान और अन्य देशों ने उसके साथ ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो अमेरिका के लिए अधिक फायदेमंद थीं, उनके लिए कम। इधर, हमारे देश की बातचीत अब तक बेनतीजा रही है।

भारतीय उत्पादों पर बुधवार से 50 फीसदी उच्च अमेरिकी टैरिफ लागू किया गया है। इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। ट्रंप टैरिफ की वजह से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजारों में काफी महंगे हो जाएंगे, जिससे घरेलू निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के प्रतिस्पर्धियों की स्थिति अमेरिकी बाजार में बेहतर होगी। इस चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार को बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे, अन्यथा भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने का लक्ष्य भी प्रभावित होगा। ट्रंप टैरिफ ने अमेरिका के साथ भारत की पसंदीदा साझेदार छवि को तगड़ा झटका लगा है। वैश्विक निवेशक भारत को व्यापार झटकों के प्रति कमजोर मान रहे हैं, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। रूसी तेल खरीद के कारण भारत को निशाना बनाया जाना उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करने वाला कदम माना जा रहा है।

कई बड़े सुधारों की जरूरत : नई शिक्षा नीति को लागू करना, विनिर्माण में देश के लिए अच्छी जगह बनाना, कृषि उत्पादकता की समस्याओं को हल करना, अपने शहरों में बदलाव, औद्योगिक शक्ति का कुछ घरानों तक सीमित होने पर अंकुश, कारोबारी सुगमता की लागत कम करना, वस्तु एवं सेवा कर की एकल दर, निजीकरण पर जोर और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए शुल्क कम करना। यह एक अच्छी सूची है।

कई लोग संदेह करेंगे कि हम ऐसा कर पाएंगे या नहीं। हम चरणबद्ध सुधार जारी रख सकते हैं। यानी दो कदम आगे तो एक कदम पीछे। हम ट्रंप की धमकियों और अपमान के बदले या तो प्रतिक्रिया दें और अंतर्मुखी हो जाएं या फिर उसकी अनदेखी करें और चुनौती को अवसर में बदल लें। इसके लिए हमें पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर चलना होगा और इसके लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। हम क्या करेंगे इसका चुनाव हमें करना है।

(लेखक फोर्ब्स मार्शल के को-चेयरमैन और सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष हैं)

चुनौतियों के बीच दक्षता के साथ आगे बढ़ता भारत

आर्थिक विकास

प्रो. मनोज तिवारी

> वर्तमान में मजबूत गति से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था निर्णायक शासन की देन है। यह संदेश वैश्विक स्तर पर गूंज रहा है कि- भारत न केवल बढ़ रहा है, बल्कि अलग-अलग पैमाने पर, समावेशिता और डिजिटल दक्षता के साथ बढ़ रहा है।

ऐसे समय में जब दुनिया की कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ भारी गतिरोध से जूझ रही हैं और कई उभरते वैश्विक बाजार अस्थिरता की चपेट में हैं, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति को लगातार मजबूत बनाए हुए है। यह मजबूती, यह बढ़ती गति, मात्र कोई संयोग नहीं है। यह एक स्पष्ट सुधारपरक एजेंडा द्वारा समर्थित निर्णायक शासन को दर्शाता है। और इसी वजह से 2025 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6-6.5 फीसदी की वृद्धि होने की उम्मीद है। जब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ फिर से 'बीबीबी' पर रखा, तो यह केवल एक आँकड़ा नहीं था, बल्कि यह भारत के राजकोषीय अनुशासन, सुधार-संचालित नीतिगत विकल्पों और दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल से निपटने में उसके दृढ़ता की मान्यता थी। पीएम गति शक्ति और नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन जैसी प्रमुख पहलों के साथ-साथ जीएसटी जैसे फिस्कल इनोवेशंस और डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं, यूपीआई, आधार, ओएनडीसी को व्यापक रूप से अपनाने जाने ने भारत के विकास मॉडल को नए सिरे से परिभाषित किया है।

व्यापारिक रुझान और रणनीतिक स्वायत्तता : संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चुनिंदा भारतीय निर्यातों पर 50फीसदी टैरिफ लगाने का हालिया निर्णय वैश्विक व्यापार में अस्थिरता की ओर ध्यान दिलाता है। फिर भी, भारत की आर्थिक लचीलापन की नीति यह सुनिश्चित करती है कि इसका व्यापक प्रभाव मामूली रहे यानि अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.3 प्रतिशत अंक से अधिक नहीं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिटेन के साथ चल रहे मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए), यूरोपीय संघ के साथ लगातार आगे बढ़ रही बातचीत और एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व में गहरी साझेदारियों के साथ सरकार की डाइवर्सिफिकेशन रणनीति, व्यापार में देश के रणनीतिक स्वायत्तता के लक्ष्य को परिलक्षित करती है। पीएलआई स्कीम्स, मेक इन इंडिया और नए निर्यात बाजारों को मिलाकर, भारत अपने को न केवल इन झटकों से सुरक्षित रख रहा है, बल्कि दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता भी बना रहा है। यह सावधानीपूर्वक संतुलन और राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना वैश्विक जुड़ाव, तेज गति से भारत की आर्थिक कूटनीति की एक परिभाषित विशेषता बनता जा रहा है।

गहन तकनीक की अनिवार्यता : यदि इंफ्रास्ट्रक्चर और राजकोषीय सुधार भारत की नींव हैं, तो गहन तकनीक (डीप टेक) देश का भविष्य है। भारत सरकार की आगामी नेशनल डीप टेक एंड साइंटिफिक रिसर्च पॉलिसी, तकनीकी संप्रभुता को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह नीति कई अग्रणी क्षेत्रों को टारगेट करेगी। जैसे-

- गवर्नेंस, हेल्थकेयर और एजुकेशन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए सेमीकंडक्टर्स
- सुरक्षित कम्युनिकेशन के लिए क्वांटम टेक्नोलॉजीस
- जीनोमिक्स और फार्मा इनोवेशन के लिए बायोटेक्नोलॉजी
- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्पेस और डिफेंस टेक्नोलॉजीस
- रोबोटिक्स से लेकर 3डी प्रिंटिंग तक, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग

लक्ष्य स्पष्ट है : भारत को न केवल साइंटिफिक इनोवेशन की अगली लहर में भाग लेना चाहिए, बल्कि उसका नेतृत्व भी करना चाहिए। अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका का उल्लेखनीय योगदान पहले से ही यह दर्शा रहा है कि भविष्य कैसा हो सकता है। अंतरिक्ष सुधार अब इस आदर्श के रूप में कार्य करते हैं कि सरकारें, उद्योग और शिक्षा जगत कैसे विभिन्न क्षेत्रों में गहन तकनीकी सफलताओं को गति देने में सहयोग कर सकते हैं।

विकसित भारत 2047 की ओर : भारत की विकास यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साल 2047 तक भारत के विकसित बनने के मूल मंत्र 'विकसित भारत- 2047' के दृष्टिकोण पर आधारित है। यह केवल एक आर्थिक माइलस्टोन नहीं है; यह आत्मनिर्भरता, स्थिरता और वैश्विक नेतृत्व के लिए एक प्रतिबद्धता है। घरेलू क्षमता निर्माण को उद्देश्यपूर्ण वैश्विक साझेदारियों के साथ जोड़कर, भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसका उदय उसके लोगों और बृहद विश्व, दोनों को मजबूत करे।

निष्कर्ष : भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की फिर से पुष्टि किया जाना केवल वर्तमान में किये जा रहे परफॉर्मेंस के प्रदर्शन का समर्थन नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य के विकल्पों में विश्वास का संकेत है। बुनियादी ढाँचे से लेकर अंतरिक्ष सुधारों तक, व्यापार कूटनीति से लेकर आगामी गहन तकनीकी नीति तक, सरकार स्पष्टता और दूरदर्शिता के साथ देश का मार्गदर्शन कर रही है। एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, आईआईएम मुंबई, रिसर्च, पॉलिसी से जुड़ाव और विचार नेतृत्व के माध्यम से इस यात्रा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। 2047 तक भारत का लक्ष्य बाहरी टिप्पणियों से नहीं, बल्कि आज उसके द्वारा लिए गए संप्रभु विकल्पों से निर्धारित होगा - ऐसे विकल्प जो राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखते हुए वैश्विक प्रगति में जिम्मेदारी से योगदान दें।

(लेखक मुंबई इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) के डायरेक्टर हैं।)

प्रसंगवश

चरम पर है प्रकृति का रौद्र रूप, विशेषज्ञों की सलाह से हो समाधान

> पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हो रही है। क्या कुदरत नाराज है? दरअसल, हमारे नीति-नियंता भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता।

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी से हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन-जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हो रही है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति-निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन-धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

।।गीता।।

श्लोक

गुरु शुश्रूषया विद्या
पुष्कलेन् धनेन वा।
अथ वा विद्यया विद्या
चतुर्थो न उपलभ्यते॥

भावार्थ

विद्या गुरु की सेवा से, पर्याप्त धन देने से अथवा विद्या के आदान-प्रदान से प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त विद्या प्राप्त करने का चौथा तरीका नहीं है।

जीवन दर्शन

ईश्वर नहीं, आप खुद हैं अपने भाग्य के निर्माता

क्या हमारे भाग्य की वजह से हमारे जीवन में परिस्थितियाँ आती हैं? क्या परिस्थितियों को स्वीकार कर लेना चाहिए या फिर उनका मुकाबला करना चाहिए? क्या पूरी तरह भाग्य को अपने हाथों में ले सकते हैं? आप किस्मत के हाथों नाचने के लिए मजबूर हैं। अगर आपको मनचाही वस्तु नहीं मिल रही है तो उसके लिए आप ही पूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं। जन्म के कारण तथा पालन-परवरिश की वजह से आपने कुछ बुनियादी गुणों को चाहे अनचाहे प्राप्त किया है। प्रतिकूल परिस्थिति से जूझने के बजाए उसे उसी रूप में स्वीकार कर लें तो दिमाग पर इच्छाओं की बुनियाद का जोर नहीं पड़ेगा। आज न केवल राजनीतिज्ञ, बल्कि ज्योतिषी और धर्मगुरु भी आपको अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं। ज्योतिषी और धर्मगुरु लोगों का दिल स्नेह सद्भावना के बल पर नहीं जीतते, बल्कि पाप और पुण्य, अच्छाई और बुराई की बातें करते हुए ये लोग आपके अंदर एक तरह का डर और अपराध-बोध का भाव पैदा करके आपको चक्कर में डालते हैं। इन लोगों ने डंके की चोट पर अपनी बात रखते हुए आपके मन में यह विश्वास बैठा दिया है कि आपकी हार-जीत का फैसला करने वाला तत्व केवल आपका भाग्य है। आप किस्मत के हाथों नाचने के लिए मजबूर हैं। अगर आपको मनचाही वस्तु नहीं मिल रही है तो उसके लिए आप ही पूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं। अपने जीवन के निर्माण में आपने यथोचित ध्यान नहीं दिया है। जिस पद या जिस वस्तु को पाने की चाह आपके मन में उठी, उसे पाने के लिए आपने स्वयं को उचित रूप से तैयार नहीं किया है। यह आपकी ही गलती है, भाग्य का खेल बिल्कुल नहीं है। अपने कंप्यूटर के सामने बैठकर आपके जीवन के प्रत्येक चरण और दशा की गणना और योजना बनाते रहने के अलावा क्या ईश्वर के पास और काम नहीं है? इस तरह की किस्से-कहानियों पर विश्वास करने के लिए क्या आप अभी भी अबोध बालक हैं? जन्म के कारण तथा पालन-परवरिश की वजह से आपने कुछ बुनियादी गुणों को चाहे अनचाहे प्राप्त किया है। आपके पथ का निर्णय करने वाले ये ही गुण-विशेष हैं। यह बात भी एक हद तक ही सही है। वर्ना यदि आप ध्यानपूर्वक काम करेंगे तो अपनी तथाकथित भाग्यरेखा को इच्छानुसार बदल सकते हैं।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

हलालपुर से 90 फीसदी स्ट्रीट लाइट बंद, संतनगर तक छाया अंधेरा

ओवर ब्रिज निर्माण से रात में दोपहिया वाहन चालक हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात। यह कहावत लालघाटी से संत हिरदारा नगर तक 5 किलो मीटर भोपाल इंदौर राजमार्ग पर चरितार्थ होती है क्योंकि छह आठ माह पहले हलालपुर से संत हिरदाराम नगर तक स्ट्रीट लाइट में कुछ सुधार आया लेकिन तेज गर्मी के बाद बरसात में धीरे धीरे स्ट्रीट लाइट बुझती गई और आज की स्थिति में इस मार्ग पर 90 प्रतिशत खम्बे सूने हैं, उनमें जो एलईडी लाइट लगी है, वह खराब हो चुकी है।

भारी वाहनों से मौत का भय

भोपाल इंदौर राजमार्ग पर जहां दिन भर वाल्वो दौड़ते रहते हैं, वहीं रात के समय भारी वाहनों का गुजरना होता है। रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक ट्रकों की आवाजाही इतनी अधिक होती है कि अगर रात के समय इस मार्ग पर दोपहिया वाहन गुजरे तो उसकी जान को जोखिम बना रहता है अनेक बार इस मार्ग पर रात के समय दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं।

कारोबारी व कर्मचारी परेशान

संत हिरदाराम नगर के लगभग एक हजार कर्मचारी भोपाल में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर काम करते हैं, इन कर्मचारियों को रात 10 बजे दुकान बंद कर दोहिपया वाहनों से ही घर लौटना होता है। कारोबारी तो अपनी कारों में लौटते हैं लेकिन दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारी दोपहिया वाहनों पर हमेशा दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। आए दिन अखबार में पढ़ने को मिलता है कि अज्ञात वाहन से दोपहिया वाहन चालक घायल।

शिकायतों का असर नहीं

पिछले आठ दस माह से यह मार्ग अंधेरे में डूबा है और आम जनता ने सीएम हेल्प लाइन से लेकर नगर निगम स्मार्ट सिटी, विद्युत शाखा से लेकर कमिश्नर तक से अनेक बार शिकायतें की हैं, कि मार्ग पर अंधेरा होने की वजह से दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रत हो रहे हैं, लेकिन नगर निगम के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती ऐसा लगता है कि वह गहरी नींद में हैं या फिर इस मार्ग पर किसी बड़ी दुर्घटना का उसे इंतजार है तब उसकी नींद खुलेगी।

रहवासी उठा रहे दोहरी परेशानी

इसी रोड पर पटाखा बाजार के बाद सीवेज पम्प हाउस से लेकर विसर्जन घाट तक लगभग पौने तीन मिलो मीटर मार्ग पर केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी सिक्स लेन एलीवेटेड फ्लाइ ओवर का काम चल रहा है, जिसे एक साल होने को है। इस कारण सड़क को बीचों बीच से टीन की चदरें लगाकर बंद कर दिया गया है, जबकि दोनो तरफ से वाहन गुजरते हैं। दिन मे तो कोई खास परेशानी नहीं है लेकिन शाम ढलते ही इस मार्ग पर अंधेरा छा जाता है। न केवल हलालपुर से कृष्णा प्लाजा काम्पलेक्स तक बल्कि मुख्य बाजार जहां कपड़े और बर्तनों का थोक बाजार स्थित है, वहां भी जैसे ही रात में दुकाने बंद होती हैं, पूरा मार्ग अंधेरे में डूब जाता है, ऐसे में इस मार्ग पर चलना भी खतरे से खाली नही है। इधर हरदेव अस्पताल से पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क मार्ग की भी अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद है। यह मार्ग भी अत्यंत ही जर्जर है ऐसे में अंधेरा होने के कारण खासतौर महिलाओं की सुरक्षा को भारी खतरा बना रहता है।

"लालघाटी से संत हिरदाराम नगर के बाद बोरवन पार्क रोड पर रात के समय आना किसी खतरे से खाली नहीं है। मैने तो 181 पर शिकायत भी की है बावजूद स्ट्रीट लाइट को ठीक नहीं किया जा रहा है। **- रमेश हिंगोरानी**, सचिव, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत, संत नगर

"मैने अधिकारियों की बैठक बुलाई थी जिसमें कमिश्नर भी मौजूद थे, इस दिशा में अधिकारियों को निर्देशित किया गया है साथ ही पुल निर्माण एजेंसी को भी पत्र लिखा जा रहा है, ताकि मार्ग पर रोशनी हो सके। **- राजेश हिंगोरानी** प्रभारी एमआईसी सदस्य, नगर निगम

नए की जगह पुराने मंदिरों का हो कायाकल्प : रामेश्वर

बेहटा गांव में नवीन सिद्धि विनायक मंदिर का हुआ लोकार्पण

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नए मंदिरों की जगह हमें उन पुराने एवं जर्जर मंदिरों का जीर्णोदार व कायाकल्प करना चाहिए जो 50 से लेकर 150 साल पुराने हैं, क्योंकि ऐसे मंदिरों में चेतना व आस्था का संगम होता है इसलिए भविष्य में अगर इस तरह के मंदिरों के पुर्नविकास पर ध्यान दे तो अधिक बेहतर होगा। यह कहना है हुजूर के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा का। वे बेटा गांव में सिद्धि विनायक मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। संत हिरदाराम नगर के बेहटा गाँव में श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर का प्रमुख निर्माण कार्य स्वर्गीय श्री कन्छेदीलाल केवट जी की स्मृति में उनके सुपुत्र एवं भाजयुमो संत हिरदाराम नगर मण्डल अध्यक्ष रोहन केवट रामू द्वारा कराया गया । जिसका लोकार्पण हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया। भाजपा विधायक ने कहा कि आज बहुत ही पवित्र दिन है, क्योंकि यह एक एसा धार्मिक त्यौहार है, जहां घर घर में गजानंद महाराज रखे जाते हैं, और लगातार 10 दिन इसकी पूरी श्रद्धा, निष्ठा एवं समर्पण भाव से पूजा की जाती है। उन्होंने सभी को दस दिवसीय गणेशोत्सव की बधाईयां भी दी। आरंभ में रोहन केवट रामू ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर चाचा मुंशीलाल केवट, मदिर पुजारी पंडित नंदकिशोर बैरागी, भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष राम बंसल, मण्डल अध्यक्ष मनीष बाग़वानी, संतोष रजक, प्रदीप मेवाड़ा, दीपक मेहरा, बंटी मेहरा, शुभम केवट, गौराव पाटिल, संदीप पाटिल, अखलेश मेवाड़ा, सचिन रजक, अभिषेक राजपूत, अशोक दरवार, एवं बेहटागाव संत हिरदाराम नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में रोहन केवट रामू ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। यहां पूजा पाठ के बाद आरती और प्रसादी वितरण भी हुआ।

जगह-जगह विराजे विघ्नहर्ता श्रीगणेश, भक्तिभाव दिखा

जागरण प्रतिनिधि औबेदुल्लागंज। गणेश चतुर्थी का त्यौहार नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। नगर में अनेकों स्थानों पर गणेशोत्सव की धूम मची हुई है। गली-गली और मोहल्लों में भगवान गणेश के पंडाल सज गए हैं नगर में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर हर साल की तरह इस साल भी गणेश चतुर्थी पर अलग-अलग आकार और रूप की भगवान गणेश की प्रतिमाएं घरों और पंडालों में स्थापित की गई हैं। कई जगहों पर तो 30 फीट से भी ऊंची प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सनातन संस्कृति के त्यौहार गणेश चतुर्थी का पर्व 10 दिनों तक चलता है। इन 10 दिनों में भगवान गणेश के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। इन 10 दिनों में भगवान गणेश की भक्ति में पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। गणेश चतुर्थी एक ऐसा पर्व है, जो लोगों को एकजुट करता है। इस दौरान लोग आपस में मिलकर

भजन-कीर्तन करते हैं और एक-दूसरे के घर जाकर प्रसाद ग्रहण करते है गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिनमें मोदक सबसे लोकप्रिय है, क्योंकि यह भगवान गणेश का पसंदीदा व्यंजन माना जाता है। गणेशोत्सव के दौरान गणेश पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान बाजारों में भी रोनक दिखाई दे रही है।

स्ट्रीट लाइट बंद होने से एक व्यक्ति पर चढ़ा ट्रक मौके पर हुई मौत

जागरण मंडीदीप। नेशनल हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइटे एक महीने से बंद है। रात के समय में स्ट्रीट लाइट बंद रहने से नेशनल हाईवे मार्ग पर घनघोर अंधेरा छाया रहता है। जिससे आय दिन दुर्घटना हो रही है लेकिन घटनाओं को रोकने के लिए एनएचएआई विभाग के द्वारा आबादी क्षेत्र के निकट दर्जनों स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी। लेकिन पिछले एक माह से सभी स्ट्रीट लाइट रात के समय में बंद रहती है। जिससे रात होते ही अंधेरा छा जाता है। वहीं नेशनल हाईवे पर स्ट्रीट लाइट बंद होने से आय दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं जिससे कई लोग अपनी जान गवा चुके वहीं बुधवार रात को लाइट नहीं होने से एक अज्ञात व्यक्ति की सड़क पार करते समय अचानक ट्रक आने से मौके पर ही मौत हो गई फिर भी स्ट्रीट लाइटों को लेकर अधिकारी संवेदनशील नहीं दिखाई दे रहे।

डिजी यात्रा के मद्देनजर विमान सुरक्षा को सुदृढ़ करने एएसटीआई का शुभारंभ

मुम्बई से आए डीआईजी की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी का राजा भोज किसी भी इंटरनेशनल उड़ान के लिए पूरी तरह से तैयार है। यहां स्क्रीनिंग मशीनों की स्थापना की गई है, जो अब यात्री का चेहरा देखकर उसे भीतर जाने देंगी इसके लिए प्रशिक्षण में दक्ष अमले की जरूरत होती है, यही कारण है कि एयरपोर्ट पर एएसटीआई का शुभारंभ किया गया। एएसटीआई का शुभारंभ एएसजी भोपाल में पश्चिम क्षेत्र मुख्यालय, नवी मुंबई के डीआईजी एन. प्रकाश रेड्डी, आईपीएस द्वारा रामजी अवस्थी, डायरेक्टर भोपाल एयरपोर्ट एवं अतुल भनोत्रा, कमांडेट औद्योगिक सुरक्षा बल भोपाल तथा सीआईएसएफ व एएआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व बल सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि यह एवसेक प्रशिक्षण संस्थान विमानन सुरक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। चूँकि स्क्रीनिंग हवाई अड्डा सुरक्षा का सबसे अहम पहलू है, इसलिए एएसटीआई सीआईएसएफ कर्मियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने हेतु एक समर्पित केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस

सुविधा की स्थापना सुनियोजित एवं उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, जिससे सुरक्षा संचालन के मानकों को और ऊँचा उठाया जा सके। यह संस्थान उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का एक मजबूत समूह तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा, जो विमानन सुरक्षा से जुड़े उभरते चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम होगा। यह पहल सीआईएसएफ की निरंतर सुधार, व्यावसायिक उत्कृष्टता और नागरिक उड्डयन को बदलते खतरों से सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आधुनिक टेक्नालॉजी का इस्तेमाल

यहां बता दें कि राजा भोज एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा के उपकरण स्थापित होने का काम पूरा हो गया है, जिसका शुभारंभ भी जल्द ही किया जाएगा इसके अब आधार कार्ड या अन्य किसी कागज की जरूरत नहीं होगी बल्कि सूरत देखकर यात्री को भीतर जाने दिया जाएगा। डिजी यात्रा सुविधा यात्री की पहचान करने और उसे पहुँच प्रदान करने के लिए फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी का उपयोग करती है। यात्रियों को अपनी पहचान विवरण के साथ अपने चेहरे का बायोमेट्रिक डेटा रजिस्टर करना होगा। यह एक बार की पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन या एयरपोर्ट के कियोस्क पर पूरी की जा सकती है। एक बार पंजीकृत होने के बाद, यात्री कागज रहित और संपर्क रहित यात्रा अनुभव का आनंद ले सकते हैं, उनका चेहरा उनके बोर्डिंग पास और पहचान दस्तावेज के रूप में काम करेगा। यात्रियों का एयरपोर्ट पर लगने वाला समय कम होगा और दस्तावेजों के मैन्युअल सत्यापन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

मिशनरी स्कूलों में नहीं मिल पाती संस्कारों की शिक्षा: दरियानी

स्कूल में डेढ़ साल से हो रहा हनुमान चालीसा का पाठ

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय हनुमान चालीसा का पाठ का प्रारम्भ किया था, जो पिछले डेढ़ साल से चल रहा है। इस मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के साथ इसका शुभारंभ हुआ। इस मौके पर वरिष्ठ समाज सेवी एवं भोपाल सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा मिशनरी स्कूलों में हुई, इस कारण वहां भारतीय संस्कृति व धर्म आधारित प्रोग्राम से अक्सर वंचित ही रहे पर यह अच्छी बात है कि दीपामाल पागारानी संस्कार स्कूल जैसी शालाओं में हनुमान चालीस के साथ हर मंगलवार को शिक्षण कार्य की शुरूआत होती है। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने

मनीष दरियानी का शाल ओढ़कर सम्मान भी किया। इस अवसर पर संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में आयोजिम संकृतिका 7.0 में इवेंट ट्रेजर हंट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सचिव बसंत चेलानी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए जय श्री राम के जयकारों के साथ कहा कि हमारे विद्यालय में लगभग डेढ़ साल से प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है अब तो हनुमान चालीसा के पाठ के साथ गीता के श्लोकों का भी वाचन होने लगा है। रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करने से कार्यो में किसी भी तरह का कोई विघ्न नहीं पड़ता है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि आज मंगलवार है हनुमान जी का दिन है। हमारे विद्यालय में प्रत्येक मंगलवार को सारे बच्चे समवेत स्वर में एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते है, हनुमान चालीसा का पाठ करने से करने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलती है। जहाँ पर हनुमान चालीसा का पाठ होता है, वहाँ हनुमान जी स्वयं उपस्थित रहते है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री आरके मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने बनाए सैकड़ों नए सदस्य

बैरसिया। स्वयंसेवक संघ से संबद्ध संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की भोपाल जिला ग्रामीण इकाई अंतर्गत अगस्त माह में चल रहे सदस्यता अभियान में बुधवार को नगर बैरसिया में सैंकड़ों सदस्य बनाए गए एवं त्रिमासिक पत्रिका ग्राहक अर्थ वितरित की गई

व्यस्त बाजारों में घूमकर कार्यकर्ताओं ने संगठन के संगठन मंत्री राजनारायण सिंह अध्यक्ष खजानसिंह उपाध्यक्ष बलराम रत्नाकर के नेतृत्व में ग्राहकों को संगठन की सदस्यता कराई। ग्राहकों के साथ व्यापारियों ने भी संगठन में खासी रुचि दिखाई। सराफा किराना होटल वस्त्र सभी प्रकार के व्यापारी और नागरिकों ने संगठन के पत्रक को भरकर सदस्यता ली।

जीवनभर सेवा को समर्पित रहे नारायणदास : वासवानी

पुण्य तिथि पर श्रद्धा से याद किए गए

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अपना सम्पूर्ण जीवन आरएसएस एवं उसकी समर्थित सामाजिक संस्था भारतीय सिंधु सभा को समर्पित कर देने वाले वरिष्ठ समाज सेवी नारायणदास वासवानी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके सुपुत्र एवं महानगर नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि नारायणदास वासवानी ने अपना सम्पूर्ण जीवन सेवा को समर्पित किया और आरएसएस की शाखाओं में जाने के लिए अनेक युवाओं को प्रेरित किया क्योंकि आरएसएस एक अनुशासिक व देशभक्त संगठन है, जो शुरू से ही संस्कारों का बीजारोपण करता आया है।

इस अवसर पर संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि नारायणदास वासवानी से सेवा सहित अनुशासन व देशभक्ति का पाठ पढ़ने को मिला। वे दिन भर पैदल घूमकर ऐसे जरूरतमंद परिवारों के यहां जाते थे, जिन्हें मदद की आवश्यकता होती थी।

उन्होंने गांधीनगर में अनेक बेसहारा लोगों का व्यवस्थापन किया। इस अवसर पर सुरेश वासवानी, किरणदेवी वासवानी के अलवा शंकर आसूदानी, गुरदास रामचंदानी, मोनिका हरचंदानी, आरती परमाल, शशि विश्वकर्मा, विष्णु नाथानी, भगवानदास वीधानी, बसंत चेलानी, परषोत्तम टिलवानी, लक्ष्मी गुरबानी, चन्द्र नागदेव, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, राज बिजोरिया ने स्व. नारायणदास वासवानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

SUDOKU 35

4				1				2
	2			7			1	
		1		2		5		
	8		5		3		2	
2	9			8			5	
	1		7		2		6	
		8		3		6		
	6			5			3	
9				6				5

SOLUTIONS 34

9	3	5	2	1	6	7	8	4
7	6	4	3	8	9	1	2	5
8	2	1	7	4	5	9	6	3
1	4	7	9	3	2	8	5	6
5	9	3	1	6	8	2	4	7
6	8	2	5	7	4	3	9	1
4	1	6	8	9	3	5	7	2
2	7	8	4	5	1	6	3	9
3	5	9	6	2	7	4	1	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज के दिन रचनात्मकता में वृद्धि के साथ नई एनर्जी का अनुभव होगा। स्मार्ट प्लानिंग करें। आर्थिक रूप से उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ : आज के दिन फ्लेक्सिबिलिटी को अपनाएं। धन के मामले में सप्ताह शुभ माना जा रहा है। सेहत पर नजर रखने की जरूरत है।

मिथुन : आज के दिन आपके पेशेवर जीवन में चुनौतियां आ सकती हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

कर्क : मन परेशान हो सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। आय में कमी आ सकती है। रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

सिंह : आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। नौकरी में बदलाव हो सकता है। कार्यक्षेत्र में बदलाव के साथ स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। भागदौड़ अधिक रहेगी

कन्या : आज के दिन रिसर्च किए बिना कहीं भी पैसा न लगाएं। आप क्लाइंट के ऑफिस की यात्रा कर सकते हैं। व्यापारिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला : आज के दिन एकस्ट्रा मैरिटल अफेयर से दूर रहें। आपका रोमांटिक रिश्ता मजबूत होगा। आप कार्यालय में बेस्ट प्रदर्शन देने में सक्षम होंगे। ज्यादा तनाव लेने से बचें।

वृश्चिक : आज ऑफिस में आपकी परफॉर्मेंस शानदार रहेगी। सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा। करियर में तरक्की के भरपूर अवसर मिलेंगे। अपनों का साथ मिलेगा।

धनु : आज के दिन पार्टनर से अपनी फीलिंग्स को शेयर करने में संकोच न करें। नौकरी में बेस्ट परिणाम देने के लिए कोशिश करें।

मकर : आज के दिन दोपहिया वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। पिछला निवेश अच्छे परिणाम ला सकता है। फिटनेस पर फोकस करें।

कुंभ : आज के दिन रिश्तों में प्यार और विश्वास बढ़ेगा। आपकी कम्युनिकेशन स्किल काम आएगी। अनावश्यक बहस करने से बचें।

मीन : आज के दिन कोई गंभीर समस्या वित्त और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित नहीं करेगी। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा।

आज का पंचांग: 28 अगस्त गुरुवार 2025। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** ऋषि पंचमी। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष की पंचमी 17 घंटे 58 मिनट तक, तत्पश्चात षष्ठी चित्रा नक्षत्र 08 घंटे 44 मिनट तक तत्पश्चात स्वाति नक्षत्र शुक्ल योग 13 घंटे 18 मिनट तक, तत्पश्चात ब्रह्म योग, तुला में चंद्रमा। **राहुकाल :** दोप 1.30 से 3 बजे तक रहेगा।

जाहिर सूचना
मकान क्रमांक-चौकसे शादीहाल, सेमरा कलां, चांदबड़, भोपाल,

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने (1) श्री ब्रजेश चौकसे आत्मज श्री रामदयाल चौकसे (2) श्रीमती शिव कुमारी पत्नी श्री रामदयाल चौकसे (3) श्री उमाशंकर चौकसे आत्मज श्री रामदयाल चौकसे (4) श्री नरेश चौकसे आत्मज श्री रामदयाल चौकसे सभी निवासीगण-29, सेमरागेट, चांदबड़, भोपाल, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संयुक्त स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य का तीन किता मकान जो कि सेमरा कलां, चांदबड़, भोपाल, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में नगर पालिक निगम की सीमाओं के अन्दर में कुल क्षेत्रफल-5000 वर्गफीट का स्थित है। जिसमें भूतल पर चौकसे शादी हाल के नाम से मकान निर्मित है, जिसे मेरे पक्षकार के पक्ष में विक्रय करने की आपसी सहमति हो गयी है एवं बयाना राशि भी अदा कर दी है। उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फायनेंस संस्था, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार आपत्ति हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हिबा, हस्तांतरण इत्यादि होतो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिन की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरा पक्षकार उक्त वर्णित मकान मय भूखण्ड का पंजीयन करा लेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

महेश कुमार मौर्य अधिवक्ता
कार्या प्लाट नं.-154, महेन्द्रा काम्पलेक्स जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल मो.-9425011591

जाहिर सूचना
एक किता भूखंड जिसका भूखंड क्र.-12-अ खसरा क्र.-185 (S) रकबा-0.840 हेक्टैयर में से 1200 वर्गफीट भूखंड जो ग्राम-झागरिया खुर्द, प.ह.नं. 42, रा.नि.म-04, विकास खंड-फंदा, तहसील हुजूर जिला-भोपाल (म.प्र.) के संबंध में घ

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार श्री बीरबल मारण आत्मज श्री मांगीलाल मारण, आयु-वयस्क, निवासी-बरखेड़ी कलां भोपाल (म.प्र.) द्वारा विक्रेता श्री नारायण बंसोड़ आत्मज श्री अभिमन बंसोड़, आयु-वयस्क, निवासी-झुग्गी क्र.-286, गौतम नगर, पुराना नर्मदा भवन के पास, 1250 तुलसी नगर, भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक किता भूखंड जिसका भूखंड क्र.-12-अ खसरा क्र.-185 (S) रकबा-0.840 हेक्टैयर में से 1200 वर्गफीट भूखंड जो ग्राम झागरिया खुर्द, प.ह. नं.-42, रा.नि.म-04, विकास खंड-फंदा, तहसील-हुजूर जिला-भोपाल (म.प्र.) मे स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य, दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरे पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के सम्बन्ध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन-कारी नहीं होगी ।

भवदीय **रिंकू मारण अधिवक्ता**
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल मो.- 9098665905, 8269608345

।। जाहिर सूचना ।।
भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.27, स्थित आदर्श कॉलोनी, ग्राम लाऊखेड़ी, तहसील हुजूर जिला भोपाल के संबंध में ।

मेरे पक्षकार ने श्री रामवीर सिंह कुशवाह पुत्र श्री आर.बी.एस. कुशवाह निवासी एफ-02, स्पेशल क्वार्टर, टी.बी.हास्पिटल, ईदगाह हिल्स, भोपाल से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक भूखाण्डक्रमांक एल.आई. जी.-27, जो कि गांधी मेडीकल कॉलेज गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल द्वारा विकसित आदर्श नगर, ग्राम लाऊखेड़ी, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 25 फिट गुणा 40 फिट बराबर 1000 वर्गफिट अर्थात 92.93 वर्गमीटर है व उक्त भूखाण्ड भूमि खसरा क्रमांक 4/2/1 का अंश भाग है व जिसकी चतुर्थ सीमायें इस प्रकार है-पूरब में-20 फिट चौड़ा रोड, पश्चिम में-अन्य भूमि, उत्तर-प्लाट नम्बर एल.आई.जी.-26 एवं दक्षिण-प्लाट नम्बर एल.आई.जी.-28 है, को क्रय करने का अनुबंध किया गया है जिसके सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी, या किसी अन्य को कोई आपत्ति हो या सम्पत्ति पर किसी प्रकार का दावा, झगड़ा, मांग, मतालबा, या कोई अन्य विलेख निष्पादित किया गया हो, तो विज्ञप्ति दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मेरे समक्ष सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत करें । उक्त समयावधि के बाद किसी आपत्ति पर विचार न किया जाकर मेरा पक्षकार अग्रिम कार्यवाही हेतु स्वतंत्र रहेगा, कृपया सूचित हो।

मोहम्मद अनस अहमद सिद्दीकी (अधिवक्ता)
कार्यालय-फ्लेट नम्बर 2, प्रथम तल, दीपनिशा इनक्लेव, डी-110, फिरदौस नगर, बैरसिया रोड, भोपाल। मो.-9981802782

शिवपुरी नगर पालिका में नया संकट, इस्तीफा देंगे 16 पार्षद

जागरण, शिवपुरी। नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के खिलाफ पिछले दो महीनों से चल रहा सियासी घमासान अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। प्रशासनिक पेंच में फंसा अविश्वास प्रस्ताव तो ढेर हो गया, लेकिन अब विरोधी गुट ने इस्तीफों का दांव चलकर नपा की राजनीति में भूचाल ला दिया है। बगीचा सरकार की शपथ लेने वाले पार्षदों ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक साथ इस्तीफों का ऐलान कर दिया। इन पार्षदों में भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय सभी दलों के 16 पार्षद शामिल हैं। इस्तीफा देने वालों में नपा उपाध्यक्ष सरोज-रामजी व्यास वार्ड 26, ओमप्रकाश जैन ओमी वार्ड 5, गौरव सिंघल वार्ड 37, मोनिका सीटू सरैया वार्ड 6, राजू गुर्जर वार्ड 21, राजा यादव वार्ड 17,ममता बाईसराम धाकड़ वार्ड 15, संजय गुप्ता पप्पू वार्ड 4, विजय शर्मा बिंदास वार्ड 20, नीलम-अनिल बघेल वार्ड 11, सरोज-महेंद्र धाकड़ वार्ड 12, रीना-कुलदीप शर्मा वार्ड 18, तारा राठौर वार्ड 28, मीना-पंकज शर्मा वार्ड 31, कमलकिशोर शाक्य वार्ड 30 एवं कृष्णा-वीरू नागर वार्ड 39 आदि बताए जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेम में हारा तो चार घरों में कर डाली 8 लाख की चोरी, अपना घर भी नहीं छोड़ा

जागरण, बालाघाट। ऑनलाइन गेम की एक और करतूत सामने आई है, जब ऑनलाइन गेम में हारने पर एक होनहार युवा चोरी करने को मजबूर हो गया। इस युवक ने एक-एक कर चार घरों से नगदी व जेवर उड़ा दिए। आश्चर्य की बात यह है कि उसने अपना और अपने ताऊ का घर भी नहीं छोड़ा। ऑनलाइन गेम के चक्कर में अपना भविष्य बिगाड़ने वाला यह युवक बालाघाट के वारासिवनी थाना क्षेत्र के कायदी गांव का निवासी है। ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद सिद्धांत दमाहे (20) ने अपने परिवार के ही चार घरों से जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि आरोपी का परिवार 7 अगस्त से सत्संग सुनने व्यास गया था। 25 अगस्त को जब परिवार वापस लौटा, तो घर की अलमारी में जेवर और नगदी नहीं मिली। घर में आरोपी युवक अकेला था। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो सिद्धांत ने बताया कि वह ऑनलाइन गेम खेलता था। गेम में पैसे हारने पर उसने चार घरों से जेवरात और नगदी चुराई। इन जेवरात को वारासिवनी और बालाघाट में गिरवी रखकर पैसे अपने ऑनलाइन गेमिंग अकाउंट में डाले।आरोपी के ताऊ गजेन्द्र दमाहे की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया गया। चोरी की कुल कीमत लगभग 8 लाख रुपए बताई गई है।

गणेश मंदिर में मोतीझरा, बुखार और अन्य बाधाएं दूर करते हैं विघ्नहर्ता

जागरण विदिशा। प्रदेश के विदिशा में बुधवार को पुरानी अनाज मंडी स्थित भगवान श्रीगणेशजी के मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि मोतीझरा, बुखार व अन्य पारिवारिक विघ्न बाधाएं हों भगवान गणेश अपने भक्तों की अन्य सभी समस्याओं को दूर करते हैं। श्रद्धालुओं की गहरी आस्था के कारण यह मंदिर वर्षों से भक्तों की श्रद्धा व विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंडी परिसर में स्थित भगवान गणेश का यह मंदिर वर्षों पुराना है। अनाज मंडी परिसर में होने मंडी के हम्माल, तुलावट, मजदूर, और व्यापारी सहित आसपास क्षेत्र के सभी लोग प्रथम पूज्य भगवान गणेश के इस अपना जुड़ाव रखते आए हैं। यहां तक कि चैत्र नवरात्र के समय मंदिर में भगवान गणेश की पूजन एवं परिसर में स्थित अन्य धार्मिक स्थलों पर निशान चढ़ाने के बाद व्यापारी मुहूर्त नीलामी कर कार्य शुरू करते हैं। व्यापारी बताते हैं कि पहले यहां टीला था। यह प्रतिमा स्वयं-भू है करीब 70 वर्ष पूर्व यहां मंडी शिफ्ट हुई थी उस दौरान व्यापारियों के सहयोग से यह मंदिर निर्माण हुआ था। मंडी के हर व्यापारी की भगवान गणेश में गहरी आस्था है और मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद ही व्यापारी अपना व्यापार शुरू करते हैं। गुड़ी पड़वा व अन्य मुहूर्त के समय में मंदिर में पूजन के बाद नीलाम कार्य शुरू होता है। विदिशा की अनाज मंडी एवं व्यापारियों की संपन्नता के लिए भगवान गणेश की कृपा को मुख्य माना जाता है। मंदिर के पुजारी हरिशंकर व्यास का कहना है कि मोतीझरा, नजर लगना, माता निकलना आदि कई रोग से पीड़ित मरीज़ों को भगवान गणेश के नाम की झाड़नी दी जाती है, बेल बांधी जाती भबूती दी जाती और कुछ ही दिन में भगवान की कृपा से मरीज स्वस्थ हो जाते है।

खजराना गणेश को 5 करोड़ के आभूषण पहनाए, रतलाम में चांदी के वर्क से श्रृंगार, उज्जैन में लगा एक लाख लड्डुओं का भोग

जागरण, इंदौर/रतलाम/उज्जैन। प्रदेश भर में 10 दिवसीय गणेश उत्सव शुरू हो गया है। उज्जैन के चिंतामण गणेश मंदिर में एक साथ तीन स्वरूप चिंतामण, इच्छामन और सिद्धि विनायक के भक्तों ने दर्शन किये। यहां भगवान गणेश को एक लाख लड्डुओं का भोग लगाया गया। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में भगवान का 5 किलो सोने के आभूषणों से श्रृंगार किया गया। आभूषणों की कीमत करीब पांच करोड़ रुपए है। रतलाम में ऊंकाला खड़े गणेश का चांदी के वर्क से श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। सीहोर के विक्रमादित्य कालीन चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाकर मनोकामना मांगते हैं।

ऑनर किलिंग: बेटी ने शादी से मना किया तो पिता ने घोंट दिया गला

चुपचाप अंतिम संस्कार करने पर ग्रामीणों को हुआ था शक

जागरण अशोकनगर। चार दिनों से चर्चा का विषय बनी एक छात्रा की मौत का खुलासा बुधवार को बहादुरपुर थाना पुलिस ने कर दिया। थाना प्रभारी अरविंद कुशवाह ने बताया कि छात्रा गुरनीत कौर की हत्या उसी के पिता बलिहार सिंह ने गला घोंट कर की थी। घटना 23 अगस्त की है, जिसकी सूचना पुलिस को 24 अगस्त की सुबह मिली। पुलिस द्वारा छात्रा के सभी परिजनों से बारी-बारी से पूछताछ की गई थी। जिसमें यह सच निकल कर सामने आया है। दरअसल, 23-24 अगस्त की दरमियानी रात बहादुरपुर से महज तीन किलोमीटर गीलारोपा गांव में एक अंतिम संस्कार हुआ था। यह अंतिम संस्कार 17 वर्षीय एक छात्रा का हुआ था, जिसकी मौत संदेहास्पद थी। मौत और अंतिम संस्कार के बारे में पड़ोसियों का तक पता नहीं चला। ऐसे में किसी ने पुलिस को सूचना दी कि छात्रा की मौत संदेहास्पद है। पुलिस टीम 24 अगस्त की सुबह ही छात्रा के घर पहुंच गई। जहां अंतिम संस्कार किए गए स्थान पर पूरी तरह से सफाई मिली। छात्रा के पिता बलिहार सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी लेकिन जिस कमरे में फांसी लगाना बताया गया, वहां ऐसे कोई साक्ष्य नहीं थे। ऐसे में पुलिस का शक और गहरा गया। 24 अगस्त को ही पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन भी मौके पर पहुंचे। चूंकि मामला गंभीर था, इसलिए ग्वालियर से एफएसएल, फोरेंसिक टीम, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, खोजी कुत्ते को भी लाया गया। जिसके बाद पुलिस को सुराग मिले। पुलिस की पूछताछ में आखिरकार छात्रा की मां ने सच उगल दिया। इसके बाद आरोपी बलिहार को हिरासत में लिया गया। मर्ग के मामले में हत्या की धाराओं का इजाफा किया गया। आरोपी को बुधवार में न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

विवाह करना चाहते थे परिजन, राजी नहीं थी छात्रा: पुलिस ने छात्रा की हत्या का कारण विवाह के लिए राजी नहीं होना बताया है। वह अपनी मर्जी से शादी करना चाहती थी, जबकि परिजन अन्यंत्र शादी पर अड़े थे। इसी बात पर 23 अगस्त की दोपहर को पिता-पुत्री के बीच विवाद हुआ। तैश में आकर पिता ने पुत्री का गला घोंट कर हत्या कर दी।

मेधावी छात्रा थी गुरनीत, प्रथम श्रेणी में हुई थी उत्तीर्ण: मृतक छात्रा बहादुरपुर के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में इस वर्ष कक्षा 11वीं की छात्रा थी। उसने इसी विद्यालय से पिछले सत्र में 10वीं की बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष कक्षा 11 में प्रवेश लेने के बाद वह स्कूल कम ही आई। जिसके कारण उसकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।

बिहार की दो नाबालिगों को खंडवा स्टेशन पर उतारकर परिजनों को सौंपा

जागरण, खंडवा। परिजनों की रोक-टोक से परेशान बिहार की 15 और 16 साल की दो नाबालिग सहेलियों ने मुंबई में बसने का प्लान बना लिया। प्रेमियों से बात की तो उन्होंने भी साथ देने की हामी भर दी। दोनों से प्रेमियों ने कहा कि पहले तुम जाओ, फिर हम आते हैं। प्रेमियों ने लड़कियों को मुंबई की ट्रेन में बैठा दिया। लड़कियों के भागने की बात परिजन को पता लगी तो वे पुलिस के पास पहुंचे। मोबाइल लोकेशन के आधार पर खंडवा रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) ने उन्हें स्टेशन पर उतार लिया और सरकारी खानापूर्ति के बाद परिजनों को सौंप दिया। दरअसल लड़कियां बिहार के नालंदा जिले की रहने वाली हैं। एक ही स्कूल में दसवीं क्लास में पढ़ती हैं। खंडवा बाल कल्याण समिति ने काउंसलिंग की तो पता चला कि एक छात्रा अपने दादा-दादी तो दूसरी अपने माता-पिता और भाई से परेशान थी।

नहाते समय एक दूसरे को बचाने में बह गईं मां-बेटी

रीवा के क्योटी वॉटरफॉल में हादसा

जागरण, रीवा। जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र स्थित क्योटी वॉटरफॉल में दर्दनाक हादसा हो गया। तीज पर्व के दौरान नहाने गई मां-बेटी झरने के तेज बहाव में डूब गईं। बुधवार सुबह एसडीआरएफ ने दोनों के शव बरामद कर लिए हैं। सिरमौर पुलिस के थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि दुलहरा की रहने वाली फूलमती सोधिंया और उसकी बेटी कृषा सोधिंया तीज पर्व पर स्नान करने सुबह क्योटी जलप्रपात के पास महाना नदी पहुंची थी। इस दौरान अचानक फूलमती का पैर फिसल गया और वह डूबने लगी, उसे बचाने गई बेटी कृषा भी तेज धारा में बह गई। हादसे के बाद पुलिस और रेस्क्यू दल मौके पर पहुंचा। टीम ने दोनों डूबी महिलाओं की तालाश शुरू कर दी। दिनभर की खोजबीन के बाद भी दोनों का कोई रता पता नहीं चला। बुधवार सुबह से एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने लापता मां बेटी के क्योटी वॉटरफॉल से शव बरामद कर लिये हैं।

300 से ज्यादा ग्रामीण बुखार की चपेट में आये, एक की मौत

जौरा के कांसपुरा गांव में स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना जिले के जौरा के कांसपुरा गांव में ग्रामीणों पर बुखार का कहर टूटा है। हर घर में इससे पीड़ित लोग मौजूद हैं। गांव में करीब तीन सौ से अधिक मरीज सामने आए हैं। कुछ लोग निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, वहीं कुछ लोग सरकारी अस्पताल के भरोसे हैं, इतना ही नहीं इसकी वजह से एक युवक की मौत भी हो चुकी है। मुरैना सीएमएचओ पद्मेश उपाध्याय ने बताया कि गांव में बुखार फैलने की सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और तुरंत यहां डॉक्टरों की एक टीम भेजकर कैंप कराया जा रहा है। गांव में फॉगिंग कराई जा रही है। यहां घरों में लार्वा की जांच कराई जा रही हैं। टीम घरों में लोगों को वर्षा का पानी या जमा पानी इकट्ठा न होने की समझाइश दे रही है। 23 लोगों के डेंगू के सैंपल और 70 के मलेरिया के सैंपल लिए गए हैं। युवक की मौत की जानकारी हमारी संज्ञान में नहीं आई है। कांसपुरा गांव में पिछले 15 दिनों से सैंकड़ों ग्रामीण बुखार, उल्टी से पीड़ित हैं। यहां 1200 की आबादी में से 70 प्रतिशत ग्रामीण बुखार से पीड़ित है।

जमानत पर छूटे हत्या के आरोपी को बोलेरो से कुचला, रंजिश में हत्या

जागरण, मऊगंज। दो साल जेल में रहने के बाद जमानत पर छूटे हत्या के आरोपी की सड़क हादसे में मौत हो गई। हत्या का यह आरोपी अपने दोस्त के साथ बाहर घूमने गया था, इसी दौरान पीछा कर रही एक बोलेरो गाड़ी ने उसे कुचल दिया। टक्कर मारने के बाद गाड़ी भी अनियंत्रित होकर एक घर की दीवार से टकरा गई। मृतक के परिजनों ने इसे रंजिशन हत्या बताया है। जानकारी के अनुसार जमानत पर आए अनीश साकेत को उसका दोस्त छोटू प्रजापति घूमाने ले गया था। दोनों ने शराब पी और शाम को बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम रतनगवा से ढेरा तक एक अज्ञात बोलेरो गाड़ी उनका पीछा करती रही। इसी बीच जब दोनों पथरहा गांव के पास पहुंचे तो अनीश गुटखा लेने के लिए सड़क किनारे रुक गया। तभी पीछे से आ रही बोलेरो ने तेज रफ्तार से अनीश को कुचल दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि अनीश की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक दो साल पहले शाहपुर इंद्रजीत गांव में एक बारात के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में फंसा था। इस विवाद में दिनेश साकेत की मौत हुई थी, जिसके बाद अनीश और निलेश साकेत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया था। अनीश पिछले दो साल से जेल में था और हाल ही में जमानत पर रिहा होकर घर लौटा था।

करंट की चपेट में आने से पांच लोग झुलसे

जागरण, मुलताई। बैतूल जिले के ग्राम चौथिया में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कीचड़ में फंसी ट्राली को दूसरे ट्रैक्टर ट्राली की मदद से निकालने के दौरान लोहे की टोचन 11 केवी हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट की चपेट में आने से ट्राली में मौजूद पांच लोग झुलस गए। ग्रामीणों ने तुरंत 4 घायलों को सरकारी अस्पताल भर्ती कराया। ट्रॉली को निकालने के दौरान अचानक ट्राली से लगी टोचन खड़ी होकर सीधे हाई टेंशन लाइन से जाकर टकरा गई।

चार घंटे नहीं आई एंबुलेंस, जच्चा-बच्चा की मौत, ऑटो से ले गए थे अस्पताल

जागरण, सिंगरौली। बार-बार कॉल करने के बाद भी चार घंटे तक एंबुलेंस न पहुंचने से एक हंसते-खेलते परिवार में मातम पसर गया। चार घंटे एंबुलेंस का इंतजार करने के बाद परिजन जब ऑटो से गर्भवती महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, तब तक महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की सांसे थम चुकी थीं। सीएमएचओ ने लापरवाही पर तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है। महिला जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के बरहवां टोला गांव की निवासी थी। 21 वर्षीय सुषमा बैग को रात 11 बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई थी। पति राम लल्लू बैग ने 108 एंबुलेंस सेवा को कई बार फोन किया। पहले बताया कि देवसर से एंबुलेंस भेजी जा रही है। एक घंटे बाद दोबारा कॉल करने पर कहा कि बैढ़न जिला मुख्यालय से एंबुलेंस आ रही है। मगर इसके बाद दो घंटे और बीतने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची और कब तक पहुंचेगी यह बताने को भी कोई तैयार नहीं था। मजबूरी में परिवारजन एक परिचित ऑटो चालक को बुलाकर लाए और सुषमा को ऑटो से बरगमा स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। मगर वहां पहुंचते ही खुशियां मातम में बदल गई।

बिजनेस प्लस

योगी सरकार में देश के दिग्गज निवेशकों को भाया गोरखपुर

अडानी समूह और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर ने भी उद्योग लगाने ली जमीन

गोरखपुर। दशकों तक जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार की प्रोत्साहनपरक नीतियों, कारोबारी सुगमता और शानदार कनेक्टिविटी से अब वहां नामी कंपनियों के आने की होड़ सी दिखती है। निवेशकों की डिमांड के अनुरूप गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने न केवल लैंड बैंक समृद्ध किया है बल्कि साल दर साल औद्योगिक भूखंडों का आवंटन भी तेज हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में तो गीडा ने अब तक 54 नई यूनिट्स के लिए रिकार्ड 182 एकड़ भूमि का आवंटन किया है। इससे 5800 करोड़ रुपये के नए पूंजी निवेश के साथ 8500 लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। औद्योगिक प्रगति के नए कालखंड में सिर्फ गत पांच साल की बात करें तो इस दौरान गीडा को 9445 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले और इसके जरिये 22922 रोजगार सृजन संभव हुआ। इसमें मल्टीनेशनल ब्रांड पेप्सिको, केयान डिस्टिलरी, ज्ञान डेयरी, टेक्नोप्लास्ट और केंद्रीय भंडारण निगम, कपिला कृषि उद्योग, एपीएल अपोलो ट्यूब्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं। गोरखपुर में अडानी समूह ने अंबुजा ब्रांड सीमेंट फैक्ट्री की नई यूनिट और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर अमृत बॉटलर्स ने भी यूनिट लगाने को जमीन ले ली है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और श्री सीमेंट्स ने भी निवेश की उत्सुकता दिखाते हुए गीडा से औद्योगिक जमीन मांगी है। श्री सीमेंट्स की टीम पहले ही जमीन देखने के लिए दौरा कर चुकी है जबकि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि मंगलवार को विजिट पर आए थे। अपने पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्र के साथ गीडा ने गोरखपुर के दक्षिणांचल में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को भी औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है। गत दिनों यहां दो बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भूमि का आवंटन किया जा चुका है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक का कहना है कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में गोरखपुर में निवेश और औद्योगिक विकास का शानदार इको सिस्टम तैयार हुआ है। गीडा द्वारा निवेशकों की मांग और पसंद के अनुरूप जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसका नतीजा है कि यहां औद्योगिक निवेश लगातार बढ़ रहा है।

क्षिप्रा एक्सप्रेस के चार एसी कोच में खराबी सतना स्टेशन पर यात्रियों ने किया हंगामा

12 घंटे तक सुनवाई नहीं होने पर आखिरकार टूटा यात्रियों का सब्र

जागरण, सतना। इंदौर से हावड़ा जा रही क्षिप्रा एक्सप्रेस (22911) के उज्जैन स्टेशन से निकलने के बाद बी-1 से बी-4 तक के चार एसी कोचों में तकनीकी खराबी आ गई। 12 घंटे बाद भी जब समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो यात्रियों का सब्र जवाब दे गया। उज्जैन के बाद से ही लगातार स्टाफ को शिकायतें करने पर भी खामी को सुधारा नहीं जा सका। हालत बिगड़ने पर बुधवार दोपहर 12.50 बजे जैसे ही ट्रेन सतना स्टेशन पर रुकी, यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। हंगामे के चलते ट्रेन करीब सवा घंटे प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर खड़ी रही।

महू-रीवा स्पेशल ट्रेन होगी शुरू, हफ्ते में पांच बार चलेगी

जागरण, इंदौर। महू (डॉ. अंबेडकर नगर) से रीवा के बीच रेलवे एक स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है। यह ट्रेन त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही है, जिससे यात्रियों को सीट आसानी से मिल सके। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 5-5 बार चलेगी। रीवा से महू आने वाली ट्रेन (01704) हर शनिवार को 27 सितंबर से 25 अक्टूबर तक रीवा से रात 10.20 बजे चलेगी। ट्रेन रविवार दोपहर 3.05 बजे महू (डॉ. अंबेडकर नगर) पहुंचेगी। रास्ते में सीहोर (10.05 बजे), शुजालपुर (11.05), मक्सी (11.50), देवास (1.21), इंदौर (2.15) पर होते महू पहुंचेगी। महू से रीवा जाने वाली ट्रेन (01703) हर रविवार को 28 सितंबर से 26 अक्टूबर तक महू से रात 9.20 बजे चलकर अगले दिन सोमवार दोपहर 1. 30 बजे रीवा पहुंचेगी। ये ट्रेन रास्ते में इंदौर (9.45), देवास (10.30), मक्सी (11.30), शुजालपुर (12.25 रात), सीहोर (1.12 सोमवार) को होकर रीवा जाएगी।

पावरग्रिड की 36वीं वार्षिक आम बैठक संपन्न

गुरुग्राम। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन महारत्न सीपीएसयू की 36वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन 26 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से हुआ। इस वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता रविंद्र कुमार त्यागी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने की। इस मौके पर रविशंकर गणेशन, निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी, डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक), नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (प्रचालन), वामसी राम मोहन बुर्रा, निदेशक (परियोजनाएं), डॉ. साईबाबा दरबामुल्ला, सरकारी नामित निदेशक, अभय बाकरे, सरकारी नामित निदेशक, शिव तपस्या पासवान, स्वतंत्र निदेशक, रोहित वासवानी, स्वतंत्र निदेशक तथा सजल झा, स्वतंत्र निदेशक भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति के प्रतिनिधि एवं शेयरधारक वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़े। एजीएम के दौरान कंपनी की प्रमुख वित्तीय उपलब्धियां, परिचालन संबंधी सफलताएं, भावी विकास योजनाएं, तकनीकी नवाचार और पहलें प्रस्तुत की गई तथा शेयरधारकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का प्रबंधन द्वारा उत्तर दिया। शेयरधारकों ने कंपनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की एवं कंपनी के निरंतर विकास के लिए शुभकामनाएं दीं।

साइबर सुरक्षा पर अटल एफडीपी की शुरुआत

भोपाल। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अटल एफडीपी कार्यक्रम के अंतर्गत श्री सत्य साईं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में साइबर सुरक्षा और डिजिटल गिरफ्तारी के लिए अभिनव दृष्टिकोण विषय पर एक

सप्ताह तक चलने वाले संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में, आरकेडीएफ विवि, भोपाल के कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि तकनीक का दुरुपयोग शिक्षित और संपन्न वर्ग के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है, इसलिए इस वर्ग को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस अवसर पर साइबर अपराध डीआईजी, डॉ. निरंजन बी. वायंगणकर ने साइबर अपराधों की रोकथाम के व्यावहारिक पहलुओं पर विचार साझा किए। पहले दिन के अन्य सत्र में डॉ. पीयूष शुक्ला (आरजीपीवी) ने भी व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में देश-विदेश के लगभग 200 शिक्षक भाग ले रहे हैं। आगामी सत्रों में डॉ. अर्शदीप कौर (अमेरिका) और डॉ. फहीम सईद मसूदी (बहरीन) सहित कई विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गगन शर्मा, डॉ. सचिन बंदेवार और डॉ. अरुण राय कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 30 अगस्त 2025 तक चलेगा।

फ्रेयर एनर्जी ने भोपाल में खोला पहला सौर अनुभव केंद्र

भोपाल। भारत की अग्रणी रूफटॉप सोलर कंपनी, फ्रेयर एनर्जी ने भोपाल में अपना पहला सोलर एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया। यह पहल मध्य भारत में कंपनी के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फ्रेयर एनर्जी ने अब तक मध्य प्रदेश में 4.3 मेगावाट रूफ-टॉप सौर क्षमता स्थापित की है, जिसमें से 1.20 मेगावाट अकेले भोपाल में है। कंपनी का लक्ष्य 2027 तक 37.7 मेगावाट क्षमता तक पहुंचना है, जो 2028 तक 20,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन के राच्य सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। एक्सपीरियंस सेंटर की प्रमुख विशेषताएं ग्राहकों के लिए सोलर पैनल, इनवर्टर, केबल, स्ट्रक्चर और सुरक्षा उपकरणों को पहली बार देखने और समझने का अवसर। मोनो पीईआरसी और मोनो बिफेशियल मॉड्यूल जैसी नवीनतम तकनीकों की प्रदर्शनी। फ्रेयर ऐप के माध्यम से आसान ऋण स्वीकृति, तत्काल कोट्स और रीयल-टाइम निगरानी। शहर में 3.27 लाख रूफटॉप सौर ऊर्जा की क्षमता है और यह अनुभव केंद्र लोगों को सौर ऊर्जा को करीब से समझने और अपनाने का अवसर देगा।

आईसीएआई चीफ बोले-नए एक्ट से कर चोरी पर लगेगी लगाम

डिजिटल डिवाइस की जांच भी कर सकेंगे आयकर अधिकारी

नई दिल्ली, जेएनएन। हम सर्विस का ग्लोबल हब बन रहे हैं। नया टैक्स एक्ट भाषा और प्रक्रिया दोनों को सरल करेगा। 26 एएस से पारदर्शिता बढ़ेगी और डिजिटल जांच से चोरी पर लगाम लगेगी। यह कहना है इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट चरणजोत सिंह नंदा का। भोपाल में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन नव दृष्टि के दौरान उन्होंने खास बातचीत की। जिसमें टैक्स सुधारों से लेकर भारत की ग्लोबल पोजिशन तक कई अहम मुद्दों पर बात की। आईसीएआई चीफ ने कहा न्यू इनकम टैक्स एक्ट 2025 में कई बड़े प्रावधान किए गए हैं। यह एक्ट अप्रैल 2026 से लागू होगा।

इस एक्ट में ऐसे प्रावधान किए गए हैं। जिससे कहीं भी कर चोरी की शिकायतों पर जांच करने पहुंची इनकम टैक्स की टीम को लैपटॉप, मोबाइल, पेनड्राइव, हार्ड डिस्क यहां तक कि स्मार्टवॉच जैसी डिजिटल डिवाइस की जांच कर सकेंगे।नंदा के अनुसार, पुराने टैक्स कानून में तीन बड़ी समस्याएं थीं। सेक्शनों की भरमार, भारी-भरकम भाषा और इंटरप्रेटेशन में अस्पष्टता। उन्होंने बताया कि आईसीएआई ने सरकार से यह तीनों मुद्दे उठाए और अब नया एक्ट इन्हीं सुझावों के आधार पर बन रहा है। इसका फायदा यह होगा कि करदाता, अधिकारी और अदालत तीनों के लिए एक ही क्लियर मैसेज रहेगा और विवाद काफी हद तक खत्म होंगे। नंदा ने बताया कि यह आपकी टैक्स पासबुक है। इसमें पेन पर कटे टीडीएस, सेल्फ-असेसमेंट टैक्स, रिफंड और हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन का पूरा सालाना सारांश होता है। इससे गलतफहमियां घटती हैं और रिटर्न भरना आसान होता है। टेक्नोलॉजी और एआई का उपयोग बड़ाया गया है। जिससे एक छोटा सा गैप भी अब पकड़ में आ जाता है। इसके चलते टैक्स चोरी की गुंजाइश बेहद कम हो गई है। आने वाले महीनों में तो यह लगभग खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, जिस तरह चाइना गुड्स का हब बना, भारत सर्विसेज का बन रहा है। अकाउंटिंग, ऑडिट, कम्प्लाइंस, एनालिटिक्स और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग तक के लिए दुनिया भारत को देख रही है। भारतीय सीए क्वालिटी, स्पीड और एथिक्स में सबसे आगे हैं। यही वजह है कि ग्लोबल क्लाइंट्स हमारी ओर आकर्षित हो रहे हैं। हम उन्हें कम दाम में क्वालिटी वर्क मुहैया करा रहे हैं। हमारी स्टॉक मार्केट दुनिया की सबसे सेफ है। इसकी नियमन और पारदर्शिता ताकत है।

हर व्यक्ति एक फाइनेंशियल कंसल्टेंट जरूर रखें

नंदा ने आम नागरिकों को सलाह देते हुए कहा कि पहले अपनी आय के स्त्रोत लिखें और उसके बाद उसमें खर्च चलाने के लिए जरूरी योग्य हिस्से का हिसाब तय करें। इसमें ऐसी कोआर्डिनेशन बनाए कि एक राशि आपके पास ऐसी हो जिसे लो रिस्क इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकें। हाई रिटर्न के लालच में न आएं, बल्कि कंपाउंडिंग को समय दें। यह एक ऐसा फॉर्मूला है, जिसने एक आम व्यक्ति को भी फाइनेंशियली स्ट्रॉन्ग व्यक्ति बनाया है। गोल्ड, रियल एस्टेट और पॉलिसीज के बारे में पढ़ें समझें। इससे सही निवेश की दिशा मिलेगी। एक फाइनेंशियल कंसल्टेंट रखें स्थायी न सही, लेकिन मार्गदर्शन जरूरी है। सबसे अहम है, टैक्स प्लानिंग करें और धैर्य रखें। अपने निवेश पर भरोसा रखना सबसे जरूरी है।

डिजिटल जांच से बड़ेगी पारदर्शिता

नए टैक्स एक्ट में रेड या जांच के दौरान अब मोबाइल, लैपटॉप, टैब, हार्ड डिस्क की फोरेंसिक जांच का प्रावधान होगा। नंदा ने कहा कि चर्चा है कि यह अधिकार सिर्फ उच्च स्तर के अफसर के पास रहेगा। इस नए नियम का उद्देश्य मनमानी नहीं, बल्कि डेटा-ड्रिवन जांच है। कारोबार का बड़ा हिस्सा अब डिजिटल डिवाइस पर है, इसलिए इन्हें शामिल करना जरूरी था। टैक्स चोरी पकड़ना आसान होगा और ईमानदार करदाता निश्चिंत रह सकते हैं।

बेंगलुरु और पुणे में 2 और 4 सितंबर को खुलेंगे एपल स्टोर

आफिशियल ओपनिंग के पहले दिन खास एपल ग्राहकों को मिलेंगे खास ऑफर

नई दिल्ली, जेएनएन। टेक कंपनी एपल आईफोन 17 स्मार्टफोन सीरीज लॉन्च करने से पहले भारत में अपने दो नए ऑफिशियल स्टोर खोलने जा रही है। पुणे में अपना रिटेल स्टोर खोलने जा रही है। भारत में ये एपल का चौथा ऑफिशियल स्टोर होगा। ये स्टोर 4 सितंबर 2025 को लोगों के लिए खुलेगा। स्टोर का ऑफिशियल ओपनिंग सुबह 10 बजे से होगी।

एपल ने बताया कि स्टोर ओपनिंग के पहले दिन खास ऑफर और इवेंट्स भी होंगे। ये नया स्टोर पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित कोपा मॉल में बनाया गया है। ये जगह पुणे की पॉश लोकेशन में आती है, जहां शॉपिंग और टेक लवर की भीड़ रहती है। इस स्टोर का लुक और डिजाइन बेंगलुरु के हेब्बल स्टोर की थीम पर बेस्ड होगा। बेंगलुरु के हेब्बल और पुणे स्टोर में टुडे एट एपल सेशन्स का आयोजन होंगे, जो पूरी तरह से फ्री होंगे। इन सेशन्स में एपल के क्रिएटिव्स ग्राहकों को डिजिटल आर्ट, स्टोरीटेलिंग, प्रोडक्टिविटी और कोडिंग जैसे विषयों पर वर्कशॉप्स देंगे। ये सेशन्स उन लोगों के लिए खास होंगे जो अपने एपल डिवाइसेज का बेहतर इस्तेमाल सीखना चाहते हैं या कुछ नया और रचनात्मक करना चाहते हैं।

ओपनिंग से पहले, एपल ने हेब्बल-थीम वाले खास वॉलपेपर्स और बेंगलुरु से प्रेरित एपल म्यूजिक प्लेलिस्ट भी जारी की है, जिसे ग्राहक कंपनी की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। स्टोर के अंदर ग्राहकों को एपल के सभी प्रोडक्ट्स, जैसे कि आईफोन, आईपैड, मैकबुक, एपल वॉच और एयरपॉड्स, देखने और आजमाने का मौका मिलेगा। स्टोर में ग्राहकों को न सिर्फ प्रोडक्ट्स खरीदने का मौका मिलेगा, बल्कि वे एपल पिकअप सर्विस का भी फायदा उठा सकते हैं। यानी ऑनलाइन ऑर्डर करके स्टोर से प्रोडक्ट ले सकते हैं। इसके अलावा, स्टोर में एपल ट्रेड-इन प्रोग्राम भी होगा, जिसके तहत पुराने डिवाइसेज को नए के साथ एक्सचेंज किया जा सकेगा। वहीं बेंगलुरु अब एपल के कैलिफोर्निया में मौजूद हेडक्वार्टर के बाद दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेशनल हब बन गया है। हाल ही में, कंपनी ने उत्तर बेंगलुरु के संके रोड पर एम्बेसी जेनिथ में 2.7 लाख स्क्वायर फीट का ऑफिस स्पेस 10 साल के लॉक-इन पीरियड के साथ लिया है। ये डील 1,010 करोड़ रुपए में हुई है।

सरकारी आठ कंपनियों ने डिविडेंट से किया मालामाल

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकारी कंपनियों को अकसर अच्छा डिविडेंड देने के लिए जाना जाता है। बहुत से निवेशक स्थिर आय पाने के लिए इन शेयरों में निवेश भी करते हैं, जिससे कैपिटल बढ़ने के साथ-साथ कमाई भी होती रहे। कंपनियां अकसर डिविडेंड तिमाही, छमाही या फिर साल में एक बार देती है। बीते 12 महीनों में कोल इंडिया ने सबसे अधिक 32 रुपए का डिविडेंड दिया है। इसकी डिविडेंड यील्ड 8.6 प्रतिशत रही है। वहीं दूसरे नंबर पर रही पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने 19.5 रुपए का डिविडेंड दिया है और उसकी डिविडेंड यील्ड 5 प्रतिशत रही है। ऑयल और नेचुरल गैस कॉरपोरेशन ने बीते एक साल में 13.5 रुपए का डिविडेंड निवेशकों को दिया है और इसकी डिविडेंड यील्ड 6 प्रतिशत रही है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने निवेशकों को 8.4 रुपए का डिविडेंड दिया है। हालांकि, इसकी डिविडेंड यील्ड 3 प्रतिशत रही है। नेशनल एल्यूमीनियम कंपनी ने बीते 12 महीने में 10 रुपए का डिविडेंड दिया और इसकी डिविडेंड यील्ड 5 प्रतिशत रही है। हालांकि, एनएमडीसी ने इस दौरान 4.8 रुपए का डिविडेंड दिया है, लेकिन इसकी डिविडेंड यील्ड 7 प्रतिशत रही है।

सऊदी अरब औद्योगिक उपयोग के लिए खरीद रहा चांदी, दुनियाभर में मांग बढ़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जो अब सोना नहीं, केवल चांदी खरीद रहा है। दरअसल, आपने सुना होगा कि अधिकतर केंद्रीय बैंक सोने में निवेश करते हैं, लेकिन सऊदी अरब अब केवल चांदी खरीद रहा है। दरअसल, चांदी अब केवल गहनों या सिक्कों तक सीमित धातु नहीं रही। यह नए तरीके के व्यापार का अहम हिस्सा बच चुका है। सोलर पैनल से लेकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों, मोबाइल फोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मशीनों तक में चांदी की यूज हो रही है। यही वजह है कि दुनिया भर में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। सऊदी अरब हाल के वर्षों में चांदी की खरीदारी बढ़ा रहा है, जो मुख्य रूप से आर्थिक विविधीकरण, औद्योगिक मांग और भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ा है। यह कदम सऊदी विजन 2030 का हिस्सा माना जा रहा है, जहां देश तेल पर निर्भरता कम करके नई ऊर्जा और तकनीकी क्षेत्रों में निवेश कर रहा है। सऊदी अरब का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, कि एक तरफ देश तेल से आगे बढ़कर विजन 2030 के तहत नई अर्थव्यवस्था की तैयारी कर रहा है। दूसरी ओर सेंट्रल बैंक की सोच भी दिखाता है कि अब केवल सोने पर भरोसा नहीं किया जाएगा। भविष्य की अर्थव्यवस्था जिन धातुओं पर टिकेगी, उनमें भी हिस्सेदारी लेनी जरूरी है। अनुमान है कि दशक के अंत तक चांदी की 30 प्रतिशत से अधिक उत्पादन ग्रीन टेक्नोलॉजी में इस्तेमाल होगी। इससे सऊदी अपनी सप्लाई चेन को सुरक्षित कर रहा है और औद्योगिक लागतों से बच रहा है। इस कदम का असर सिर्फ निवेशकों तक सीमित नहीं रहेगा। जब कोई बड़ा केंद्रीय बैंक किसी धातु में निवेश करता है, तो बाकी देशों और संस्थानों की नजर भी उस पर जाती है। इससे बाजार में भरोसा और कीमतें भी बढ़ती हैं। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ कह रहे हैं कि आने वाले सालों में चांदी की कीमतें और ऊपर जा सकती हैं।

कर्ज में डूबी चुकी कंपनी को खरीदना चाहते हैं गौतम अदाणी, मिली मंजूरी, अब लगानी होगी बड़ी बोली

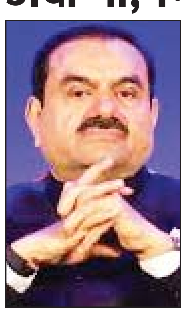

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के व्यापारिक समूह को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से अहम मंजूरी मिल गई है। दरअसल, सीसीआई ने कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए अदाणी ग्रुप को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, आयोग ने कहा है कि बशर्ते अदाणी ग्रुप दिवालियापन प्रकिया में जीत हासिल कर ले। रेगुलेटर ने कहा कि इस मंजूरी में अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स या अदाणी समूह से संबंधित किसी अन्य इकाई द्वारा जेएएल की 100 प्रतिशत तक शेयरहोल्डिंग का अधिग्रहण शामिल है। अदाणी समूह के अलावा सीसीआई ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए डालमिया भारत के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

M.P. STATE LIVESTOCK & POULTRY DEVELOPMENT CORPORATION
Main Road No. 3, Kotra Sultanabad, Bhopal-462003 (M.P.), Tele Fax : (0755) 2776086
E-mail :mplpdcbpl@rediffmail.com
NIT No. 02/MPLPDC/Software/2025-26 Bhopal, Dated : 26.08.2025

TENDER (SERVER)

Online Tenders are invited by Managing Director, Madhya Pradesh State Livestock and Poultry Development Corporation for "Providing Tower Server for Semen Software Management System (SSMS) at Central Semen Station, Bhadabhada, Bhopal" during the year of 2025-26.
Last Date for Submit Bid Online : 17.09.2025 up to 17.30
Tender details and Submission : **https://www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/121728/2025 **MANAGING DIRECTOR**

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन अब तेजी से बेच रही अपने शेयर

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडिगो इस समय भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी है। प्रॉफिट के मामले में भी यह नंबर वन पर है। यह भारत और कई देशों के लिए उड़ानें संचालित करती है। इसकी शुरुआत 2006 में हुई थी। इसे राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने शुरू की थी। दोनों ही इंडिगो के को-फाउंडर है। लेकिन राकेश गंगवाल अब इस कंपनी से अपनी हिस्सेदारी बेचकर मोटा पैसा कमा रहे हैं। इंडिगो के सह संस्थापक राकेश गंगवाल और चिंकरपू फैमिली ट्रस्ट ने इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 7,027 करोड़ रुपये के ब्लॉक डील के जरिए बेचने की योजना बनाई है। राकेश गंगवाल ने 2022 में ही इंडिगो के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। और उन्होंने कहा था कि वह धीरे-धीरे करके कंपनी से अपनी हिस्सेदारी बेच देंगे। यही कारण है कि अब वह फिर से अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। आज इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के शेयर की वैल्यू 6,031 रुपये है। 2015 में आईपीओ के जरिए से उन्होंने अपनी हिस्सेदारी बेचना शुरू की थी। आईपीओ के जरिए शुरुआत में उन्होंने जब अपनी हिस्सेदारी बेची थी तब उन्हें एक शेयर के लिए 765 रुपये मिले थे। इंडिगो एयरलाइंस की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के सह संस्थापक और साउथवेस्ट एयरलाइंस के निदेशक मंडल के अध्यक्ष राकेश गंगवाल 6.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स सूची में 29वें स्थान पर हैं।

क्रय शक्ति समता में 2038 अमेरिका से आगे होगा भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक व्यापार अस्थिरता और अमेरिकी शुल्क दबावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर 20.7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है और 2038 तक अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकती है। ईवाई ने एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई है। पेशेवर सेवा कंपनी ईवाई ने बुधवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भारत इस समय चीन और अमेरिका के बाद क्रय शक्ति क्षमता के आधार पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पीपीपी के संदर्भ में 14.2 लाख करोड़ डॉलर रहा जो बाजार विनिमय दरों पर आंकी गई अर्थव्यवस्था से लगभग 3.6 गुना अधिक है। ईवाई का आकलन है कि भारत एवं अमेरिका के क्रमशः 6.5 प्रतिशत एवं 2.1 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर बनाए रखने की स्थिति में भारत 2038 तक पीपीपी के संदर्भ में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ सकता है। उस समय भारत की जीडीपी 34.2 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। इस दौरान वर्ष 2028 तक भारत बाजार विनिमय दरों पर जर्मनी को पछाड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव ने कहा, युवा एवं कुशल कार्यबल, मजबूत बचत एवं निवेश दर और टिकाऊ ऋण प्रोफ़ाइल जैसी भारत की तुलनात्मक मजबूती, वैश्विक अस्थिरता के बावजूद उच्च वृद्धि दर को बनाए रखने में मददगार होंगी। भारत जरूरी प्रौद्योगिक क्षमताएं विकसित कर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह रिपोर्ट कहती है कि अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत शुल्क लगा देने से भारत की जीडीपी को 0.9 प्रतिशत तक का झटका लग सकता है। हालांकि यदि एक-तिहाई प्रभाव मांग में कमी के रूप में आता है, तो प्रभाव जीडीपी के 0.3 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है।

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल भोपाल म.प्र.
क्रमांक 574/निर्वाह/2025 भोपाल, दिनांक / / 2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
वर्ष 2025-26 हेतु
(प्रथम आमंत्रण)

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों की ओर से **केन्द्रीय जेल भोपाल के मेनगेट/ब ''खण्ड'' कालिन परिसर एवं अण्डा सेल पर स्थापित सी.सी.टी.वी. सर्विलेंस सिस्टम** के रख-रखाव तथा मरम्मत की सेवाऐं उपलब्ध करवाने हेतु ए.एम.सी. के लिये ई-निविदा वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01.	प्री-बीड मिटिंग की तिथि	दिनांक 10.09.2025 को समय प्रातः 11:00 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
02.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म का मूल्य रु. 1000-लेखा शीर्ष 0056, जेलें-008 अन्य प्राप्तियां में ऑनलाईन जमा की जावेगी।	दिनांक 22.09.2025 समय शाम 17:30 बजे तक	www.mptendres.gov.in पर प्राप्त किये जा सकते हैं।
03.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 22.09.2025 शाम 17:30 बजे तक	www.mptendres.gov.in ऑनलाइन स्वीकार की जावेगी।
05.	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) ऑनलाइन खोलने की तिथि	दिनांक 24.09.2025 समय दोपहर 12:30 बजे	कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल भोपाल (म.प्र.)
06.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 27.09.2025 समय दोपहर 12:30 बजे	कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल भोपाल (म.प्र.)

निविदा फार्म, नियम व शर्तें तथा इस निविदा सम्बंधी अन्य विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन संबंधित वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर किया जायेगा, जिसका पृथक से प्रकाशन समाचार पत्रों में नही किया जायेगा।
जी-17854/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in
क्र. 73,74,75,76,77,78,79,80/का.यं./रा.परि.खण्ड-2/लोस्वायांवि/ दिनांक- 25/08/25

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रुपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025_PHED_446857	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed at Shaheed Nagar Sewage Network, Bhopal	6,01,591=00	12,032=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
2	2025_PHED_446858	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed under ADB Project at Section No. 1 of Sub Div. No.05, Bhopal	7,98,891=00	15,978=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
3	2025_PHED_446860	Cleaning of weeds from facultative pond no.02 i/c cleaning of grass and surface dressing work at Kotra Sewage Treatment Plant Campus, Bhopal	7,49,838=00	14,997-00	2,000=00	30 Days Including rainy season
4	2025_PHED_446862	Repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed under BWL Project at Section No. 7 B of Sub Div. No. 5 PHED, Bhopal	7,99,136=00	15,983=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
5	2025_PHED_446863	De silting and Cleaning of manholes and sewer line under BWL Project Section-4, Patra Sewage Network Bhopal	6,58,703=00	13,174=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
6	2025_PHED_446864	Repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of sewer line constructed under PPOUL Project at Section No. 6 of Sub Div.5, Bhopal	7,73,913=00	15,478=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
7	2025_PHED_446865	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at D-Sector Nehru Nagar, Bapu Nagar and Housing Board Campus at Kotra Network Area, Bhopal	7,46,012=00	14,920=00	2,000=00	15 Days Including rainy season
8	2025_PHED_446866	Waterproofing on the Roof Top and coloring, Painting work at Banganga sewage pump house Bhopal	7,28,505-00	14,570=00	2,000=00	30 Days Including rainy season

- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
- निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
- निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 09/09/25 है।

जी-17846/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
कार्यपालन यंत्री
राजधानी परियोजना खण्ड क्र.-2.
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए ''केंद्रित'' "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल
बैरागढ़ शाखा, भोपाल (म.प्र.)

आधिपत्य सूचना (चल/अचल संपत्ति)

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (एक्ट 54 का 2002) अन्तर्गत एवं धारा 13(12) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्न वर्णित दिनांक को मांग सूचना पत्र को जारी किया जिसमें निम्नवर्णित ऋणी एवं जमानतदार को नोटिस में निम्न वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं अन्य खर्चो सहित नोटिस प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था।
ऋणी द्वारा पूर्ण राशि के भुगतान नहीं करने पर ऋणी, जमानतदार एवं आमजनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13 (4) सहपठित उक्त कथित नियम के नियम 8 के अधीन निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने निम्नवर्णित संपत्तियों का कब्जा निम्नवर्णित दिनांक को ले लिया गया है।
ऋणी एवं जमानतदार को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी व्यवहार निम्न वर्णित राशि के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगा।
ऋणकर्ता जमानतदार / संपत्ति स्वामी का ध्यान आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूति-हित-का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधान के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

ऋणी एवं जमानतदार का नाम	चल एवं अचल बंधक संपत्ति का विवरण / चौहद्दी /संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक	मांग सूचना के अनुसार देय राशि
ऋणीः **मेसर्स छाया केश्यू इंडस्ट्रीज** पार्टनर - सुरभि मालचपुरे पुत्री श्री सरवन मालचपुरे पार्टनर- श्री समीर गुहे पुत्र श्री रत्नाकर गुहे	एक लीज होल्ड प्लॉट क्रमांक 26-डी, बदियाखेड़ी सीहोर एमपीआईएफसी सीहोर (म.प्र.) संपत्ति मालिक- सुरभि मालचपुरे पुत्री श्री सरवन मालचपुरे चर्तुसीमाएं- पूर्व - प्लॉट नं. 25 ए और प्लॉट नं. 25 बी का भाग, पश्चिम - प्लॉट नं. 26 ए और मुख्य सड़क का भाग, उत्तर - प्लॉट नं. 26 ए एवं प्लॉट नं. 26 बी का भाग, दक्षिण-प्लॉट नं. 25 ए एवं मुख्य सड़क का भाग	05.06.2025 / 26.08.2025	दिनांक 05/06/2025 को ₹ 97,29,957/- +ब्याज एवं खर्चे
ऋणीः **श्री विनोद चावला पुत्र श्री मुरलीधर चावला**	3 बीएचके फ्लैट नं. ए-106 ब्लॉक ए, प्रथम तल, द बेलेयर अपार्टमेंट्स, भूमि खसरा नं. 503/1/2/3, 503/1/1/4, 503/1/1/6, 503/1/1/5, 503/1/2/2, 503/1/1/3, 503/1/2/4, 503/1/1/2 पर निर्मित, कुल क्षेत्रफल -1.408 ग्राम गोदरमऊ वार्ड नंबर 6, तहसील हुजूर जिला भोपाल संपत्ति मालिक- विनोद चावला पुत्र श्री मुरलीधर चावला चर्तुसीमाएं- पूर्व -पैसेज, पश्चिम - खुला, उत्तर- फ्लैट नं. ए103,- दक्षिण- पैसेज	03.06.2025 / 25.08.2025	दिनांक 03/06/2025 को ₹ 64,44,561.76/- +ब्याज एवं खर्चे

स्थान : भोपाल, दिनांक : 27.08.2025
प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

ई-नीलामी सूचना
ऋण वसूली अधिकरण
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएँ विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) 482001
Case No. TAEX 12/2000 / ओ.ए. नं. 621/1998
ई-नीलामी क्रमांक 210/2025

BANK OF BARODA वि. M/s PRINTO PLAST PVT. LTD. AND OTHERS एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक **R.C. No. TAEX 12/2000/O.A. No. 621/1998** में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र **Rs. 20,08,033.00 (Rupees Twenty Lakh Eight Thousand Thirty Three only)** तथा उस पर 18% per annum against Cash Credit Limit and 18.5%per annum against Term Loan with half yearly rests की दर से **22-06-1995** से ब्याज एवं की वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑन लाईन ई-नीलामी प्रक्रिया तहत वेबसाईट **https:// www.bankeauctions.com** के माध्यम से की जायेगी।
ई-नीलामी की तिथि एवं समय : 03-10-2025 दोपहर 12.00 बजे से 1.00

संपत्ति की अनुसूची
Agriculture Land on part of Khasra No. 14 (New Khasra No. 14/1), situated at Village- Semra, Tehsil & District- Raisen (M.P.) Area admeasuring 5740 sq.mtr. Property in the name of Mr. Ghanshyamdas S/o Mr. Lakschhiram and Mr. Basharat Ali s/o Mr. Safdar Ali.
प्रारक्षित मूल्य : रुपए **Rs. 46,00,000.00 (Rupees Forty Six Lakh only)**

विक्रय की शर्ते
1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र धारक होना चाहिये । अधिक विवरण हेतु **M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com, helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. : 7080804466, E-mail ID: mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com**
2. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेबसाईट **https://www.bankeauctions.com** पर उपलब्ध नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तो का अवलोकन कर लें।
3. बिड केवल ऑन-लाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में पहचान पत्र की प्रति साथ में संलग्न कर जमा करनी होगी। (विस्तृत नियम व शर्तो का संदर्भ लें)।
4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10% राशि जो **रुपए Rs. 4,60,000 (Rupees Four Lakh Sixty Thousand only)** है, RTGS/NEFT/Money Transfer द्वारा **वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकारी जबलपुर के नाम से धारित Account No. 5692799461** in the name of **"Recovery Officer, E-Auction Account, DRT Jabalpur with Central Bank of India, Dhobighat Branch, Jabalpur (IFSC Code CBIN0281618)** में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा।
5. निविदा ऑन लाईन माध्यम से दिनांक **01-10-2025** अथवा इसके पूर्व 17.00 बजे तक जमा करनी होगी।
6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्न कों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा षीघ्र अति षीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह, सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें।
7. ऑन लाईन नीलामी बोली, प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड की वृद्धि राशि न्यूनतम **रुपए Rs. 50,000/-** (Rs. Fifty Thousand only), रुपये होगी। ऑन लाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता जायेगा।
8. असफल बोलीकर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उसका भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदाकर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात् वे जब तक असफल बोलीकर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापिस नहीं ले सकते, अन्यथा राशि जब्त कर ली जावेगी।
9. सफल बोलीकर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/Money Transfer के द्वारा कंडिका 4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी।
10. सफल बोलीकर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रु. 10 (प्रति संपत्ति अलग-अलग) सहित नीलामी के 15 दिन के अंदर या यदि 15 वा. दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15वे दिन के पश्चात प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित क्र. 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात पुनः विक्रय की जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोलीकर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे।
11. **संपत्ति ''जहाँ है, जैसी है तथा बिना किसी शिकायत'' के आधार** पर विक्रय की जावेगी।
12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक **22-09-2025** को **प्रातः 12 बजे से** 16 बजे तक किया जा सकेगा।
13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जावेगी।
14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने/स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा।
15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे **Shri Rituraj Singh, Chief Manager, Mob. No. 8051397810** में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण कर ले तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर ले। इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है।
16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण **M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com, helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. : 7080804466, E-mail ID: mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com**
17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी **Shri Rituraj Singh, Chief Manager, Mob. No. 8051397810** से प्राप्त किया जा सकता है।
18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते है। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टिविटी स्वयं सुनिश्चित करनी होगी। डी.आर.टी./बैंक/सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विच्छेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान : जबलपुर,
दिनांक : 07.08.2025
(प्रीती देसाई)
वसूली अधिकारी

38 साल के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन ने लिया संन्यास, चेन्नई की ओर से पदार्पण, उसके साथ ही खेला आखिरी मैच

आईपीएल में अब नहीं दिखेगी अश्विन के कैरम बॉल की करामात

जेएनएन, चेन्नई

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा की, जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही महीनों के भीतर इस टूर्नामेंट के साथ उनके 16 साल लंबे जुड़ाव का अंत हो गया। अब इस लीग में उनकी करिश्माई कैरम बॉल की करामात नहीं दिखेगी। अश्विन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह घोषणा की। अश्विन ने एक्स पर लिखा, कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा, मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और सबसे महत्वपूर्ण आईपीएल और बीसीसीआई को उन चीजों के लिए जो उन्होंने अब तक मुझे दीं। आगे जो भी मेरे सामने है उसका पूरा आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट मैच में भारत के दूसरे सबसे अधिक विकेट (537) लेने वाले गेंदबाज हैं। आईपीएल में अश्विन ने 2009 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए पदार्पण किया था। एक दशक के लंबे अंतराल के बाद 9.75 करोड़ रुपए में सीएसके से दोबारा जुड़ने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 में इसी टीम की ओर से अपना आखिरी मैच खेला। वह आईपीएल के पांचवें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज (187 विकेट) के तौर पर इस टूर्नामेंट को अलविदा कह रहे हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 7.2 की रही।

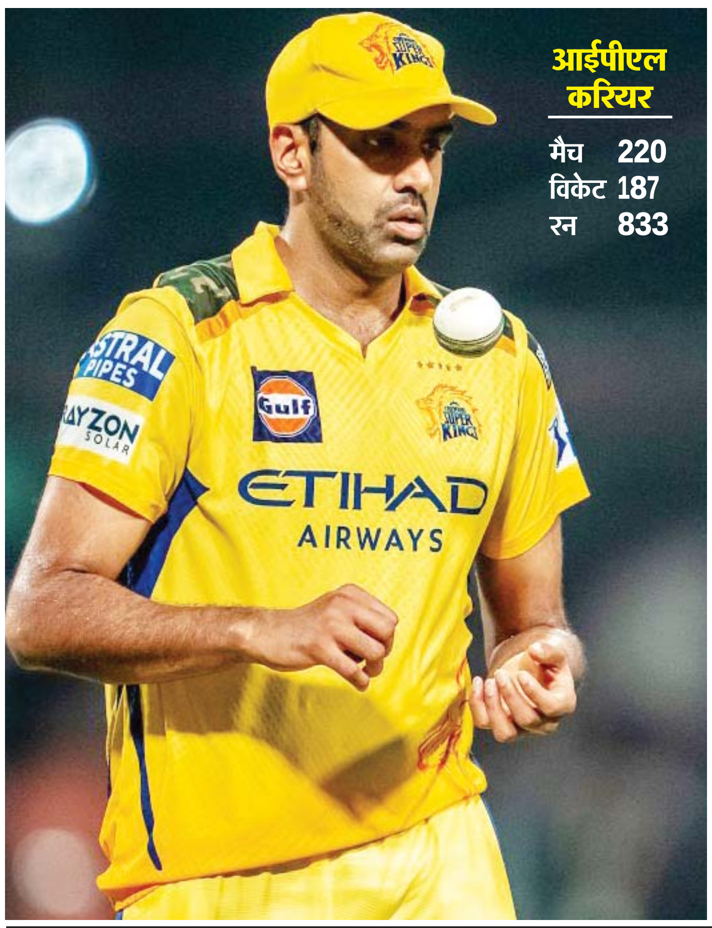

- अश्विन ने कुल मिलाकर 220 आईपीएल मैच में 30.22 की औसत से 187 विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 34 रन पर चार विकेट रहा। बल्ले से उन्होंने 50 के उच्चतम स्कोर और 13.02 की औसत से 833 रन बनाए।
- अश्विन 2010 और 2011 में सुपरकिंग्स की खिताबी जीत के दौरान टीम के अहम सदस्य थे। वह आईपीएल में अपने करियर के दौरान अब बंद हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेले।
- पिछले साल मेगा ऑक्शन में सीएसके ने अश्विन को 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, और उन्होंने 14 में से नौ मैच खेले थे। इकॉनमी के दृष्टिकोण से यह उनका सबसे महंगा साल भी साबित हुआ। उन्होंने 9.12 रन प्रति ओवर दिए। ऐसा पहली बार हुआ था कि किसी सीजन में उनकी इकॉनमी 8.49 से ज्यादा रही।

अश्विन के अनोखे किस्से

अश्विन के संन्यास के साथ ही इस टूर्नामेंट से और एक ऐसे खिलाड़ी का रिश्ता खत्म हो गया, जिसने इसके इतिहास में गहरी छाप छोड़ी। अश्विन के करियर को सिर्फ विकेटों और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उन अनोखे लम्हों से भी समझा जा सकता है, जिन्होंने क्रिकेट को पल भर के लिए और रोमांचक बना दिया।

रनआउट

पंजाब के कप्तान के तौर पर अश्विन ने राजस्थान के खिलाफ जॉस बटलर को नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रनआउट कर दिया। बटलर उस समय बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे। बिना चेतावनी दिए किए गए इस रनआउट ने मैच का रुख पलट दिया और क्रिकेट जगत को दो हिस्सों में बांट दिया। बवाल जरूर मचा, लेकिन अश्विन ने साफ कहा - उन्होंने तो बस नियमों का पालन किया।

रिटायर्ड आउट

राजस्थान के लिए खेलते हुए लखनऊ के खिलाफ अश्विन ने अचानक खुद को रिटायर्ड आउट घोषित कर दिया, ताकि उनकी जगह एक और आक्रामक बल्लेबाज क्रीज पर आ सके। आईपीएल इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था। यह उनके खेल की अलग सोच और टीम के लिए नियमों का साहसी इस्तेमाल था, जिसने सभी को चौंका दिया।

धवन बनाम अश्विन

अश्विन ने दिल्ली के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए अचानक रनअप रोक दिया और धवन को मजाकिया अंदाज में क्रीज में वापस जाने का इशारा किया। 2023 में जब अश्विन ने पंजाब के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए रन अप लेने के क्रम में आगे निकल गए थे और धवन को लगा कि जैसे अश्विन उन्हें नॉन स्ट्राइकर एंड पर रन आउट करने वाले हैं और उन्होंने जल्द ही अपना बल्ला नॉन स्ट्राइकर एंड की क्रीज में रख दिया।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

खिलाड़ी	मैच	विकेट	बेस्ट
चहल	174	221	5/40
भुवनेश्वर	190	198	5/19
सुनील नरेन	189	192	5/19
पीयूष चावला	192	192	4/17
अश्विन	220	187	4/34

इनफॉर्म क्रिस गेल बनाम युवा अश्विन

क्रिस गेल अपने सुनहरे दौर में हर गेंदबाज के लिए सिरदर्द बने हुए थे, लेकिन अश्विन उनके सामने दीवार साबित हुए। आईपीएल में गेल ने अश्विन की 64 गेंदों पर सिर्फ 53 रन बनाए, 5 बार आउट हुए और महज 3 छक्के ही लगा पाए। 2010 में सीएसके बनाम केकेआर और 2011 के फाइनल जैसे अहम मौकों पर अश्विन ने उन्हें शुरुआती ओवरों में ही चलता किया। यह टक्कर आईपीएल की सबसे यादगार कहानियों में गिनी जाती है। अश्विन ने आईपीएल में पावरप्ले में भी प्रभावशाली गेंदबाजी की है जिसकी गवाही अश्विन के आंकड़े खुद देते हैं।

खेल एक नजर

सिंकफील्ड कपः प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला, गुकेश दौड़ से बाहर

सेंट लुई (अमेरिका), जेएनएन। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप के आठवें दौर में अमेरिका के वेस्ली सो से ड्रॉ खेलकर ग्रैंड चेस टूर में ओवरऑल शीर्ष चार में जगह बनाने की दावेदारी बरकरार रखी। गत विश्व चैंपियन डी गुकेश ने भी अमेरिका के लेवोन अरोनियन से ड्रॉ खेला, लेकिन वह 10 खिलाड़ियों की इस राउंड रोबिन प्रतियोगिता में खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका। करुआना ने पहले स्थान पर होने के कारण ग्रैंड फिनाले में जगह बना ली है, फिर अंतिम दौर की बाजी का नतीजा चाहे कुछ भी रहे। ग्रैंड चेस टूर की तालिका में शीर्ष चार में रहने वाले खिलाड़ी भी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करेंगे, जिसका आयोजन ब्राजील के साओ पाउलो में किया जाएगा। वाचियेर-लाग्रेव के अलावा अरोनियन, करुआना और प्रज्ञानानंदा फाइनल में जगह बनाने के प्रबल दावेदार हैं।

सैफ चैंपियनशिपः भारतीय महिला टीम ने भूटान को 5-0 से हराया

थिम्पू, जेएनएन। भारत ने बुधवार को सैफ अंडर-17 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के अपने चौथे मैच में भूटान को 5-0 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम पहले हाफ में 3-0 से बढ़त बनाए थी। दोनों टीमों के बीच चार दिन में यह दूसरा मुकाबला था। पहले मैच में भारत ने 8-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय फॉरवर्ड अनुष्का कुमारी ने चौथे और 16वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि पांचवां गोल करने में मदद की। इससे टूर्नामेंट में अब तक उनके गोल की संख्या सात हो गई है। अन्य गोल श्वेता रानी (24वें), जुलान नोंगमाईथेम (77वें) और नीरा चानू लोंगजाम (90+5वें मिनट) ने किए। भारत ने इस तरह बिना कोई गोल खाए 22 गोल दागकर चार मैच में अपनी चौथी जीत दर्ज की और तालिका में शीर्ष पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। भारत 4 मैच में 12 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है।

मैदान से हटकर

विराट के फोटो लाइक करने पर अवनीत ने कहा-मिलता रहे प्यार

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में क्रिकेटर विराट कोहली से जुड़े सवाल का जवाब दिया। दरअसल, कुछ महीने पहले विराट ने अवनीत की एक ग्लैमरस तस्वीर को लाइक कर दिया था। उस तस्वीर में अवनीत ग्रीन कलर के क्रॉप टॉप और मिनी स्कर्ट में नजर आ रही थीं। जब यह बात लोगों की नजर में आई तो सोशल मीडिया पर मीम्स, ट्रोलिंग और अफवाहों की बाढ़ आ गई थी। बाद में विराट ने सफाई देते हुए कहा था कि यह इंस्टाग्राम के एल्गोरिदम की वजह से हुआ। अब इस पर अवनीत कौर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म लव इन वियतनाम के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में जब एक रिपोर्टर ने अवनीत से पूछा कि उनके फोटो को बड़े-बड़े सेलेब्स भी लाइक करते हैं, तो इस पर अवनीत ब्लश करते हुए बोलीं- मिलता रहे प्यार, बस। और क्या बोलूं मैं। याद दिला दें, इस विवाद के बाद अवनीत कौर के फॉलोअर्स में एक मिलियन का इजाफा हुआ था और उन्हें 12 नए ब्रांड डील्स भी मिले था। इतना ही नहीं, उनकी ब्रांड वैल्यू लगभग 30 प्रतिशत बढ़ गई थी। फैंस को अवनीत का यह पॉजिटिव और स्पोर्टिंग जवाब काफी पसंद आ रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि इस विवाद के बाद विराट और अवनीत दोनों 2025 विंबलडन फाइनल मैच में भी एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू हो गईं। (जेएनएन)

यूएस ओपनः ओसाका की आसान जीत, कोको गॉफ को मिली कड़ी टक्कर, तीन घंटे में जीतीं

जेएनएन, न्यूयॉर्क

दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका ने अपने तीसरे यूएस ओपन खिताब के लिए अभियान शुरू कर दिया है। उनके साथ ही तीसरी वरीय अमेरिकी कोको गॉफ भी साल के चौथे और आखिरी ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। पूर्व चैंपियन और 23वीं वरीय ओसाका को बेल्जियम की ग्रीट मिनेन को 6-3, 6-4 से हराने के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। दूसरी ओर, नए सर्विस कोच गेविन मैकमिलन के साथ अपनी सर्विस में सुधार कर रहीं गॉफ ने आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में खेले गए मैच में 10 बार डबल फॉल्ट किए और छह बार अपनी सर्विस गंवाई। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया की वह एजला तोमालानोविच को पहले दौर के कड़े मुकाबले में लगभग तीन घंटे में 6-4, 6-7, 7-5 से हराने में सफल रहीं। इस जीत के साथ जून में रौलां गैरां में अपनी दूसरी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने के बाद से गॉफ का रिकॉर्ड 5-4 हो गया। अब जापानी खिलाड़ी ओसाका दूसरे दौर में अमेरिका की हैली बैपटिस्ट का सामना करेंगी, जिन्होंने पहले दौर में कैटरीना सिनियाकोवा को लगातार सेट में शिकस्त दी। 2023 की चैंपियन गॉफ का मुकाबला क्रोएशिया की डोना वेकिच से होगा, जो 2024 विंबलडन सेमीफाइनलिस्ट और 2019 यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट हैं। उन्होंने स्पेन की जेसिका बूजास मानेरो को तीन सेट में हराया। चीनी स्टार वांग शिन्यू ने अमेरिकी प्रतद्विंद्वी कैरोलिन डोलेहाइड के खिलाफ वापसी करते हुए 2-6, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की और दूसरे दौर में प्रवेश किया।

ज्वेरेव नौवीं बार दूसरे राउंड में, सिनर भी जीते

पुरुष एकल में तीसरे वरीय जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और 14वें वरीय अमेरिका के टॉमी पॉल ने भी दूसरे दौर में जगह बना ली। आर्थर ऐश स्टेडियम में ज्वेरेव ने चिली के एलेजांद्रो ताबियो को लगातार सेट में 6-2, 7-6, 6-4 से हराया, जबकि पॉल ने एल्मर मोलेर पर 6-3, 6-3, 6-1 से आसान जीत दर्ज की। गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के 24 साल के यानिक सिनेर भी दूसरे दौर में पहुंच गए। चार ग्रैंड स्लैम जीत चुके सिनेर ने चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा को मात्र 98 मिनट में 6-1, 6-1, 6-2 से हरा दिया। इस नतीजे ने ज्वेरेव को नौवीं बार यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचा दिया, जिससे फ्लशिंग मीडोज में शुरुआती दौर के मैचों में उनका रिकॉर्ड 9-1 हो गया। 28 वर्षीय ज्वेरेव को अपने पहले दौर के मैच में जीत के लिए लगभग ढाई घंटे लगे। 6 फुट 6 इंच लंबे इस जर्मन खिलाड़ी का अगले मैच में ब्रिटेन के जैकब फर्नले से सामना होगा। उन्होंने स्पेन के रॉबर्टो बतिस्ता आगुत को 7-5, 6-2, 5-7, 6-4 से शिकस्त दी। ज्वेरेव को दोनों के बीच हुए मुकाबले में 2-0 की बढ़त है। चीन के बू युनचाओकेटे अपने पहले ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में जीत की तलाश में असफल रहे। वह फ्रांस के वाइल्डकार्ड वैलेंटाइन रॉयर से 1-6, 4-6, 6-7(1) से हार गए। किसी मेजर टूर्नामेंट में वह पांचवीं बार पहले दौर हारे हैं।

दलीप ट्रॉफी : श्रेयस-तिलक और यशस्वी व शमी पर रहेंगी नजरें

पारंपरिक प्रारूप में होगी टूर्नामेंट की वापसी

बेंगलुरु, जेएनएन। युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के मंच पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे, जब गुरुवार से लाल गेंद की इस प्रतियोगिता की अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी होगी और इसके साथ ही भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत होगी। छह क्षेत्रीय टीम 1960 के दशक में शुरू की गई इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पिछले सत्र में जब यह प्रतियोगिता अव्यवस्थित ढंग से तैयार भारत ए, बी, सी और डी टीमों के बीच खेली गई थी तो हितधारक खुश नहीं थे और फिर उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता की पुराने प्रारूप में वापसी हुई है। इस टूर्नामेंट ने पहले अधिक सुर्खियां नहीं बटोरी थी, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं होने या चोटिल नहीं होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य करने के बाद यह फिर से प्रासंगिक हो गया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल शार्दुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल शामिल हैं। भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवा चुके अय्यर ढेरों रन बनाना चाहेंगे, जबकि सरफराज के साथ भी यही स्थिति है, जिन्हें हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए नजरअंदाज किया गया था। एशिया कप टी-20 के लिए नहीं चुना जाना अय्यर के लिए प्रेरणा का एक अतिरिक्त स्त्रोत होगा, जिनके बाहर होने पर राय विभाजित हैं। घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर भारत के लिए लाल गेंद से उनका प्रदर्शन विशेष रहा है और वह अपने सत्र की शुरुआत अच्छी पारियों से करना चाहेंगे। तिलक वर्मा की अगुआई वाली दक्षिण क्षेत्र की टीम में सभी की नजरें आर साई किशोर पर होंगी, जो हाथ की चोट के कारण बुची बाबू टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। केएल राहुल और साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी की लाल गेंद की फिटनेस का आकलन किया जाएगा, क्योंकि चोट के कारण उन्होंने टेस्ट टीम में अपनी जगह खो दी है। यह 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे का हिस्सा नहीं था और उन्होंने पिछली बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था।

डायमंड लीग फाइनलः नीरज चोपड़ा ज्यूरिख में एक बार फिर करना चाहेंगे दमदार प्रदर्शन

ज्यूरिख, जेएनएन। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा गुरुवार को डायमंड लीग फाइनल में सत्र के अब तक के अपने सबसे शानदार 90 मीटर प्रदर्शन को दोहराते हुए ट्रॉफी पर कब्जा करना चाहेंगे। डायमंड लीग के 14 लीग चरण में से चार में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, जिसमें से चोपड़ा ने केवल दो में ही हिस्सा लिया और 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। चोपड़ा ने अगस्त में सिलेसिया और ब्रसेल्स चरण में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने पिछली बार 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी। इन चार मुकाबलों में अंक तालिका में शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालिफाई करते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 32 स्पर्धाएं होती हैं, इसलिए डायमंड लीग फाइनल दो दिन तक चलता है। बुधवार को छह स्पर्धाएं होंगी। डायमंड लीग फाइनल में प्रत्येक स्पर्धा के विजेता को इस वर्ष का चैंपियन घोषित किया जाएगा और उसे एक डीएल ट्रॉफी के साथ 30,000 से 50,000 अमेरिकी डॉलर तक की पुरस्कार राशि और अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिलेगा। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रोमांचक मुकाबला होने वाला है, जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चोपड़ा का सामना सात पुरुषों के फाइनल में ग्रेनाडा के गत चैंपियन एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के जूलियन वेबर से होगा। कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट और मोल्दोवा के एंड्रियन मार्डारे अंक तालिका में शीर्ष छह में शामिल होंगे जबकि स्विट्जरलैंड के साइमन वीलैंड को मेजबान देश की ओर से शामिल किया गया।

वनडे रैंकिंगः गिल-रोहित शीर्ष पर काबिज टॉप-10 में विराट और अय्यर भी शामिल

दुबई, जेएनएन। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा आईसीसी की ताजा रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं, जबकि विराट कोहली चौथे और श्रेयस अय्यर आठवें नंबर पर मौजूद हैं। वहीं हाल में सीरीज के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है। गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित (756) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं। कोहली के 736 अंक हैं। हाल के महीनों में भारतीय टीम ने वनडे में हिस्सा नहीं लिया है, लेकिन गेंदबाजों की ताजा वनडे रैंकिंग में कुलदीप यादव (650) और रविंद्र जडेजा (616) अब भी क्रमशः तीसरे और नौवें नंबर पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैके में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में दो विकेट पर 431 रन का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें उसके तीन बल्लेबाज ट्रेविस हेड (142), मिचेल मार्श (100) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) ने शतक जड़े। इन तीनों को इस प्रदर्शन की बदौलत रैंकिंग में काफी फायदा मिला है। हेड एक पायदान के सुधार से 11वें स्थान पर, मार्श चार पायदान की छलांग के साथ 44वें स्थान पर और ग्रीन 40 पायदान की छलांग के साथ 78वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज समाप्त होने के बाद श्रीलंका के स्पिनर महेश तीक्षणा 671 रेटिंग अंक के साथ साथी स्पिनर केशव महाराज के साथ शीर्ष पर आ गए हैं।

इंटर स्कूल फुटबॉल : सेंट थॉमस, फादर एग्नेल और सेंट जॉर्ज की एकतरफा जीत

भोपाल, खेप्र। सेंट थॉमस, विंध्यांचल एकेडमी, पीपुल्स, फादर एग्नेल स्कूल और सेंट जॉर्ज इंटरनेशनल स्कूल ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर इंटरस्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के अगले राउंड में प्रवेश किया। सेंट जॉर्ज इंटरनेशनल स्कूल में खेली जा रही प्रतियोगिता में भोपाल, विदिशा और रायसेन की विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से 16 स्कूलों की 27 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट के पहले दिन अंडर-17 बालक वर्ग में सेंट थॉमस स्कूल ने एसपीएस द्वारका धाम को 4-0 से, विंध्यांचल एकेडमी ने कैंपियन स्कूल, भौरी को 3-1 से, पीपुल्स स्कूल ने आर्मी स्कूल को 7-3 से, फादर एग्नेल स्कूल ने सेंट जॉर्ज एमपी बोर्ड को 4-0 से और सेंट जॉर्ज ने ग्लोबल स्कूल रायसेन को 5-0 से पराजित किया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन अंडर-14 वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे।

सुरेश बने भारतीय अंडर-16 बास्केटबॉल टीम के कोच

भोपाल। शहर के ए सुरेश को फीबा अंडर-16 एशियन बास्केटबॉल चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है। यह चैंपियनशिप 31 अगस्त से 7 सितंबर तक मंगोलिया में खेली जाएगी। इसके लिए भारतीय टीम 29 जुलाई से दिल्ली के आईजी स्टेडियम में तैयारी कर रही है। सुरेश आयुक्त, कोष एवं लेखा, पर्यावास भवन में कार्यरत हैं। ग्रुप-ए भारत के साथ लेबनान, ऑस्ट्रेलिया और बेहरीन की टीमें हैं। ग्रुप से शीर्ष दो टीमें अगले राउंड के लिए क्वालिफाई करेंगी। कोच ए सुरेश के नेतृत्व में मालदीव में जून 2025 में आयोजित फीबा अंडर-16 एशिया कप साबा क्वालिफायर्स में भारतीय टीम विजेता बनी थी।

विश्व चैंपियनशिप : सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में

पेरिस, जेएनएन। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक बार फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार को मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यि से होगा। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हांगकांग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधू मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। और लेत्शाना के खिलाफ भी उन्हें लय हासिल करने में दिक्कत हुई।

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड से बड़ी तबाही, 41 लोगों की मौत

कटरा में फिर भूस्खलनः 22 ट्रेनें रद्द, 27 को किया शार्ट-टर्मिनेट

कटरा, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हालात बिगड़े हैं। कटरा स्थित माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बुधवार को हुए बड़े भूस्खलन में 41 लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हुए हैं। कई जगहों पर भूस्खलन के बाद मलबा जमा होने और पत्थर गिरने से जम्मू-कटरा राजमार्ग बंद हो गया है। भारी बारिश के कारण नॉर्दर्न रेलवे ने बुधवार को 22 ट्रेनें रद्द कर दीं और 27 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया। इनमें वैष्णो देवी बेस कैंप से चलने वाली 9 ट्रेनें भी शामिल हैं। बीते दिन त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित मंदिर के मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया था। बचाव अभियान जारी है और आशंका है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं। लगातार बारिश ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी है। जम्मू में पुल ढह गए, बिजली लाइनों और मोबाइल टावरों को भारी नुकसान पहुंचा। मंगलवार को सुबह 11.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच जम्मू में 6 घंटे में 22 सेंटीमीटर बारिश हुई। हालांकि आधी रात के बाद बारिश में कमी आई, जिससे जिले को थोड़ी राहत मिली। इस बीच, मंगलवार तक लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और जलभराव से 3,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राहत कार्य जिला प्रशासन, जेके पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और स्थानीय वॉलंटियर्स की संयुक्त टीमों द्वारा चलाया जा रहा है।

लैंडस्लाइड के बाद मलबे में अपनों की तलाश में तीर्थ यात्रियों के परिजन।

जम्मू में 24 घंटे में 380 मिमी बारिश

जम्मू-कश्मीर में बीते 24 घंटों की भारी बारिश ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जम्मू में 380 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो 1910 में वेधशाला की स्थापना के बाद से सबसे अधिक है। इससे पहले का रिकॉर्ड 25 सितंबर 1988 का था, जब 270.4 मिमी बारिश हुई थी। 23 अगस्त 1996 को दर्ज 218.4 मिमी वर्षा का आंकड़ा भी पीछे छूट गया।

सैकड़ों फंसे, ट्रेनें रद्द होने से बढ़ी मुश्किल

मंगलवार को ही रेलवे ने मौसम खराब होने के चलते जम्मू और कटरा जाने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया था। इसके अलावा 27 ट्रेनों का रूट छोटा किया गया है। जम्मू तवी के लिए रवाना हुईं बेगमपुरा एक्सप्रेस, अर्चना एक्सप्रेस और लोहित एक्सप्रेस को तो बीच रास्ते ही निरस्त कर दिया गया। रेलवे ने एहतियातन यह फैसला लिया, लेकिन इससे उन यात्रियों की मुश्किल बढ़ गई है, जो यात्रा के बाद निकलना चाहते थे। एक महिला राजकुमारी देवी ने कहा कि हम लोगों ने सोमवार को ही दर्शन कर लिए थे। अब हमें घर जाना है, लेकिन ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संवेदना व्यक्त की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन की घटना में लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माता वैष्णो देवी मंदिर के यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु होने की दुखद घटना अत्यंत कष्टदायक है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं तथा राहत व बचाव कार्य में सफलता की कामना करती हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

'संघ जितना विरोध किसी संगठन ने नहीं झेला

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने 100 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में आयोजन करने वाला है। इसकी शुरुआत मंगलवार 26 अगस्त को दिल्ली से हुई है। यह इस कड़ी में पहला आयोजन है, जिसके तहत समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों और विदेशी प्रतिनिधियों से संघ प्रमुख मोहन भागवत संवाद करने वाला है। इसके पहले दिन मोहन भागवत ने आरएसएस के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इसकी शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कुछ दशक पहले तक आरएसएस के प्रबल विरोध भी आज हमारे साथ हैं और यहां बैठे भी हैं। उन्होंने कहा कि किसी स्वयंसेवी संगठन का इतने लंबे समय तक विरोध नहीं हुआ। फिर भी हमने समाज के काम के लिए खुद को समर्पित रखा है। उन्होंने कहा कि खुद को बचाने के लिए जितना लड़ना होता था, हम लड़ते थे। लेकिन कहा जाता था कि अपना ही समाज है। एक बार आरएसएस के द्वितीय सर संघचालक गुरुजी का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार उनके आवास पर हमला हुआ तो कई स्वयंसेवक बचाने गए। वे प्रतिक्रिया भी करना चाहते थे, लेकिन उन लोगों को गुरुजी ने लौटा दिया। कहा कि जब इसी समाज ने सराहा तो यदि इसी समाज से कुछ और मिलता है तो वह भी स्वीकार है। मोहन भागवत ने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने यही बात मन में रखी कि सभी अपने हैं। हिंदू के नाते संघ चलता है, लेकिन हिंदू का अपनापन सबके लिए है। वसुधैव कुटुम्बकम हमारा मंत्र है।

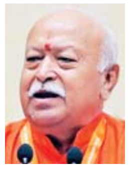

नस्लीय टिप्पणी पर भारतीय मेयर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, जेएनएन। सोशल मीडिया पर नस्लवादी टिप्पणियों का सामना करने के बाद, एक भारतीय मूल के प्रशासक ने एक ऑस्ट्रेलियाई शहर के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। विक्टोरिया के मैरीबर्नान्ग के मेयर प्रदीप तिवारी पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। जैसे ही यह खबर इंटरनेट पर फैली, लोगों ने उन्हें बल्कि पूरे भारतीय समुदाय को निशाना बनाया। तिवारी ने नस्लवादी टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि उनकी विरासत का मजाक उड़ाना अनुचित है। मेरे लिए यह समझना बहुत मुश्किल है कि पूरे भारतीय समुदाय का नस्लवादी टिप्पणियों के जरिए मजाक क्यों उड़ाया जा रहा है और उन्हें अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, नस्लवाद की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है और जब भी यह सामने आएगा, मैं इसका विरोध करता रहूंगा।

प्राइवेट पार्ट में छुपा कर लाया एक किलो सोना

मुंबई,जेएनएन । महाराष्ट्र में मुंबई के हवाई अड्डे से कस्टम विभाग ने एक यात्री के पास से वैक्स के फॉर्म में 25 कैरट गोल्ड डस्ट के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त सोने का वजन 1.07 किलो से ज्यादा है और उसकी कीमत 1.02 करोड़ रुपए है। सऊदी अरब से आया आरोपी छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा था। एक अधिकारी ने बताया कि जब्त किया गया सोना यात्री के प्राइवेट पार्ट में छिपा हुआ पाया गया। उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर, मुंबई सीमा शुल्क के हवाई अड्डा आयुक्तालय के कर्मियों ने सऊदी अरब के जेद्दा से आने वाले यात्री को रोका था और ये सूचना सही निकली। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान, उन्हें उसके प्राइवेट पार्ट में छिपा हुआ गोल्ड वैक्स मिला।

फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी भारत दौरे पर

पीएम मोदी से बोले राबुका कुछ लोग आपसे खुश नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की पृष्ठभूमि में, फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी लिगामामादा राबुका ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताया कि हो सकता है कोई व्यक्ति आपसे बहुत खुश नहीं है लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि उन असहज स्थितियों को झेल सकते हैं। राबुका ने यहां सप्रु हाउस में भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित शांति का महासागर विषय पर व्याख्यान देने के बाद श्रोताओं के साथ बातचीत में मोदी के साथ अपनी वार्ता का ब्यौरा साझा किया। फिजी के प्रधानमंत्री रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे, जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ फिजी के संबंधों को मजबूत करना है।

भारत और फिजी ने सोमवार को रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की और शांतिपूर्ण एवं समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और राबुका ने समग्र द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने के लिए वार्ता की। आईसीडब्ल्यूए व्याख्यान के बाद, एक श्रोता ने उनसे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत और शांति का महासागर के दृष्टिकोण के बारे में उनसे क्या कहा गया, इसके बारे में पूछा।

राबुका ने कहा, मेरी अमेरिका के राष्ट्रपति से कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई है। मैंने रूस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक का अनुरोध किया है। मेरी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई है...। उन्होंने कहा, कल जब हमने बातचीत की, तो प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी भावनाओं और अवधारणा को दोहराया। राबुका ने बिना विस्तार से बताए कहा, अब, जो कुछ हो रहा है, उसका असर अमेरिका के साथ आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। शुल्कों की हालिया घोषणाएं...मैंने उनसे (प्रधानमंत्री मोदी से) कहा कि कुछ लोग आपसे बहुत खुश नहीं हैं, लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप उन असहज स्थितियों को झेल सकते हैं।

बिजनेस टाइकून ने एक ही दिन में उठाईं 27 करोड़ की तीन रोल्स-रॉयस कारें

कोल्हापुर, जेएनएन। अमीर व्यवसायियों के लिए भी, एक रोल्स-रॉयस लग्जरी कार खरीदना एक बड़ी उपलब्धि होती है। हालांकि कुछ अल्ट्रा-हाई-नेट-वर्थ वाले भारतीय ऐसे भी हैं जिनके पास कई रोल्स-रॉयस मोटरकारें हैं। हाल ही में, महाराष्ट्र के कोल्हापुर के एक ऐसे ही बिजनेसमैन ने एक ही दिन में एक-दो नहीं, बल्कि तीन रोल्स-रॉयस कारों की डिलीवरी ली। इनमें एक कलिनन सीरीज टू, एक घोस्ट सीरीज टू और एक स्पेक्ट्रे ईवी शामिल थीं। इन तीनों कारों की कीमत कुल मिलाकर लगभग 27 करोड़ रुपये है। सुपरकार क्लब इंडिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इन तीनों रोल्स रॉयस कारों के मालिक की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में, इन तीनों रोल्स रॉयस कारों के मालिक संजय घोड़ावत बीच में खड़े होकर पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहली गाड़ी कलिनन सीरीज टू है, उसके बाद घोस्ट सीरीज टू है, और सबसे आखिर में स्पेक्ट्रे ईवी खड़ी है। यह बिजनेस टाइकून संजय घोड़ावत ग्रुप (एसजीजी) के अध्यक्ष हैं। उनकी कंपनी ऊर्जा, विमानन, उपभोक्ता वस्तुओं, खाद्य प्रसंस्करण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई व्यवसायों में कार्यरत है। वह संजय घोड़ावत विश्वविद्यालय के अध्यक्ष भी हैं।

लग्जरी कारों के बारे में

पहली गाड़ी (बाएँ से) रोल्स रॉयस कलिनन सीरीज टू को दुनिया की सबसे शानदार एसयूवी माना जाता है, दूसरी गाड़ी रोल्स रॉयस घोस्ट सीरीज टू दूसरी पीढ़ी की घोस्ट का फेसलिफ़्टेड वर्जन है। इसकी शुरुआती कीमत 8.95 करोड़ रुपये है तीसरी रोल्स रॉयस स्पेक्ट्रे ईवी तस्वीर में आखिरी गाड़ी रोल्स रॉयस स्पेक्ट्रे ईवी है। यह ब्रांड की पहली और बिक्री के लिए उपलब्ध एकमात्र इलेक्ट्रिक गाड़ी है। इस कूपे ईवी की शुरुआती कीमत 7.5 करोड़ रुपये है।

बिहार में तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं प्रियंका गांधी

सियासी माहौल में दिया ट्रिपल एम का फॉर्मूला

पटना, जेएनएन। बिहार की सियासी जमीन पर पहली बार प्रियंका गांधी उतरी हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में प्रियंका गांधी का दूसरा दिन है। सुपौल में शिरकत कर मधुबनी होते हुए मंगलवार को दरभंगा पहुंचीं और बुधवार को मुजफ्फरपुर के जरिए सीतामढ़ी पहुंचेंगी। इस तरह उनकी दो दिन की यात्रा पूरी तरह मिथिलांचल बेल्ट में है, जिसके जरिए वे महागठबंधन के पक्ष में सियासी माहौल बनाने की कवायद करती नजर आ रही हैं. प्रियंका गांधी की यात्रा का रूट पूरी तरह मिथिलांचल के इलाके में है, जहां वे महिला वोटों को साधने की कवायद कर रही हैं। इसके अलावा, प्रियंका बुधवार को सीतामढ़ी स्थित मां जानकी मंदिर में माथा टेककर बीजेपी के हिंदुत्व कार्ड को काउंटर करने का दांव चलेंगी।

मिथिलांचल को साध पाएंगी प्रियंका गांधी?: बिहार का मिथिलांचल इलाका बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है. बीजेपी और जेडीयू की सियासी केमिस्ट्री मिथिलांचल इलाके में सुपर हिट रही है। इस तरह एनडीए के मजबूत गढ़ में प्रियंका गांधी की यात्रा का खाका महागठबंधन ने खींचा है।

एनडीए के गढ़ में सेंधमारी की तैयारी

मिथिलांचल के सात जिलों में से प्रियंका गांधी वोटर अधिकार यात्रा से पांच जिलों में दस्तक देंगी। इस तरह से साफ है कि कांग्रेस ने प्रियंका की यात्रा का रोडमैप बहुत ही सोची-समझी रणनीति के तहत मिथिलांचल इलाके से बनाया है ताकि एनडीए के मजबूत गढ़ में सेंधमारी की जा सके। पिछली बार नीतीश कुमार को चुनाव हारने से मिथिलांचल ने बचाया था। मिथिलांचल की 60 सीटों में से 40 सीटें एनडीए जीती थी। प्रियंका गांधी की जिन जिलों में यात्रा रखी गई है, वे पूरी तरह बीजेपी-जेडीयू के दुर्ग माने जाते हैं। ऐसे में एनडीए के इसी मजबूत गढ़ को तोड़ने के लिए कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को उतारा है। मिथिलांचल में ही प्रियंका गांधी की यात्रा के पीछे कांग्रेस की बड़ी रणनीति बताई जा रही है।

उत्तराखंड में आईटी, निवेश संभावनाओं पर जर्मन दल की अधिकारियों से चर्चा

रुड़की, जेएनएन। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड के अधिकारियों से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। आईआईटी रुड़की में आयोजित इस बैठक में इंजीनियरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार-आधारित उद्यमों पर विशेष रूप से बातचीत हुई। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने उत्तराखंड प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

प्रो. पंत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य को निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने संभावनाएं तलाशी जा रहीं हैं। प्रो. पंत ने सेमीकंडक्टर, स्पेस साइंस, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में अवसरों की चर्चा की। इस तरह का सहयोग स्थानीय रोज़गार सृजन में मददगार होगा उन्होंने आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों में भी भारत-जर्मनी सहयोग पर बल दिया। जर्मनी के इनोवेशन हब राइन माइन के सीईओ श्री स्टीफन विटेकाइंड ने कहा कि फ्रैंकफर्ट उन भारतीय स्टार्टअप्स और मिड-साइज़ कंपनियों के साथ साझेदारी करना चाहता है, जो जर्मनी और यूरोप की मदद से वैश्विक विस्तार करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल स्किल्स में जर्मनी अग्रिम क़तार में है और वह भारतीय संस्थानों और उद्यमों के साथ सहयोग को लेकर उत्साहित है। दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड और फ्रैंकफर्ट के बीच घनिष्ठ संबंध नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निवेश के नए द्वार खोलेंगे और भारत-जर्मनी के सहयोग को और मजबूत करेंगे।

चीन में सुअर के फेफड़े को मानव को लगाया

नई दिल्ली, जेएनएन। चीन के सर्जनों ने एक मस्तिष्क-मृत मानव प्राप्तकर्ता में सुअर के फेफड़े का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया है। डॉक्टर इसे जेनोट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहे हैं। शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि सर्जनों ने पहली बार एक आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर के फेफड़े को एक मृत मस्तिष्क वाले मानव प्राप्तकर्ता में प्रत्यारोपित किया है और पाया है कि यह नौ दिनों तक काम करता रहा। नेचर मेडिसिन पत्रिका में इसका विस्तृत विवरण दिया गया है। वहीं, इसे अब आनुवंशिक रूप से उपयोग में लेने को लेकर एक मामूली लेकिन आशाजनक कदम माना जा रहा है। यह ऑपरेशन मई 2024 में गुआंगजौ मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रथम संबद्ध अस्पताल में किया गया, जिसमें एक 39 वर्षीय पुरुष के बाएं फेफड़े को बदलना शामिल था।

सीडीएस ने बताई भविष्य में युद्ध के लिए खास योद्धाओं की जरूरत

नई दिल्ली, जेएनएन। मध्य प्रदेश के महू में दो दिनों तक चले रण संवाद सम्मेलन के आखिरी दिन सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भविष्य में युद्ध लड़ने के लिए हाइब्रिड योद्धाओं की जरूरत पर जोर दिया है। आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित इस सम्मेलन के समापन भाषण में जनरल चौहान ने युद्ध लड़ने की रणनीति और युद्ध लड़ने के तरीकों में हो रहे बदलाव को तेजी से अपनाने और उनसे जुड़ने की आवश्यकता भी बल दिया है। जनरल चौहान के मुताबिक हमें हर तरह की लड़ाई लड़नी और जीतनी पड़ेगी।

हाइब्रिड वॉरियर्स कैसे होंगे?

सीडीएस चौहान ने आगे भविष्य में होने वाली जंगों के लिए हाइब्रिड वॉरियर्स की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। उन्होंने इसके बारे में बताते हुए कहा, मुझे लगता है कि भविष्य के युद्ध के लिए हाइब्रिड वॉरियर्स की आवश्यकता होगी...उन्हें बॉर्डर पर लड़ने, रेगिस्तान में युद्धाभ्यास करने, घने शहरी इलाकों में चुनौतीपूर्ण आतंकवाद-विरोधी मुहिम की योजना बनाने, (दुश्मन के) ड्रोन को नाकाम करने और साइबर घुसपैठ को डिकोड करने में माहिर होना चाहिए...अगर हमें लड़ना और जीतना है तो शास्त्र और शस्त्र को साथ लेकर चलना पड़ेगा...।

झगड़े में बच्चों को झटक देना बाल उत्पीड़न नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चे आपस में झगड़ते हैं और उस दौरान एक-दूसरे से मारपीट करते हैं और उसे देखकर अगर कोई वयस्क बच्चों को झटका देता है तो ऐसे आकस्मिक कृत्य बाल उत्पीड़न नहीं हैं और न ही ऐसे मामलों में बाल दुर्व्यवहार का अपराध लगाया जा सकता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि बाल दुर्व्यवहार की परिभाषा में नुकसान पहुँचाने, क्रूरता करने, शोषण या दुर्व्यवहार का स्पष्ट इरादा और इसमें जानबूझकर क्रूरता या दुर्व्यवहार भी शामिल होना चाहिए। संतोष सहदेव खजनेकर बनाम गोवा राज्य के एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा कि बिना किसी इरादे के गंभीर दंडात्मक परिणाम लागू करने से कानून का दायरा अनुचित रूप से बढ़ जाएगा।

संजय दत्त के कार कलेक्शन में मर्सिडीज मेबैक जीएलएस 600

मुंबई। संजय दत्त कारों के शौकीन हैं और उनके पास बेजोड़ कार कलेक्शन है। अब इस कलेक्शन में करोड़ों की एक और कार जुड़ गई है। संजय दत्त ने काले रंग की एक नई एसयूवी खरीदी है, जिसकी कीमत (एक्स शोरूम) 3.71 करोड़ रुपये बताई जा रही है। संजय दत्त की इस नई गाड़ी का पहला वीडियो भी सामने आया है, जो चर्चा में है। संजय दत्त ने हाल ही मर्सिडीज मेबैक जीएलएस 600 खरीदी है, जो काले रंग की है। कार खरीदने के बाद संजय दत्त ने इसकी पूजा की। जहां एक्टर ने अपने घर के बाहर अपनी नई कार के साथ पोज दिए, वहीं बाद में उनके ड्राइवर को इसे ड्राइव करते हुए देखा गया। संजय दत्त ने कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में इच्छा जाहिर की थी कि वह मर्सिडीज बेंज से कुछ गाड़ियां खरीदेंगे और अपने गैराज कलेक्शन को अपग्रेड करेंगे...और अब एक्टर ने नई मर्सिडीज मेबैक जीएल 600 खरीद ली है। उनके पास पहले से ही कई लग्जरी गाड़ियां हैं। इनमें रोल्स रॉयस घोस्ट, रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी, फेरारी, ऑडी आर8 जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा संजू बाबा के पास डुकाटी मल्टीस्ट्राडा और हर्ले डेविडसन जैसी महंगी बाइक हैं। संजय दत्त का एक फेवरेट नंबर प्लेट है- 4545, जिसे वह अपना लकी चार्म मानते हैं। हालांकि, उन्होंने बाद में अपना यह नंबर बदलकर 2999 कर लिया। संजय दत्त के करियर और लग्जरी लाइफ की बात करें, तो वह साल 1981 से काम कर रहे हैं। अपने अभी तक के चार दशक से भी लंबे करियर में उन्होंने 160 से अधिक फिल्में की हैं और खूब पैसा कमाया है।

एआई | कार के मालिक ने चैटजीपीटी के साथ गूगल के लोकशन टूल का किया उपयोग

चैटजीपीटी से खोज निकाली चोरी हुई कार

नई दिल्ली। दुनिया भर की तकरीबन सभी पुलिस एजेंसियां वाहनों की चोरी की समस्या का सामना कर रही है। वहीं, उन चोरी हुई गाड़ियों का पता लगाने के लिए तरह-तरह के तरीके भी अपनाती है। हाल ही में एक व्यक्ति ने अपनी खोई हुई लेम्बोर्गिनी हुराकेन इवीओ को ढूढ़ने के लिए ऐसा तरीका अपनाया कि उसे सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। उसने अपनी कार का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया। शख्स की यह कार कथित तौर पर दो साल पहले चोरी हो गई थी। इस शख्स ने अपनी खोई हुई कार का पता एआई से खोज निकाली। ऑरेंज काउंटी के एंड्रयू गार्सिया ने दो साल पहले सोचा था कि उनकी लेम्बोर्गिनी हमेशा के लिए चली गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चोरों ने कई अन्य सुपरकारों के साथ मिलकर एक बहु-मिलियन-डॉलर की लग्जरी कार चोरी रैकेट चलाया था। इस योजना में किरायेदार शामिल थे, जिन्होंने लगभग दो दर्जन महंगी कारें कभी वापस नहीं कीं, बल्कि कागजात में हेराफेरी करके मालिकों के टाइटल छीन लिए और फिर उन्हें बेच दिया। गार्सिया के लिए, जिस दिन उनकी कार गायब हुई, वह बहुत दुखद था। उन्होंने बताया कि मैं रोया था। जब उनकी लेम्बोर्गिनी गायब थी, तब रैकेट के अन्य पीड़ितों को उनकी कारें वापस मिल गईं। हालांकि, गार्सिया की लेम्बोर्गिनी तब तक लापता रही, जब तक उन्हें इंस्टाग्राम पर एक अजीब सा मैसेज नहीं मिला। मैसेज में लिखा था कि क्या आपने यह कार बेची थी? जिसके साथ कार की नई तस्वीरें भी थीं।

गार्सिया ने ऐसे खोजी अपनी खोई हुई लेम्बोर्गिनी

गार्सिया ने रहस्य को तुरंत सुलझाने के बजाय खुद जांच करने का फैसला किया। उन्होंने उन तस्वीरों को चैटजीपीटी में डाला, गूगल के लोकेशन टूल्स के साथ उसे जोड़ा और कार के स्थान का पता लगाने के लिए पर्याप्त डेटा निकालने में कामयाब रहे। यह रास्ता उन्हें डेनवर, कोलोराडो तक ले गया, जहां उन्होंने पुलिस को सूचित किया। वहां के अधिकारियों ने कार को ढूंढ़ निकाला और पुष्टि की कि वह वास्तव में गार्सिया की खोई हुई लेम्बोर्गिनी ही थी।

कार चोरी की जांच अभी भी जारी

कोलोराडो ऑटो थेफ्ट प्रिवेंशन अथॉरिटी के प्रवक्ता, केल गोल्ड ने इस अपरंपरागत जासूसी की सराहना की, और कहा है कि यह सक्रिय खुफिया जानकारी इकट्ठा करना चोरी हुए वाहनों को खोजने में बहुत फायदेमंद है। दिलचस्प बात यह है कि कोलोराडो में कार किसके पास थी, इसकी जांच अभी भी चल रही है। इस बीच, कैलिफोर्निया में चोरी रैकेट में शामिल व्यक्तियों को इसके नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं। एक व्यक्ति को पहले ही चोरी और गबन के आरोपों में दोषी ठहराया जा चुका है और वह सज़ा का इंतज़ार कर रहा है, जबकि दूसरे की सुनवाई अक्टूबर में होनी है।

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826433122
9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है।
-व्यवस्थापक

अण्डा
BHOPAL EGG RATE
530/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

गणेश चतुर्थी पर बीटीआर में हाथियों की पूजा

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गणेश चतुर्थी पर रिजर्व प्रबंधन ने सभी 15 कैंप हाथियों की पूजा-अर्चना की। हाथियों को केले, गन्ना, नारियल, मौसमी फल और गुड़ का भोग लगाया गया। रिजर्व के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात ये हाथी वन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये जंगल की निगरानी, आग नियंत्रण और रेस्क्यू कार्यों में सहायता करते हैं। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी इनकी अहम भूमिका है।

तेंदुए की मौत मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जागरण, मंडला। कान्हा नेशनल पार्क के किसली क्षेत्र में एक साल पहले हुई तेंदुए की मौत के मामले में वन विभाग ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से तेंदुए के नाखून बरामद हुए हैं। सूचना पर टीम ने मलाजखंड के कंचन नगर क्षेत्र में घेराबंदी की। तलाशी के दौरान पटपरा निवासी धीरसिंह उइके के पास से तेंदुए के तीन नाखून बरामद हुए। पूछताछ में उसने नाखून खटिया निवासी चेतराम पंद्रे से मिलने की बात बताई।

"ट्वीट ऑफ द डे"

हिमंत बिस्वा
मुख्यमंत्री असम

एसओपी के अनुसार असम पुलिस की विशेष शाखा इस बात की जांच करेगी कि भूमि के हस्तांतरण में कोई धोखाधड़ी या अवैध कार्य तो नहीं हुआ है, खरीदारों के वित्त पोषण का सोर्स क्या है, उस इलाके के सामाजिक ताने-बाने पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा क्या है? अगर प्रस्ताव एक ही धर्म के खरीदारों और विक्रेताओं से प्राप्त होता है, तो एसओपी उन पर लागू नहीं होगा, लेकिन अलग-अलग धर्मों के लोगों के मामले में इन सभी फैक्टर की कड़ाई से जांच की जाएगी।

खाद को लेकर तनातनी: कलेक्टर से बोले भाजपा विधायक- तू सबसे बड़ा चोर...

भिंड में भाजपा विधायक ने गुस्से में उठाया हाथ, विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

जागरण, भिंड। भिंड से भाजपा के तीसरी बार के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह बुधवार को कलेक्टर निवास के बाहर धरना देते हुए कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव पर बुरी तरह तमतमा गए। उन्होंने गाली देते हुए कलेक्टर को सबसे बड़ा चोर कह दिया। फिर कलेक्टर निवास के गेट पर ही तनातनी के बीच होंठ और दांत भींजते हुए कलेक्टर की हाथ उठाते भी भाजपा विधायक दिखे।

भाजपा विधायक कुशवाह बुधवार सुबह कलेक्टर बंगले के बाहर धरना दे रहे किसानों के बीच पहुंचे थे। किसानों का कहना था कि वे खाद संकट के संबंध में चर्चा करने गए थे, लेकिन कलेक्टर ने मिलने से ही मना कर दिया। शिकायत मिलने पर कुशवाह वहां पहुंच गए। उन्होंने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए किसानों के साथ नारेबाजी की। नारेबाजी के बीच कलेक्टर श्रीवास्तव गेट तक आए वहीं खड़े होकर विधायक से बात कर रहे थे। इसी दौरान कलेक्टर को खरी-खोटी सुनाते हुए कुशवाह ने गाली दी और मारने के लिए हाथ भी उठाया। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें कुशवाह हाथ उठाते दिख रहे हैं। वहीं मौके मौजूद एसपी असित यादव, एएसपी संजीव पाठक और एडीएम एलके पांडेय भी पहुंचे थे। सभी अधिकारी विधायक को समझाने में जुटे रहे। इस बीच विधायक कुशवाह ने चंबल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री को फोन पर शिकायत करते हुए बताया कि खाद संकट को लेकर कोई जमीनी तैयारी नहीं है। किसान खाद की कालाबाजारी की आशंका जता रहे हैं तो प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। उन्होंने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी।

मैंने मुक्का नहीं दिखाया, गेट खोलने बढ़ाया था हाथ: कुशवाह

भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने दैनिक जागरण से चर्चा में कहाकि मैं तो सामान्य ढंग से लोगों की बात रखने पहुंचा था। कलेक्टर लोगों से मिलते ही नहीं हैं, फिर उनकी समस्या का निराकरण कैसे होगा। हम जनता के आदमी हैं, उनके लिए ही बैठे हैं। कलेक्टर को भी लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण चाहिए। जिले में खाद को लेकर संकट नहीं है, लेकिन व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी हुई है। दो बीघा के किसान को भी दो बोरी खाद मिल रही है तो सौ बीघा के लिए भी दो ही बोरी है। ऐसे कैसे काम चलेगा। छोटे-छोटे मामलों की 2000 से ज्यादा फाइलें अटकी हुई हैं, कलेक्टर नामांतरण, बंटवारे के काम तक नहीं हो रहे। पूरी रात लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिल रही। तीन-तीन जगह लोगों को भटकना पड़ता है, एक जगह रसीद कटती है, दूसरी जगह टोकन और तीसरी जगह खाद मिलती है। प्रभारी मंत्री से मैनें शिकायत कर दी है। सीएम से भी चर्चा करूंगा। मुक्का मारने के लिए हाथ उठाने पर विधायक कुशवाह का कहना है कि नहीं, मैंने न मुक्का उठाया न दिखाया। वह तो गेट नहीं खोल रहा था, उसे खोलने के लिए हाथ उठाया था।

झूठे गिलास नहीं उठाने पर जूनियर को सीनियर ने पीटा

- राजधानी के तीन संस्थानों में रैगिंगे की एक साथ दर्ज हुई शिकायतें
- एनएलआईयू व महावीर मेडिकल कॉलेज के केस गंभीरता की श्रेणी में

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी के तीन प्रमुख संस्थानों की यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर एक साथ शिकायत दर्ज की गई है। हेल्पलाइन ने राष्ट्रीय विधि संस्थान विवि, खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कालेज और महावीर मेडिकल कालेज के प्रकरणों का निपटारा करने ई-मेल कर सूचित करने को कहा है। तीनों संस्थानों में गुरुवार को प्रौक्टोरियल बोर्ड और एंटी रैगिंग कमेटी बैठक कर कार्रवाई करेगी। एनएलआईयू और महावीर मेडिकल कालेज में हुई घटना गंभीर प्रकरण की श्रेणी में रखी है। इसलिए उक्त दोनों संस्थानों को जूनियर को सुरक्षा देने के साथ सीनियर के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। मेंडोरा गांव एनएलआईयू के सीनियर ने जूनियर को चाय पीने के बाद जूनियर से गिलास उठाने को कहा तब जूनियर ने इंकार कर दिया। इस दौरान सीनियर ने उसके साथ दुर्व्यवहार करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी।

रैगिंग रोकने पर गंभीर नहीं प्रबंधन: महावीर मेडिकल कालेज में जूनियर ने सीनियर द्वारा मारपीट कर अपशब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया है। कालेज प्रबंधन उक्त प्रकरण को एंटी रैगिंग कमेटी को प्रकरण सौंप कर कार्रवाई करेगा। इस संबंध में डीन संजय गुप्ता ने कुछ भी कहने से इंकार किया है। हालांकि महावीर मेडिकल कॉलेज रैगिंग जैसी घटना को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं हैं। कालेज में रैगिंग रोकने कोई संसाधन नहीं जुटाए हैं।

जूनियर के साथ किया गया दुर्व्यवहार: पं. खुशीलाल आयुर्वेद कालेज में भी जूनियर विद्यार्थी के साथ सीनियर विद्यार्थी ने दुर्व्यवहार किया है। इसकी शिकायत एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की है। कॉलेज प्रबंधन गुरुवार को प्रौक्टोरियल बोर्ड को निर्देशित कर आगामी कार्रवाई कराएगा।

प्रौक्टोरियल बोर्ड देगा नोटिस: राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में गत सप्ताह हुई चाकूबाजी के संबंध में प्रौक्टोरियल बोर्ड गुरुवार को प्रकरण के संबंध में बैठक कर दोनों पक्षों की सुनवाई करने प्रकरण में शामिल विद्यार्थियों को नोटिस जारी करेगा। इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक आरोपी द्वारा कई बार आरजीपीवी माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री विजयवर्गीय ने गाया गाना- मच गया शोर सारी नगरी...

जागरण, इंदौर। हरितालिका तीज के अवसर पर लोक संस्कृति मंच ने भजन संध्या का आयोजन किया। राजबाड़ा पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं अपने परिजनों के साथ मौजूद रहीं। महिलाओं ने शिव पार्वती की आराधना कर पति की लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने महिलाओं पर फूल बरसाए। कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने आया बिरज का बांका...राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी... आदि भजनों की प्रस्तुति भी दी। लोक संस्कृति मंच के संयोजक सांसद शंकर लालवानी और कार्यक्रम संयोजक सतीश शर्मा हैं। मालूम हो कि संस्था पिछले 21 साल से इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।

सैनिक को धक्का देकर ट्रैक्टर ले भागे रेत माफिया

जागरण, छतरपुर। रेत माफियाओं के हौसले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला छतरपुर के पन्ना रोड पर सामने आया। यहां माइनिंग विभाग की टीम ने रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली पकड़ी लेकिन माफिया उसे छुड़ाकर भाग गए। देर रात चार लोगों पर सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। दरअसल शाम को रेत से भरे ट्रैक्टर ट्राली को ले जाया जा रहा था। इसी दौरान माइनिंग की टीम पहुंची और चालक से दस्तावेज मांगे तो वह कागज नहीं दिखा पाया। ट्रैक्टर जब्त कर एक सैनिक को उसमें बैठाकर थाने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोग आए और उन्होंने ट्रैक्टर को घेर लिया और सैनिक को धक्का देकर नीचे गिराया और ट्रैक्टर को लेकर भाग गए। ट्रैक्टर में भरी बालू को सड़क पर ही खाली कर दिया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि उपेंद्र यादव, विमलेश यादव, गजराज यादव और तनु यादव के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

महिला की हत्या मामले में इनामी आरोपी गिरफ्तार

जागरण, छतरपुर। शहर के विश्वनाथ कॉलोनी में महिला मकान मालिक की हत्या के मामले में पुलिस ने बुधवार को 20 हजार रुपए के इनामी आरोपी किरायेदार को नारायणपुर रोड से पकड़ा है। आरोपी को पकड़कर कोर्ट में पेश किया गया। आरोपी महेश राय अपने पुराने किराये के मकान पर गया था। वहां मकान मालकिन शर्मन पाठक से कहासुनी के बाद महेश ने बका से हमला कर दिया था, जिससे शर्मन की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ने बीच-बचाव करने आई बेटी को भी घायल किया था।

दुर्लभ शार्क के चमकीले नारंगी रंग ने वैज्ञानिकों को किया हैरान

समुद्र में देखकर लोग गोल्डफिश समझ बैठे

नई दिल्ली, जेएनएन। समुद्र की गहराइयों में अब भी बहुत कुछ ऐसा छिपा है, जिसे खोजा जाना बाकी है। वैसे तो दरिया में तमाम तरह के जीव हैं, जिनमें से शार्क को सबसे खतरनाक माना जाता है। यह मछलियां अकसर नीले और भूरे रंग में देखने को मिलती हैं लेकिन हाल ही में कोस्टा रिका के पास मिली चमकीली नारंगी शार्क ने लोगों को ही नहीं वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया है। यह घटना पिछले साल टोर्टुगुएरो नेशनल पार्क के पास हुई थी। टूरिस्ट कंपनी के साथ मछली पकड़ने गए कुछ एंगलर्स ने समुद्र की सतह से करीब 37 मीटर गहराई पर इस चमकीली शार्क को देखा, उस वक्त पानी का तापमान करीब 31.2 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने तुरंत इस रेयर मछली की तस्वीरें खींचीं और फिर शार्क को वापस समुद्र में छोड़ दिया।

वैज्ञानिकों ने रिसर्च पब्लिश में बताया कि इस शार्क का नारंगी रंग होने की वजह दो दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन का मिलना है। पहली कंडीशन है जिसमें त्वचा और आंखों का रंग हल्का हो जाता है। दूसरा इसमें जानवर की त्वचा या स्केल्स पीले-नारंगी रंग के दिखते हैं। इन दोनों स्थितियों के कारण इस शार्क में मेलेनिन का प्रोडक्शन सामान्य तरीके से नहीं हो पाया और उसका रंग सामान्य भूरे की जगह चमकीला नारंगी हो गया।

रंग के कारण नजर आ रही थी अलग

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह नॉर्मल नर्स शार्क ही थी। रंग बेहद अनोखा था। उसकी आंखें सफेद थीं और शरीर चमकदार ऑरेंज, जिससे वह बाकी शार्कों से अलग नजर आ रही थी। यही वजह है कि इसे देखकर लोग पहले तो चौंक गए और इसे गोल्डफिश जैसा समझ बैठे। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का चमकीला रंग शार्क को शिकारियों के लिए आसान लक्ष्य बना सकता है, क्योंकि वह गहराइयों में छुप नहीं पाएगी। यह स्थिति उसकी जीवित रहने की क्षमता पर असर डाल सकती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज स्थानीय नर्स शार्क प्रजातियों की जेनेटिक विविधता को समझने में अहम भूमिका निभा सकती है।

दंपत्ति को चाकू मारकर खुद का गला रेता

जागरण, सिवनी। एक व्यक्ति ने अकाउंटेंट और उसकी पत्नी पर चाकू से हमला बोल दिया। इसके बाद खुद का भी गला काट लिया। तीनों को अस्पताल ले जाया गया। यहां आरोपी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, अकाउंटेंट को गंभीर हालत में नागपुर रेफर कर दिया। आरोपी ने अकाउंटेंट को नौकरी का झांसा देकर 10 लाख रुपए लिए थे। रुपए वापस मांगे तो उसने हमला कर दिया। एसपी दीपक मिश्रा ने बताया कि करबे कॉलोनी में प्रकाश ठाकुर अपनी पत्नी श्रद्धा ठाकुर के साथ रहते हैं। प्रकाश प्राइवेट कंपनी में अकांटेंट है। पड़ोस में अर्षित वर्मा रहता था। दोनों ही किराए से रहते हैं।

श्रद्धा के लिए 51 हजार का इनाम सोनम की तरह टांगी उल्टी तस्वीर

जागरण, इंदौर। प्रदेश के इंदौर में एमआईजी क्षेत्र से गुजराती कॉलेज की सेकंड ईयर की छात्रा श्रद्धा तिवारी पिछले पाच दिन से लापता है। परिजनों ने उसकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद में घर के बाहर श्रद्धा की उल्टी तस्वीर टांग दी है। साथ ही बेटी को ढूंढकर लाने वाले को 51 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। यह वही तरीका है जिसे कुछ समय पहले राजा रघुवंशी हत्याकांड की मास्टरमाइंड सोनम रघुवंशी के पिता ने भी अपनाया था। एमआईजी थाना पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा घर से निकलते समय अपना मोबाइल वहीं छोड़ गई थी। इसके बाद से उसका सहेलियों और अन्य परिचितों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। शुरुआती जांच में पुलिस ने उसकी एक सहेली से पूछताछ की, जिसमें सामने आया कि श्रद्धा को परिजन की फटकार मिली थी। पुलिस को अब तक तीन जगहों से सीसीटीवी फुटेज मिले हैं।

श्रद्धा तिवारी, छात्रा

आवारा कुत्तों ने सात लोगों पर किया हमला

जागरण, बड़वानी। शहर में आवारा कुत्तों ने बुधवार को 1 ही दिन में 7 लोगों पर हमला किया। इनमें एक बुजुर्ग की नाक काटने और 8 साल की बच्ची को गंभीर रूप से घायल करने की घटना शामिल है। नवलपुरा क्षेत्र में कुत्तों को भगाने की कोशिश के दौरान एक बुजुर्ग पर हमला हुआ। कुत्तों ने उन्हें कई जगह काटा और उनकी नाक को भी नोच लिया। रमकुलेशर इलाके में 8 साल की बच्ची किराना दुकान पर सामान लेने गई थी। वहां 8-10 कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने मुश्किल से बच्ची को बचाया, उसके हाथ और पैर में चोटें आई हैं। इसके अलावा कुत्तों के काटने की अन्य घटनाएं भी हुईं।

मनोज को मिली निशातपुरा थाने की कमान, संधू को श्यामला की जिम्मेदारी, इधर, सिपाही-हवलदार बदलवा रहे हर महीने थाना

छोला मंदिर थाने के लिए नहीं मिला टीआई, लाइन में बैठे हैं 12

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में मंगलवार देर रात खाली थाना श्यामला हिल्स, जहांगीराबाद में नवीन पदस्थापना की गई है। वहीं निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे को स्वास्थ्य कारणों से पुलिस लाइन भेजा गया है। उनकी जगह अरेरा हिल्स थाना प्रभारी मनोज पटवा को निशातपुरा थाने की कमान सौंपी गई है। पुलिस लाइन से निरीक्षक सुनील शर्मा को अरेरा हिल्स थाना प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन में पदस्थ निरीक्षक चतुर्भुज सिंह राठौर को जहांगीराबाद थाना प्रभारी के तौर पर तैनात किया गया है। सुनील शर्मा इसके पहले भोपाल के कोलार और श्यामला हिल्स थाना प्रभारी रह चुके हैं। अपराध शाखा से निरीक्षक भूपेंदर कौर संधू को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए श्यामला हिल्स बनाया गया है। इधर, कुछ ऐसे भी थाना प्रभारी हैं, जिनका एक थाने में लंबा समय हो गया है। इस सूची अयोध्यानगर, गोविंदपुरा, कोतवाली, खजूरी सड़क, कमलानगर थाना प्रभारी शामिल हैं। एक थाना प्रभारी ने ट्रांसफर होने के बाद विधायक का फोन करवा कर नवीन पदस्थापना रुकवा ली थी।

छोला के लिए नहीं मिला कोई भी प्रभारी

खाली पड़े थाने में छोला मंदिर अभी भी बाकी है। जहां किसी निरीक्षक की तैनाती नहीं की गई है। यहां विवादित एसआई विनोद पंथी थाने को संभाल रहे हैं। जबकि पुलिस लाइन में दर्जनभर से अधिक निरीक्षक बैठे हैं। इसमें सबसे सीनियर निरीक्षक हेमंत श्रीवास्तव हैं। इसके बाद निरीक्षक कंवलजीत रंधावा, जितेन्द्र गढ़वाल, सरिता बर्मन, द्रोपलाल भलावी, केडी कुशवाह, कार्यवाहक निरीक्षक पल्लवी पाण्डेय, निरीक्षक मनीष राज सिंह भदौरिया, सुधीर अरजरिया, हेमंत विष्णु बर्वे, कार्यवाहक निरीक्षक अखिल सिंह, निरीक्षक सुरेश चंद्र नागर, आशुतोष उपाध्याय, मान सिंह चौधरी। इनमें कुछ अधिकारी जांच के चलते थानों से हटाए गए हैं।

सिपाही-हवलदार की मनमर्जी

अधिकारियों को थाने के लिए टीआई नहीं मिल रहे। वहीं सिपाही-हवलदार एक-एक महीने में मनमर्जी से ट्रांसफर करवा रहे हैं। डीजीपी कैलाश मकवाणा के आदेश के बाद भोपाल समेत पूरे प्रदेश में लंबे समय से एक ही थाने में जमे और बार-बार एक ही थाने में पोस्टिंग कराने वाले पुलिसकर्मियों को हटाया गया था। अधिकारियों ने रिकार्ड खंगाल कर ऐसे लोगों को चुन-चुनकर अन्यत्र भेजा। लेकिन कुछ दिनों से देखने में आ रहा है कि निचले स्तर पर पुलिसकर्मी अपनी मर्जी से ट्रांसफर करवा रहे हैं। उसी संभाग में लौट रहे हैं।

मौसम

इस मानसून सीजन में भोपाल में 847.4 मिमी बारिश दर्ज

9 जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट, उज्जैन में 38.5 मिमी बारिश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मौसम विभाग ने प्रदेश के नौ जिलों में गुरुवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, रतलाम, अलीराजपुर, झाबुआ और उज्जैन में भारी बारिश के आसार हैं। प्रदेश के शेष हिस्सों में बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। बुधवार को प्रदेश में सबसे अधिक बारिश उज्जैन में हुई, यहां शाम तक 38.5 मिमी बारिश हुई। श्योपुर में 16.5, शहडोल में 13.5 और खंडवा एवं इंदौर में 12 मिमी बारिश हुई है। राजधानी भोपाल में बुधवार को दिन भर बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। इस मानसून सीजन में भोपाल में 847.4 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है, जो इस अवधि में होने वाली सामान्य बरसात 758.5 मिमी से लगभग 15 फीसदी अधिक है।

पहले गिरा अब बढ़ रहा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार पिछले सप्ताह में बारिश के दौरान पारा तेजी से गिरा था। प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर बारिश और घने बादलों के साथ तेज हवाओं के चलते तापमान 30 डिग्री से कम हो गया था, लेकिन अब पारा फिर से चढ़ने लगा है। बुधवार को प्रदेश में खजुराहो में सबसे अधिक 35.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश के बाकी अंचलों में तापमान दो डिग्री बढ़ सकता है। भोपाल में भी बुधवार को अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 22.0 डिग्री रहा।

चार सिस्टम सक्रिय, जोरदार बारिश का एक और दौर जल्द

फिलहाल देश में चार सिस्टम सक्रिय हैं, जो प्रदेश में जोरदार बारिश का एक और दौर ला सकते हैं। पहला निम्न दबाव का क्षेत्र ओडिशा तट से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में है। इसके अगले 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है। दूसरा चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिणी पंजाब में 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। तीसरी मॉनसून ट्रफ लाइन बीकानेर, वनस्थली, दमोह, पेंड्रा रोड से होते हुए ओडिशा तट से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र तक जा रही है। इसके अलावा एक ट्रफ मध्य मध्य प्रदेश से पूर्वी राजस्थान, दक्षिणी हरियाणा होते हुए दक्षिणी पंजाब पर बने ऊपरी हवा के चक्रवात तक जा रहा है। एक से दो दिनों में एमपी के अधिकांश इलाकों में तेज बारिश का एक और दौर आने की संभावना है।

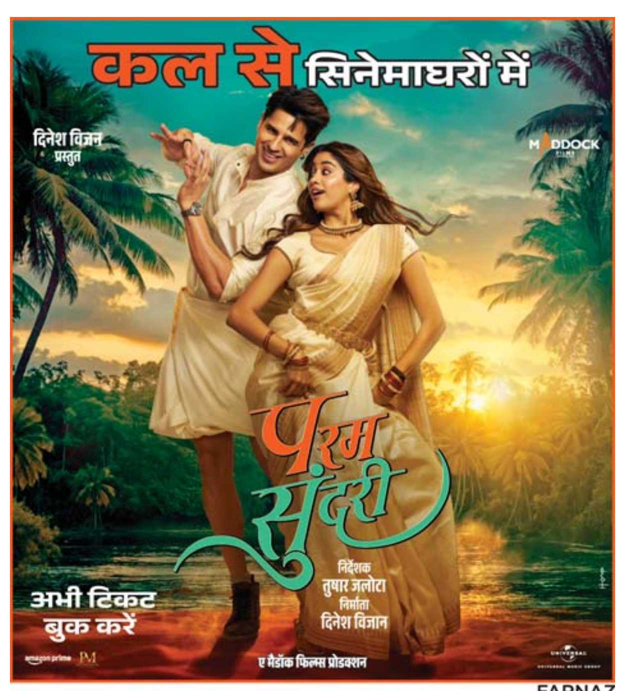

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।